Monthly Current Affairs
April 2019

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.04.2019

1. **ढोले- एशियाई जंगली कुत्ता**

- एक नए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि पश्चिमी घाटों में संरक्षित क्षेत्रों के विस्तार ने ढोले की मदद नहीं की है, जिसे सामान्यत: एशियाई जंगली कुत्ते के रूप में जाना जाता है।

संबंधित जानकारी

ढोले

- ढोले, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के उष्णकटिबंधीय वनों में एक सर्वोच्च सामाजिक मांसाहारी है।
- ढोले, भारत के पश्चिमी घाटों के कर्नाटक भाग को शामिल करने वाले भू-दृश्य में पाए जाते हैं।
- एशियाई जंगली कुत्ते का आई.यू.सी.एन. दर्जा लुप्तप्राय है।
- वे सामान्यत: समूह में शिकार करते हैं और संरक्षित क्षेत्रों से सटे जंगली भू-दृश्यों में रहते हैं।
- भू-दृश्यों को विखंडित और परिवर्तित करने वाले मानवजनित कारक एशियाई जंगली कुत्तों को प्रभावित करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **धनुष होवित्जर तोपों को भारतीय सेना में शामिल किया गया है।**

- भारतीय सेना ने जबलपुर में आयुध निर्माणी के एक समारोह में अपनी स्वदेशी विकसित और निर्मित धनुष होवित्जर तोपों को शामिल किया है।

संबंधित जानकारी

धनुष हॉवित्जर तोप

- धनुष, भारत में निर्मित होने वाली पहली लंबी दूरी की तोप है।
- इसे कलकत्ता आधारित आयुध निर्माणी बोर्ड (ओ.एफ.बी.) द्वारा भारतीय सेना की आवश्यकताओं के आधार पर विकसित किया गया है और इसे जबलपुर आधारित गन कैरिज फैक्ट्री (जी.सी.एफ.) द्वारा निर्मित किया गया है।
- इसे देसी बोफोर्स के रूप में भी जाना जाता है क्यों कि यह स्वीडिश बोफोर्स हॉवित्जर का उन्नत संस्करण है, जिसे भारत ने इसकी मूल डिजाइनों के आधार पर 1980 के दशक के मध्य में खरीदा था।
- इसमें सटीकता और यर्थाथता के साथ 40 किलोमीटर तक की मारक क्षमता है।
- इसमें डायरेक्ट फायर मोड में रात में फायरिंग करने की क्षमता भी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. **भारत का समुद्री घास का मैदान**

- पानी के अंदर समुद्री घास पारिस्थिकी तंत्र को भारत के समुद्री घास के मैदान के रूप में जाना जाता है।
- ये घास भारत में दक्षिण-पूर्वी तट (मन्नार की खाड़ी और पल्क खाड़ी) के किनारे और अरब सागर में लक्षद्वीप से बंगाल की खाड़ी में अंडमान एवं नीकोबार तक द्वीपों की खाड़ी में पाए जाते हैं।
- भारतीय समुद्री जल में पाई जाने वाले सबसे लंबे पत्तों वाले टेप समुद्री घास एक प्रमुख कार्बन सिंक है।
- उष्णकटिबंधीय वनों में मृदा के नीचे दफन करने की तुलना में घास कार्बन को पानी के नीचे तलछटी में 40 गुना तेजी से दफन कर सकती है, इस प्रकार यह एक प्रमुख कार्बन सिंक के रूप में कार्य करती है।
- समुद्री घास के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र को जाल से मछली पकड़ने, चक्रवात, रेत खनन, तटीय निर्माण, सीवेज और अन्य प्रदूषकों से खतरा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **फाकिम वन्यजीव अभयारण्य**

- फाकिम वन्यजीव अभयारण्य में एक वन गार्ड "अलेम्बा यिमचुंगर" को पृथ्वी दिवस नेटवर्क सितारे के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

- पृथ्वी दिवस नेटवर्क स्टार पुरस्कार, एक अमेरिका-आधारित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संगठन द्वारा प्रदान किया जाता है जो 195 देशों में हरित समूहों के साथ संलग्न है।

फाकिम वन्यजीव अभयारण्य

- फाकिम वन्यजीव अभयारण्य, नागालैंड के किफाइर जिले में स्थित है।
- यह अभयारण्य तेंदुआ, बाघ, जंगली भैंस, हूलॉक लंगूरों और मिथुन जैसे कई वन्यजीवों के लिए एक निवास स्थान माना जाता है।
- हार्नबिल, नागालैंड का सबसे लोकप्रिय पक्षी भी फाकिम वन्यजीव अभयारण्य में बहुतायत से पाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>सरकार ने भारतीय कॉफी की पांच किस्मों को जी.आई. टैग से सम्मानित किया है।</u>**

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने हाल ही में इस टैग से सम्मानित किया है-

1. **कर्नाटक की कूर्ग अरेबिका कॉफी**
2. **केरल की वायनाड रोबस्टा कॉफी**
3. **कर्नाटक की चिकमंगलूर अरेबिका**
4. **आंध्र प्रदेश की अराकू घाटी अरेबिका**- यह आदिवासियों द्वारा उत्पादित की जाती है, जो एक जैविक दृष्टिकोण का अनुसरण करते हैं जिसमें वे जैविक खाद, हरी खाद और जैविक कीट प्रबंधन अभ्यासों के पर्याप्त उपयोग से संबंधित प्रबंधन अभ्यासों पर जोर देते हैं।
5. **कर्नाटक की बाबाबुंदनगिरि अरेबिका कॉफी-** यह प्राकृतिक किण्वन द्वारा चुनिंदा रूप से हाथों से चुनी और संसाधित की जाती है।

संबंधित जानकारी

- भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जहाँ कॉफी की संपूर्ण खेती छाया में, हाथो से चुनकर और धूप में सुखाकर की जाती है।
- भारत दुनिया में कुछ सर्वश्रेष्ठ कॉफी का उत्पादन करता है, जो पश्चिमी और पूर्वी घाट में आदिवासी किसानों द्वारा उगाई जाती है, जो विश्व में दो प्रमुख जैव-विविधता हॉटस्पॉट हैं।
- भारतीय कॉफी को विश्व बाजार में बहुत महत्व दिया जाता है और यूरोप में प्रीमियम कॉफी के रूप में बेचा जाता है।
- भारत में, कॉफी की खेती लगभग 54 लाख हेक्टेयर भूमि पर 3.66 लाख कॉफी किसानों द्वारा की जाती है, जिनमें से 98% छोटे किसान हैं।
- कॉफ़ी की खेती मुख्य रूप से भारत के दक्षिणी राज्यों में की जाती है:

1. कर्नाटक - 54%
2. केरल - 19%
3. तमिलनाडु - 8%

- आंध्र प्रदेश और ओडिशा (2%) और उत्तर पूर्वी राज्यों (1.8%) जैसे गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भी कॉफी की खेती की जाती है।
- मॉनसून मालाबार रोबस्टा कॉफ़ी, भारत की एक विशिष्ट विशेषता वाली कॉफ़ी है, जिसे पहले जी.आई. प्रमाणन प्रदान किया गया था।

टॉपिक-जी.एस.-1-कला एवं संस्कृति जी.एस.-3- कृषि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>यूरोपीय और ओशिनियाई देशों के साथ भारत के व्यापारिक एवं आर्थिक संबंध</u>**

- यूरोपीय और ओशिनियाई देश, भारत के लिए प्रमुख व्यापारिक साझेदार और निवेश के प्रमुख स्रोत हैं और यहां पर बहुत अधिक अप्रयुक्त क्षमता है जिसे प्राप्त किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

भारत-यूरोप

- भारत और यूरोप के मध्य द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2011-12 में 150 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था।
- निवेश अनुबंधन की सीमा इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि भारत में लगभग एक चौथाई एफ.डी.आई. प्रवाह यूरोप से है और भारत का लगभग 8 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यूरोप की ओर निर्देशित है।

भारत-ओशिनिया

- भारत, ऑस्ट्रेलिया के लिए पांचवा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। कोयला, शिक्षा-संबंधी यात्रा, सब्जी और सोना भारत द्वारा आयात की जाने वाली कुछ प्रमुख वस्तुएँ हैं।
- भारत से ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख निर्यात में परिष्कृत पेट्रोलियम, व्यापार सेवाएँ और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं।
- ओशिनियाई क्षेत्र में न्यूजीलैंड विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, रत्न और आभूषण, मशीनरी और वस्त्र और परिधान के अपने निर्यात के लिए भारत हेतु एक महत्वपूर्ण बाजार है।
- अप्रैल, 2000 से दिसंबर, 2018 के मध्य भारतीय बाजार में ओशिनिया की कंपनियों द्वारा 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया था।
- ओशिनियाई क्षेत्र भी भारत की विदेशी एफ.डी.आई. का लगभग 7 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फिजी, न्यूजीलैंड और वानुअतु प्रमुख निवेश गंतव्य हैं।

ओशिनिया देश

- संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में ओशिनिया में 14 देश हैं।
- ये देश ऑस्ट्रेलिया, फिजी, किरिबाती, मार्शल द्वीप, माइक्रोनेसिया, नाउरू, न्यूजीलैंड, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनिया, समोआ, सोलोमन द्वीप, टोंगा, तुवालु और वानुअतु हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>नौसेना में एल.सी.यू. एल.-56 को शामिल किया गया है।</u>**

- स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित परिवहन जहाज, एल.सी.यू. एल.-56 को नौसेना में शामिल किया गया है।
- इसे गार्डेन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया है।

संबंधित जानकारी

लैंडिंग विमान उपयोगिता

- लैंडिंग विमान उपयोगिता (एल.सी.यू.) एक प्रकार की नाव है जिसका उपयोग उभयचर सेनाओं द्वारा उपकरण और सैनिकों को तट तक पहुंचाने के लिए किया जाता है।
- यह सैनिकों, टैंकों और उपकरणों के परिवहन सहित संचालन क्षमता को बढ़ाएगा और यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर स्थित होगा।

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लि.

- गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, कोलकाता में स्थित राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है।
- यह वाणिज्यिक और नौसेना जहाजों का निर्माण और मरम्मत करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>कूबड़ महासीर मछली अब 'गंभीर रूप से लुप्तप्राय' की श्रेणी में है।</u>**

- कूबड़ महसीर, एक बड़ी ताजे पानी की मछली है जिसे 'पानी का बाघ' भी कहा जाता है।
- ये मछलियां केवल कावेरी नदी घाटी (केरल की पांबर, काबिनी और भवानी नदियों सहित) में पाई जाती हैं।
- इस मछली को हाल ही में आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में पहले के लुप्तप्राय के दर्जे से अब "गंभीर रूप से लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

संबंधित जानकारी

अन्य प्रजातियां जिनके आई.यू.सी.एन. दर्जे में परिवर्तन हुआ है:

- महान हॉर्नबिल (भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है) को पहले "लगभग संकटग्रस्त" के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- यह उच्च शिकार दबाव और वनों की कटाई के कारण निवास स्थान समाप्त होने से "लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध है।
- सुसज्जित हार्नबिल को "कम चिंताजनक" से "लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>737 मैक्स: दुर्घटना से पहले एम.सी.ए.एस. सक्रिय हो गया था।</u>**

- पैंतरेबाज़ी विशेषता आवर्धन प्रणाली (एम.सी.ए.एस.), उड़ान स्थिरीकरण प्रणाली जिसने बोइंग 737 मैक्स विमान को रूकने से रोक लिया, यह इथियोपियाई विमान सेवा के दुर्घटनाग्रस्त होने से कुछ समय पहले सक्रिय हो गई थी।

संबंधित जानकारी

चतुर विशेषता आवर्धन प्रणाली (एम.सी.ए.एस.)

- यह एक प्रणाली है जो अपने हमलावर सेंसरों (ए.ओ.ए.) के बाहरी कोण से यह जानकारी प्राप्त होने पर कि विमान बहुत धीरे चल रहा है अथवा तेज चल रहा है और रूकने के खतरे पर है तो यह विमान की नाक को स्वचालित रूप से नीचे झुका देता है।
- इस प्रणाली को केवल तभी सक्रिय होने हेतु डिज़ाइन किया गया है जब हमले के कोण यह मापता है कि कि पंख किस प्रकार हवा से होकर गुजर रहे हैं, यह अत्यंत ऊपर तो नहीं है कि जिससे कि जहाज के रूकने अथवा पकड़ छूटने का खतरा न रहे।
- सॉफ्टवेयर उड़ान नियंत्रण प्रणाली को बताता है कि यदि रूकने का खतरा संभावित हो तो अपने हमले के कोण (ए.ओ.ए.) को नीचे की ओर परिवर्तित कर लें, जो कंप्यूटर स्वचालित रूप से शुरू कर देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- द हिंदू

02.04.2019

1. **<u>एस.एफ.आई.ओ. ने आई.एल. एंड एफ.एस. के पूर्व अध्यक्ष को गिरफ्तार किया है।</u>**

- गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय ने ढांचा लीजिंग एवं वित्तीय सेवा (आई.एल. एंड एफ.एस.) के पूर्व अध्यक्ष को गिरफ्तार किया है।

संबंधित जानकारी

गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एस.एफ.आई.ओ.)

- यह भारत में एक संवैधानिक कॉर्पोरेट धोखाधड़ी जांच संस्था है जो कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत काम करती है।
- यह प्रमुख धोखाधड़ी जांच में शामिल है और आयकर विभाग एवं केंद्रीय जांच ब्यूरो के साथ समन्वित संस्था है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- इसकी स्थापना जनवरी, 2003 में कार्पोरेट शासन पर नरेश चंद्र समिति की सिफारिशों के आधार पर और गैर-बैंकिंग कंपनियों की विफलता के कारण स्टॉक मार्केट घोटालों की पृष्ठभूमि में की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप जनता को भारी वित्तीय नुकसान हुआ था।
- यह एक बहु-अनुशासनात्मक संगठन है जिसमें वित्तीय क्षेत्र, पूंजी बाजार, अकाउंटेंसी, फोरेंसिक ऑडिट, कराधान, कानून, सूचना प्रौद्योगिकी, कंपनी कानून, सीमा शुल्क और जांच के क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संस्थाएं

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>रामप्पा मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा प्रदान किया गया है।</u>**

- तेलंगाना के वारंगल के निकट पालमपेट में स्थित रामप्पा मंदिर को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल का दर्जा प्रदान किया जा सकता है।
- हैदराबाद में अधिकांश कुतुबशाही युग के स्थलों जैसे गोलकुंडा किला, कुतुबशाही मकबरा और चारमीनार को सितंबर, 2010 से विश्व विरासत स्थलों की नमूना सूची में शामिल किया गया है।

संबंधित जानकारी

रामप्पा मंदिर

- रामप्पा मंदिर को रामलिंगेश्वर मंदिर के रूप में भी जाना जाता है, जो काकतीय राजवंश की प्राचीन राजधानी के निकट वारंगल के पालमपेट में स्थित है।
- यह शिव मंदिर है और यह देश में एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसे इसका साधिकार करने वाले राजा अथवा स्थापित देवी/देवता के नाम के बजाय वास्तुकार के नाम से जाना जाता है।

- इस मंदिर का निर्माण काकतीय शासक गणपति देवा के शासनकाल के दौरान जनरल रेचेरला रूद्र द्वारा किया गया था।
- यह मंदिर की नृत्य मूर्तियां और चित्र काले डोलोमाइट नक्काशी द्वारा चित्रित किए गए हैं।
- यह मंदिर एक घाटी पर बनाया गया है और यह उन ईंटों पर टिका हुआ है जो वैज्ञानिक रूप से पानी में तैरती हुई दिखाई देती हैं।

विश्व विरासत स्थल की चयन प्रक्रिया

- पहले चरण में स्थल के उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य को दर्शाने वाली एक विस्तृत फाइल बनाना और इसके अतिरिक्त कुछ अन्य मानदंडों को पूरा करना शामिल है।
- एक बार दस्तावेजीकरण पूरा हो जाने के बाद इसे उस राज्य पार्टी अथवा देश द्वारा संवर्धित किया जाने की आवश्यक्ता होती है जहां पर यह स्थित है।
- इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद (आइकोमॉस) और अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) द्वारा संपत्ति का मूल्यांकन किया जाता है।
- फिर अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण एवं उद्धार अध्ययन केंद्र (आई.सी.सी.आर.ओ.एम.), स्थल के संरक्षण पर सलाह और प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- इन सभी चरणों के बाद विश्व विरासत समिति, स्थल का मूल्यांकन करती है और इसे शामिल करने या नामांकन हेतु वापस भेजने का फैसला लेती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत, अमेरिका एशिया और अफ्रीका में त्रिकोणीय विकास सहकारिता का नवीनीकरण कर रहे हैं।</u>**

- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने भारत-प्रशांत सहकारिता के हिस्से के रूप में एशिया और अफ्रीका में त्रिकोणीय वैश्विक विकास सहकारिता पर मार्गदर्शक सिद्धांत के कथन (एस.जी.पी.) के पहले संशोधन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- मार्गदर्शक सिद्धांत कथन समझौते पर नवंबर, 2014 में हस्ताक्षर किए गए हैं।
- यह समझौता विशेष रूप से एशिया और अफ्रीका में सहभागी देशों की विकासात्मक आकांक्षाओं को पूरा करने हेतु दोनों देशों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक ढांचा प्रदान करता है।
- एस.जी.पी. समझौते के पहले संशोधन की वैधता वर्ष 2021 तक है।
- इस समझौते के अंतर्गत, भारत और अमेरिका कई क्षेत्रों में सहभागी देशों को क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे, ये मुख्य रूप से कृषि, क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और निवेश, पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा, महिला सशक्तीकरण, आपदा तैयारी, पानी, स्वच्छता, शिक्षा और संस्थान निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>फायेंग गांव: भारत का पहला कार्बन-सकारात्मक समाधान है।</u>**

- मणिपुर में फायेंग गांव ने स्वयं को भारत के पहले कार्बन-सकारात्मक समाधान के रूप में विकसित किया है।
- किसी गाँव को कार्बन-सकारात्मक दर्जा तब प्रदान किया जाता है यदि वह उत्सर्जन की जाने वाली कार्बन की मात्रा से अधिक मात्रा में कार्बन को पृथक करता है, ग्रीनहाउस गैसों के एकत्रीकरण को धीमा करता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करता है।
- फायेंग, तीन तरफ से घने जंगलों वाली पहाड़ियों से घिरा हुआ है, जो 1970 और 80 के दशक के अंत में राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष के अंतर्गत वित्तपोषण द्वारा सूखे और निर्जन गांव से पुनर्जीवित किया गया था।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष (एन.ए.एफ.सी.सी.)

- यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे वर्ष 2015-16 में स्थापित किया गया था।
- एन.ए.एफ.सी.सी. का समग्र उद्देश्य ठोस अनुकूलन गतिविधियों का समर्थन करना है जो जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करती हैं।
- इस योजना के अंतर्गत गतिविधियों को एक परियोजना मोड में कार्यान्वित किया जाता है।
- कृषि, पशुपालन, जल, वानिकी, पर्यटन आदि जैसे क्षेत्रों में अनुकूलन से संबंधित परियोजनाएं एन.ए.एफ.सी.सी. के अंतर्गत वित्त पोषण के लिए पात्र हैं।
- नाबार्ड, राष्ट्रीय कार्यान्वयन इकाई (एन.आई.ई.) है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत-लिवमिंट

5. **इसरो ने 28 नैनो सैटेलाइटों के साथ एमिसैट सैटेलाइट लॉन्च किया है।**

- इसरो ने पी.एस.एल.वी.-सी.45 रॉकेट लॉन्च किया है जो एक भारतीय और 28 अंतर्राष्ट्रीय उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले गया है।
- ऐसा पहली बार हुआ था कि इसरो ने एक रॉकेट लॉन्च किया था जो तीन अलग-अलग कक्षाओं में उपग्रहों को स्थापित करता है।

संबंधित जानकारी

- यह रॉकेट पेलोड को कक्षा में स्थापित करने के बाद कबाड़ में परिवर्तित होने के बजाय इस रॉकेट का चौथा और अंतिम चरण कुछ समय के लिए एक उपग्रह के रूप में कार्य करेगा।
- चौथा चरण यह है जो रॉकेट का अधिकांशत: भाग नष्ट होने के बाद यह इसके द्वारा ले जाए गए प्रणोदको के समाप्त होने के बाद उड़ने के दौरान भार को कम करने के लिए तीन चरण हैं।
- रॉकेट में चार स्ट्रैप-ऑन मोटरें लगी हुई हैं।
- स्ट्रैप-ऑन, बूस्टर रॉकेट होते हैं जो मुख्य रूप से मुख्य रॉकेट से बाहर से जुड़े होते हैं और उड़ान के दौरान मध्य में स्वयं को फायर करके अतिरिक्त दबाव अथवा ऊर्जा प्रदान करते हैं।
- पहले की उड़ानों में इसरो ने दो या छह स्ट्रैप-ऑन मोटरों का उपयोग किया था। इस बार चार अतिरिक्त बड़े स्ट्रैप ऑन मोटरों का ही उपयोग किया गया है, जिसने भार को कम किया है जब कि छह मोटरों के समान ऊर्जा भी प्रदान की है।
- पी.एस.एल.वी. सी.-45 ने प्राथमिक उपग्रह एमिसैट को 748 कि.मी. दूर स्थित सूर्य-तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया है, यह डी.आर.डी.ओ. द्वारा प्रयोग किया जाने वाला निगरानी उपकरण का एक हिस्सा है।
- इसके बाद इसने पृथ्वी के चारों ओर एक पूर्ण चक्कर लगाया, ध्रुवों के ऊपर चक्कर लगाया, अपनी कक्षा को 504 कि.मी. नीचे लाने के बाद इसने 28 अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक उपग्रहों को इकठ्ठा किया था। जिसमें से 24 उपग्रह अमेरिका के, दो लिथुआनिया के और 1-1 उपग्रह स्विटजरलैंड और स्पेन का है।
- 485 कि.मी. की एक निचली कक्षा को प्राप्त करने के दौरान इसने पृथ्वी का एक और चक्कर लगाया, जहाँ रॉकेट का चौथा चरण कुछ समय के लिए जारी रहेगा।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **जलवायु परिवर्तन, भारत की पवन ऊर्जा प्रभावित कर सकती है।**

- हाल ही के एक अध्ययन में यह ज्ञात हुआ है कि हिंद महासागर का गर्म होना और इसके परिणामस्वरूप भारतीय ग्रीष्म मानसून का कमजोर पड़ना, दुनिया की पवन ऊर्जा उत्पादन का नेतृत्व करने के भारत के लक्ष्य के रास्ते में बाधा उत्पन्न कर सकता है।
- अनुसंधानों में यह ज्ञात हुआ है कि पूरे भारत में पवन चक्कियों के संभावित बिजली उत्पादन में लगभग 13% की कमी आई है जो कि जारी रह सकती है।
- अनुसंधान में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक राज्यों में बिजली उत्पादन में गिरावट दर्शायी गई है।

पवन को प्रभावित करने वाले कारक

- शोधकर्ताओं ने दर्शाया है कि हवा से बिजली के वार्षिक उत्पादन का 63% भाग वसंत मौसम की हवाओं द्वारा उत्पादित होता है।
- इस अवधि के दौरान भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के कमजोर होने के कारण शोधकर्ताओं ने इन महीनों के दौरान पवन ऊर्जा में कमी पाई है।
- भारत में, ग्रीष्मकालीन पवनें भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद महासागर के बीच तापमान के अंतर पर निर्भर करती हैं और हिंद महासागर का गर्म होना इस अंतर को कम कर देता है।
- भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के गर्म होने से भी हवा की गति धीमी हुई है।

भारत के भविष्य का लक्ष्य

- सरकार ने वर्ष 2022 तक 60 गीगावॉट की संचयी पवन ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.)</u>**

- ई.वी.एम. ने वर्ष 1982 में केरल राज्य चुनावों में मतपत्र प्रणाली को प्रतिस्थापित किया था और अब इसे लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रयोग किया जा रहा है।
- ई.वी.एम. संचालित करने में आसान, विश्वसनीय, अवैध वोटों की संभावना को समाप्त करने वाली, गिनती की प्रक्रिया को तेज करने वाली और मत पेटिका की तुलना में परिवहन करने में आसान है।
- **केवल दो भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां ई.वी.एम. का निर्माण करती हैं, वे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड हैं।**
- ई.वी.एम. में एक नियंत्रण इकाई होती है, जो मतदान अधिकारी के पास होती है और एक मतदान इकाई होती है, जिसमें मतदाता अपना मत डालने के लिए प्रवेश करता है।
- मशीन पर पार्टियों के नाम और प्रतीक दर्शाए जाते हैं और मतदाता अपनी पसंद की पार्टी के बगल वाला बटन दबाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>ऑस्ट्रेलिया ने सात राष्ट्रीय हिंद महासागर सैन्य युद्धाभ्यास शुरू किया है।</u>**

- ऑस्ट्रेलिया हिंद महासागर में सात राष्ट्रीय हिंद महासागर सैन्य युद्धाभ्यास का आयोजन कर रहा है।
- सात राष्ट्रों में श्रीलंका, भारत, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया और सिंगापुर शामिल हैं।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य हिंद महासागर में बढ़ते चीनी प्रभाव का मुकाबला करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

03.04.2019

1. **<u>उड़ीसा को 'कंधामल हल्दी' के लिए जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- 'कंधामल हल्दी', दक्षिणी उड़ीसा की स्वदेशी हल्दी की किस्म है, इसे बौद्धिक संपदा भारत की ओर से भौगोलिक संकेतक (जी.आई.) टैग प्रदान किया गया है।
- उड़ीसा के दक्षिणी आंतरिक इलाकों में कंधामल अपनी हल्दी के लिए प्रसिद्ध है, यह एक प्रकार का मसाला है जो व्यंजनों की सारिणी में अपने गौरान्वित स्थान का आनंद लेता है।
- कंधामल हल्दी (हल्दी) में हल्दी की अन्य किस्मो की तुलना में अधिक ओलियोरेजिन और वाष्पशील तेल सामग्रियां हैं।
- यह तेज सुगंध आती है और इसके उच्च औषधीय मूल्य हैं।

संबंधित जानकारी

हाल ही में प्रदान किए गए जी.आई. टैग

नाम	**उपभोग की वस्तु/हस्तशिल्प/खाद्यय उत्पाद**	**स्थान**
अल्फांसो	खाद्य	कोंकण (पश्चिमी भारतीय राज्य महाराष्ट्र, गोवा और दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक)
कड़कनाथ चिकन	खाद्य (मांस)	मध्य प्रदेश
शाही लीची	खाद्य	बिहार
पटोला साड़ी	हस्तशिल्प	राजकोट (गुजरात)
बोका चौल	खाद्य	असम
कतरनी चावल	खाद्य	बिहार
पेठापुर प्रिंटिंग ब्लॉक	हस्तशिल्प/कपड़ा निर्माण	गुजरात
तुलापंजी चावल	खाद्य	बंगाल
पोचमपल्ली इकात	हस्तशिल्प	तेलंगाना
दुर्गी पत्थर नक्काशी	हस्तशिल्प	गुंटूर जिला (आंध्र प्रदेश)
चक्शेसांग शॉल	हस्तशिल्प	नागालैंड
एतिकोप्पाका खिलौने	हस्तशिल्प	आंध्र प्रदेश
सांगली हल्दी	खाद्य उत्पाद	महाराष्ट्र
मरायुर गुड़	खाद्य उत्पाद	इदुक्की, केरल
कूर्ग अरेबिका कॉफी	खाद्य उत्पाद	कर्नाटक
वायनाड रोबस्टा कॉफी	खाद्य उत्पाद	केरल
चिकमंगलूर अरेबिका	खाद्य उत्पाद	कर्नाटक
अरकू घाटी अरेबिका	खाद्य उत्पाद	आंध्र प्रदेश
बाबाबुदांगिरिस अरेबिका कॉफी	खाद्य उत्पाद	कर्नाटक

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>बैंकों के ऋण डिफॉल्टरों पर आर.बी.आई. के परिपत्र को खारिज कर दिया गया है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने आर.बी.आई. के उस परिपत्र को खारिज कर दिया है जो ऋणदाता बैंको को अपनी तनावपूर्ण परिसंपत्तियों को प्राप्त करने हेतु 480 दिन का समय प्रदान कर रहा था अथवा 2,000 करोड़ से अधिक के ऋणों पर डिफाल्ट करने वाली निजी संस्थाओं के खिलाफ दिवालियापन संहिता के अंतर्गत आने को कह रहा था।
- न्यायालय ने धारा 35 एए और 35 एबी के अंतर्गत आर.बी.आई. को प्रदत्त शक्तियों के बीच अंतर भी बताया है।
- आर.बी.आई, दिवालियापन संहिता के अंतर्गत आने हेतु केवल बैंकिंग संस्थानों को निर्देश दे सकती है यदि दो निर्दिष्ट स्थितियां हो अर्थात,

1. ऐसा करने के लिए केंद्र सरकार का प्राधिकरण है और
2. ऐसा विशिष्ट डिफाल्ट के संबंध में होना चाहिए।

संबंधित जानकारी

बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949

- यह नियमों का एक समूह है जो भारत में बैंकिंग क्षेत्र को नियंत्रित करता है।
- यह अधिनियम 1949 में कानून अधिनियमित किया गया था।
- यह भारतीय रिजर्व बैंक को बैंकों को लाइसेंस देने और भारत में बैंकिंग विनियामक के रूप में काम करने का अधिकार प्रदान करता है।
- बैंकिंग विनियमन (संशोधन) अध्यादेश, 2017 में दो नए खंड (अर्थात 35 एए और 35 एबी) जोड़े गए हैं।
- बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35 ए, यह अधिनियम केंद्र सरकार को आर.बी.आई. को बैंकिंग कंपनियों को यह निर्देशित करने के लिए अधिकृत करता है कि जहां आवश्यक्ता हो वहां पर दिवालियापन संकल्प प्रक्रिया के द्वारा विशिष्ट रूप से तनावग्रस्त परिसंपत्तियों को प्राप्त किया जाए।
- यह अध्यादेश रिज़र्व बैंक को संकल्प के लिए अन्य दिशा-निर्देश जारी करने और तनावपूर्ण परिसंपत्ति संकल्प के लिए बैंकिंग कंपनियों को सलाह देने हेतु स्वीकृत अथवा नियुक्त अथवा नियुक्ति हेतु, प्राधिकरणों अथवा समितियों को सक्षम बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 -भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

3. **<u>विशेष श्रेणी दर्जा</u>**

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा है कि आंध्र प्रदेश को विशेष श्रेणी दर्जे (एस.सी.एस.) के स्थान पर विशेष वित्तीय पैकेज प्रदान किया गया था, क्यों कि 14 वें वित्त आयोग ने किसी भी राज्य को एस.सी.एस. का अनुमोदन किए जाने का प्रावधान हटा दिया था।

संबंधित जानकारी

विशेष श्रेणी दर्जा क्या है?

- संविधान में भारत के किसी भी राज्य को विशेष श्रेणी दर्जा (एस.सी.एस.) राज्य के रूप में वर्गीकृत करने का कोई प्रावधान शामिल नहीं है।
- एस.सी.एस. राज्यों को पूर्ववर्ती योजना आयोग निकाय, राष्ट्रीय विकास परिषद (एन.डी.सी.) द्वारा पूर्व में केंद्रीय योजना सहायता अनुमोदित की गई थी।

एन.डी.सी. ने राज्यों की कई विशेषताओं के आधार पर यह दर्जा प्रदान किया था, जिसमें शामिल थी:

- पहाड़ी और कठिन इलाका
- निम्न जनसंख्या घनत्व अथवा बड़े पैमाने पर जनजातीय आबादी की उपस्थिति
- अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के किनारे रणनीतिक स्थान
- आर्थिक और ढांचागत पिछड़ापन
- राज्य वित्त की गैर-व्यवहार्य प्रकृति

एस.सी.एस. राज्यों को किस प्रकार की सहायता प्राप्त होती है?

- एस.सी.एस. राज्यों को गाडगिल-मुखर्जी फार्मूले के आधार पर ब्लॉक अनुदान प्राप्त होता था, जो 2009-10 के अंत तक एस.सी.एस. राज्यों को कुल केंद्रीय सहायता का लगभग 30 प्रतिशत भाग हस्तांतरित करने की प्रभावी स्वीकृति प्रदान करता था।
- 14वें वित्त आयोग (एफ.एफ.सी.) ने सिफारिश की थी कि एस.सी.एस. राज्यों को केंद्रीय योजना सहायता, सभी राज्यों (13वें वित्त आयोग की स्फिारिशों में 32 प्रतिशत से 42 प्रतिशत कर दी गई है) के लिए बांटे जाने वाले हिस्से के बढ़े हुए हस्तांतरण में सम्मिलित किया गया है।
- एफ.एफ.सी. ने "वन क्षेत्र" जैसे चरों को मानदंड में 7.5 के वज़न के साथ विचलन में हस्तारंतरण में शामिल करने की सिफारिश की थी और जो उत्तर-पूर्वी राज्यों को लाभ दे सकता था जिन्हें पहले एस.सी.एस. सहायता प्रदान की गई थी।
- इसके अतिरिक्त एस.सी.एस. राज्यों के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सहायता 90% केंद्रीय हिस्से और 10% राज्य की हिस्सेदारी के साथ दी गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>ठकुरानी जात्रा और डंडा नाता महोत्सव</u>**

संबंधित जानकारी

ठकुरानी जात्रा

- इस महोत्सव के दौरान देवी बुद्धी ठकुरानी को ठाकुरानी मंदिर गली के मुख्य मंदिर से उड़ीसा के देसी बेहेरा गली में स्थित उनके अस्थायी निवास पर ले जाया जाता है, जहां पर वे महोत्सव समाप्त होने तक रहती हैं।
- यह महोत्सव 32 दिनों तक चलता है।
- इन देवी को डेरा समुदाय की नेता देसीबेहेणा के एक परिवार के सदस्य के रूप में माना जाता है, यह बुनकर वंश था जिसने इसे रेशम शहर के रूप में प्रसिद्ध किया है।

डंडा नाता महोत्सव

- डंडा नाता अथवा डंडा जात्रा, दक्षिण उड़ीसा के विभिन्न हिस्सों और विशेष रूप से गंजम जिले में आयोजित किए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण पारंपरिक नृत्य समारोहों में से एक है।
- यह महोत्सव 21 दिनों तक चलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>अरुणाचल में पुन: अफस्पा लगा दिया गया है।</u>**

- 32 वर्षों के बाद, विवादास्पद सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, अरुणाचल प्रदेश में पुन: लागू किया गया है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के नौ जिलों में से तीन जिलों में से आंशिक रूप से हटा दिया गया था।
- न्यायमूर्ति बी.पी. जीवन रेड्डी समिति ने राज्य से अधिनियम को समाप्त करने की सिफारिश की थी।

संबंधित जानकारी

अफस्पा का क्या अर्थ है?

- अफस्पा सशस्त्र बलों को "अशांत क्षेत्रों" में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की शक्ति प्रदान करता है।
- उनके पास एक क्षेत्र में पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठे होने को प्रतिबंधित करने का अधिकार है, यदि उन्हें ऐसा लगता है कि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन कर रहा है तो उन्हें बल प्रयोग करने अथवा एक चेतावनी देने के बाद गोली मारने तक का अधिकार प्राप्त है।
- यदि किसी प्रकार का तार्किक शक होता है तो सेना को उस व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार करने, बिना वारंट के प्रवेश करने और तलाशी लेने, आग्नेयास्त्रों के अधिकार पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार प्राप्त है।

"अशांत क्षेत्र" क्या है और इसे घोषित करने का अधिकार किसके पास है?

- अशांत क्षेत्र वह है जिसे अफस्पा की धारा 3 के अंतर्गत अधिसूचना द्वारा घोषित किया जाता है।
- कोई भी क्षेत्र विभिन्न धार्मिक, नस्लीय, भाषायी या क्षेत्रीय समूहों या जातियों या समुदायों के सदस्यों के मध्य मतभेद या विवाद के कारण अशांत क्षेत्र बन सकता है।
- केंद्र सरकार या राज्य के राज्यपाल या केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक, राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के पूरे या कुछ हिस्से को अशांत क्षेत्र के रूप में घोषित कर सकते हैं।
- धारा 3 के अनुसार, इसे उन जगहों पर लागू किया जा सकता है जहां "नागरिक शक्ति की सहायता में सशस्त्र बलों का उपयोग आवश्यक होता है"।
- सामान्यत: गृह मंत्रालय इस अधिनियम को वहीं लागू करेगा जहां आवश्यक होगा लेकिन ऐसे अपवाद भी रहे हैं जहां केंद्र ने अपनी शक्ति को त्यागने का निर्णय लिया है और राज्य सरकारों पर निर्णय छोड़ दिया है।

कौन से राज्य इस अधिनियम के अंतर्गत आए थे अथवा हैं?

- यह पूरे नागालैंड, असम, मणिपुर (इंफाल की सात विधानसभा क्षेत्रों को छोड़कर), अरुणाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर में प्रभावी है।
- केंद्र ने 1 अप्रैल, 2018 को मेघालय में इसे हटाया था।
- त्रिपुरा में 2015 में अफस्पा को हटाया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>परिवहन एवं विपणन सहायता (टी.एम.ए.) योजना</u>**

- वाणिज्य मंत्रालय ने परिवहन एवं विपणन सहायता (टी.एम.ए.) योजना के अंतर्गत लाभ का दावा करने हेतु एक विस्तृत प्रक्रिया स्थापित की है, जिसका उद्देश्य कृषि निर्यात को बढ़ावा देना है।
- मार्च, 2019 में सरकार ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के कुछ देशों मे ऐसी वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि उत्पादों के परिवहन और विपणन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु इस योजना की घोषणा की थी।

योजना के संदर्भ में जानकारी:

- विशिष्ट कृषि उत्पादों हेतु "परिवहन एवं विपणन सहायता" (टी.एम.ए.) योजना है।
- इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादों के माल एवं विपणन के अंतर्राष्ट्रीय घटकों को सहायता प्रदान करना है, जिससे ट्रांस-शिपमेंट के कारण विशिष्ट कृषि उत्पादों के निर्यात के परिवहन की उच्च लागत के नुकसान को कम करने की संभावना है।
- यह निर्दिष्ट विदेशी बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों के लिए ब्रांड मान्यता को भी बढ़ावा देता है।
- यह योजना विदेश व्यापार नीति (2015-20) में उपयुक्त रूप से शामिल होगी।
- इस योजना के अंतर्गत योग्य कृषि उत्पादों के सभी निर्यातकों को शामिल किया जाएगा, जो कि विदेश व्यापार नीति के अनुसार प्रासंगिक निर्यात संवर्धन परिषद से विधिवत रूप से पंजीकृत हैं।

टॉपिक- जी.एसस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

7. **<u>भारत और अमेरिकी नौसेनाओं के मध्य पहला सुरक्षित लिंक स्थापित किया गया है।</u>**

- भारत और अमेरिका ने नौसेना मुख्यालय के मध्य पहली बार सुरक्षित संचार लिंक स्थापित किया है।
- अमेरिका सेंट्रल के साथ ही साथ प्रशांत नौसेना कमान भी वर्ष 2018 में लैंडमार्क भारत-अमेरिका कॉमकासा संधि के अंतर्गत आती है।
- अमेरिका ने कॉमकासा (संचार, अनुकूलता और सुरक्षा समझौते) के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप सी-130 और सी-17 परिवहन विमानों में से कुछ में चयनात्मक उपलब्धता एंटी-स्पूफिंग मॉड्यूल जी.पी.एस. प्रणाली को भी सक्रिय किया है।
- सी-130 और सी-17 के मामले में प्रणाली खरीदी गई थी लेकिन सक्रिय नहीं की गई थी क्यों कि अमेरिका ने कहा था कि यह एन्क्रिप्शन कोड के साथ भाग नहीं ले सकता है जब तक कि सक्षम कॉमकासा संधि को हस्ताक्षरित नहीं किया जाएगा।
- भारत की रक्षा कूटनीति के लिए एक प्रमुख संवर्धन है, वास्तविक समय परिचालन बुद्धिमत्ता को साझा करने हेतु दोनों पक्षों को दो उन्नयन की स्वीकृति प्राप्त होगी।
- दोनों नौसेनाओं के मध्य एक सुरक्षित सक्रिय लिंक की स्थापना को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है क्यों कि भारत भविष्य में संयुक्त परिचालन करने के अतिरिक्त नवीनतम अमेरिकी नौसैनिक खुफिया तक पहुंच प्राप्त करेगा।

टॉपिक- जी.एस.-3- रक्षा

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

04.04.2019

1. **<u>एम.एच.-60 आर. बहु-मिशन हेलीकॉप्टर</u>**

- संयुक्त राज्य अमेरिका के विभाग ने अपने विदेशी सैन्य बिक्री (एफ.एम.एस.) कार्यक्रम के अंतर्गत 2.4 बिलियन डॉलर की अनुमानित लागत पर भारत को 24 एम.एच.-60 'रोमियो' सीहॉक बहु-मिशन हेलीकॉप्टर बेंचने की मंजूरी प्रदान की है।
- एम.एच.-60 आर. बहु-मिशन हेलीकॉप्टर को युद्धपोत, विध्वंसक पोत, जहाजों और विमान वाहको से परिचालित करने हेतु डिजाइन किया गया है।

- एम.एच.-60 आर. हेलीकॉप्टर भारत को सतह रोधी और पनडुब्बी रोधी युद्धक अभियानों की क्षमता प्रदान करेगा।
- ये हेलीकॉप्टर भारत को द्वितीयक मिशनों को पूरा करने की क्षमता भी प्रदान करेंगे जिसमें ऊर्ध्वाधर पुनःपूर्ति, खोज और बचाव और संचार प्रसारित करना शामिल हैं।
- अमेरिका ने वर्ष 2018 में भारत को एक रणनीतिक व्यापार प्राधिकरण-1 (एस.टी.ए.-1) का दर्जा प्रदान किया था और दक्षिण कोरिया और जापान के बाद इस दर्जे को हासिल करने वाला तीसरा एशियाई देश (और वैश्विक स्तर पर 37 वां देश) बन गया है।
- सीहॉक हेलीकॉप्टर, ब्रिटिश निर्मित सी किंग हेलीकॉप्टरों के भारत के पुराने बेड़े की भरपाई करेंगे।

संबंधित जानकारी

- भारत ने अमेरिका के साथ संचार अनुकूलता एवं सुरक्षा समझौता (कॉमकासा) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।
- यह भारत को सुरक्षित संचार उपकरण स्थानांतरित करने में अमेरिका को कानूनी आधार प्रदान करने में मदद करेगा, जिससे सैन्य उपकरण अंतरकार्यकारिता और वास्तविक समय डेटा साझाकरण भी बढ़ेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>विरंजन ने विश्व के सुदूर दक्षिण भाग में प्रवाल भित्तियों को प्रभावित किया है।</u>**

- ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक ने पाया है कि गर्मियों के दौरान विश्व के सुदूर दक्षिण भाग में विरंजन ने प्रवाल भित्तियों को प्रभावित किया है।

संबंधित जानकारी

प्रवाल भित्ति

- प्रवाल भित्ति, पानी के नीचे स्थित पारिस्थितिकी तंत्र है जिसकी विशेषता भित्ति का निर्माण करने वाले प्रवाल हैं।
- भित्तियां, कैल्शियम कार्बोनेट द्वारा प्रवाल जंतुओं के समूहों के एक साथ इकठ्ठा होने से बनती हैं।
- अधिकांश प्रवाल भित्तियां, पत्थर कोरल से मिलकर बनी होती है, जिसके जंतुओ के झुंड समूह में होते हैं।

प्रवाल विरंजन

- प्रवाल विरंजन तब होता है जब प्रवाल जंतु अपने ऊतकों में रहने वाले शैवालों को बाहर निकाल देते हैं।
- सामान्यत: प्रवाल जंतु, शैवाल के साथ एक अंत: सहजीवी संबंध में रहते हैं और प्रवालों के लिए यह संबंध महत्वपूर्ण होता है और इस प्रकार संपूर्ण भित्तियों के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण होता है।
- प्रक्षालित प्रवाल जीवित रहते हैं लेकिन क्यों कि शैवाल, प्रवाल को अपनी 90% ऊर्जा प्रदान करते हैं, शैवाल को बाहर निकालने के बाद प्रवाल भूखा होने लगता है।
- कैल्शियम कार्बोनेट के पारदर्शी ऊतक का पीला सफेद रंग होता है जो पिगमेंट का उत्पादन करने वाले जूक्सैंथेल की हानि के कारण दिखाई देता है।

प्रवाल विरंजन का कारण

- उन्नत समुद्री तापमान
- अल नीनो समुद्र के तापमान को बढ़ाता है और प्रवाल भित्तियों को नष्ट करता है
- समुद्री अम्लीकरण
- सौर विकिरण और पराबैंगनी विकिरण

प्रवाल विरंजन के परिणाम

- प्रवाल भित्तियों को "समुद्र के वर्षावनों" के रूप में वर्णित किया जाता है।
- प्रवालों की मृत्यु होने और इसके परिणामस्वरूप भित्तियों के न दिखाई देने से समुद्री जानवरों की संख्या में कमी आ सकती है जो जीवित रहने के लिए भित्ति पर निर्भर होते हैं।
- तब संपूर्ण खाद्य श्रृंखला अनियमित हो जाती है।

- प्रवाल भितियों के उन्मूलन के परिणामस्वरूप पर्यटन से आय और संसाधनों का बहुत नुकसान होगा।
- प्रवाल भितियां समुद्र से निरंतर तरंग ऊर्जा को अवशोषित करके तटरेखाओं की रक्षा भी करते हैं, जिससे तट के नजदीक रहने वाले लोगों की तूफान की क्षति, कटाव और बाढ़ से रक्षा की जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>चुनाव संचालन की निगरानी करने हेतु चुनाव आयोग द्वारा पर्यवेक्षक नामित किया गया है।</u>**

- पर्यवेक्षक, सरकार का एक अधिकारी होता है, जो निर्वाचन आयोग (ई.सी.) द्वारा किसी निर्वाचन क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्रों के समूह में चुनाव संचालन की निगरानी करने हेतु नामित किया जाता है।
- पर्यवेक्षक के पास परिणाम की घोषणा से पहले मतगणना को रोकने के लिए निर्वाचन क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्रों के समूह के निर्वाचन अधिकारी को निर्देशित करने की शक्ति होती है अथवा परिणाम नहीं घोषित करने का अधिकार भी होता है यदि उसे विश्वास है कि:
- बूथ कैप्चरिंग हुई है
  (i) गलती से मतपत्र से छेड़छाड़ की गई है (ii) अन्यथा उस सीमा तक जहां मतदान केंद्र पर परिणाम का पता नहीं लगाया जा सकता है। (iii) यदि पर्यवेक्षक इसे सच मानता है तो उसे चुनाव आयोग को तुरंत सूचित कर सकता हैं।

संबंधित जानकारी

- **मुख्य निर्वाचन अधिकारी**- राज्य /संघ राज्य क्षेत्र में चुनाव कार्य की निगरानी करना
- **जिला निर्वाचन अधिकारी**- किसी जिले के चुनाव कार्य की निगरानी करना
- **निर्वाचन अधिकारी**- प्रत्येक विधानसभा और संसदीय क्षेत्र के लिए
- **निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी**- एक संसदीय/ विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>बाली में विश्व सिंचाई मंच की तीसरी बैठक के लिए तेलंगाना इंजीनियरों के चार तकनीकी पेपरों का चयन किया गया है।</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय सिंचाई एवं जल निकासी आयोग ने सितंबर 2019 में इंडोनेशिया के बाली में आयोजित होने वाली विश्व सिंचाई मंच कमी तीसरी बैठक में अपनी प्रस्तुति के लिए तेलंगाना के सिंचाई विभाग के इंजीनियरों द्वारा प्रस्तुत चार तकनीकी पेपर प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

विश्व सिंचाई मंच (डब्ल्यू.आई.एफ.)

- त्रिवार्षिकी का उद्देश्य बहु-विषयों की सिंचाई में शामिल सभी हितधारकों और नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों, अनुसंधान संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों और किसानों सहित सभी पैमानों को एक साथ लाना है।
- यह ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप ताजे पानी के संसाधनों को नष्ट करने के समय मे सिंचाई के लिए कृषि की समस्याओं को हल करने हेतु विश्व सिंचाई समुदाय और इच्छुक विकास पेशेवरों के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- आई.सी.आई.डी. (अंतर्राष्ट्रीय सिंचाई एवं जलनिकासी आयोग) वैश्विक स्तर पर रूचि के मुद्दों में व्यस्त करके साझा करने और सीखने हेतु डब्ल्यू.आई.एफ. में बहु-हितधारकों के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है।
- यह दर्शाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने हेतु विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला को भी इकट्ठा करता है।

सिंचाई हेतु भारत का कदम

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पी.एम.के.एस.वाई.)

- इसे 1 जुलाई, 2015 को लॉन्च किया गया था।
- सिंचाई आपूर्ति श्रृंखला अर्थात पानी संसाधन, वितरण नेटवर्क और खेत स्तर के अनुप्रयोगों में पूर्ण समाधान प्रदान करने हेतु पी.एम.के.एस.वाई. का आदर्श वाक्य हर खेत को पानी है।

पी.एम.के.एस.वाई. में निम्नलिखित घटक हैं:

- **त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम**: जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है
- **पी.एम.के.एस.वाई. (हर खेत को पानी):** जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है
- **पी.एम.के.एस.वाई. (जलविभाजन):** भूमि संसाधन विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **पी.एम.के.एस.वाई. (प्रति बूंद अधिक फसल-पी.डी.एम.सी.):** कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग पी.एम.के.एस.वाई. के प्रति बूंद अधिक फसल को कार्यान्वित कर रहा है, जो देश में 2015-16 से चालू है।
- प्रति बूंद अधिक फसल, मुख्य रूप से सटीक/ सूक्ष्म सिंचाई (एम.आई.) (टपक एवं छिड़काव सिंचाई) के माध्यम से खेत के स्तर पर जल उपयोग दक्षता पर केंद्रित है।

9वां अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म सिंचाई सम्मेलन

- इस सम्मेलन की थीम "सूक्ष्म सिंचाई और आधुनिक कृषि" थी।
- इस सम्मेलन का आयोजन जल संसाधन एवं नदी विकास मंत्रालय द्वारा किया गया था।

सूक्ष्म सिंचाई कोष

- सूक्ष्म सिंचाई में सार्वजनिक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु नाबार्ड के साथ सूक्ष्म सिंचाई कोष का निर्माण किया गया था।
- इस कोष का मुख्य उद्देश्य राज्यों को सूक्ष्म सिंचाई के विस्तार के लिए संसाधन जुटाने में सुविधा प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – कृषि

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>अर्थोपाय ऋण</u> (<u>Ways and Means Advances)</u>**

- आर.बी.आई ने भारत सरकार के परामर्श से यह निर्णय लिया है कि वित्त वर्ष 2019-20 की पहली छमाही के लिए अर्थोपाय ऋण (डब्ल्यू.एम.ए.) की सीमा निर्धारित की जाएगी।

संबंधित जानकारी

अर्थोपाय ऋण

- यह केंद्र और राज्य सरकार की प्राप्तियों और भुगतानों में अस्थायी अंतर को पूरा करने के लिए आर.बी.आई. द्वारा प्रदान की गई एक अस्थायी ऋण सुविधा है।
- इसे 1 अप्रैल, 1997 को पेश किया गया था।
- यह सुविधा सरकार द्वारा प्राप्त की जा सकती है यदि उसे आर.बी.आई. से तत्काल नकदी की आवश्यकता है।
- 90 दिनों के बाद अर्थोपाय ऋण खाली किए जाने हैं।
- डब्ल्यू.एम.ए. की सीमा आर.बी.आई. और भारत सरकार द्वारा पारस्परिक रूप से तय की जाती है

नोट: अर्थोपाय ऋण के लिए ब्याज दर, रेपो रेट की दर लगाई जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भारत ने मलावी में कृषि, ग्रामीण विकास संस्थान स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- भारत ने दक्षिण-पूर्व अफ्रीका के एक स्थलसीमा देश मलावी में भारत-अफ्रीका कृषि एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आई.ए.आई.ए.आर.डी.) की स्थापना हेतु राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास परामर्श सेवा बैंक (एन.ए.बी.सी.ओ.एन.एस.) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह अफ्रीकी देशों के लिए कृषि-वित्तपोषण और उद्यमिता विकास के क्षेत्रों में क्षमता बढ़ाने हेतु भारत सरकार के प्रयासों को पूरक करने का एक प्रयास है।
- आई.ए.आई.ए.आर.डी., एक पैन-अफ्रीकी संस्थान होगा जिसमें प्रशिक्षु न केवल मलावी के बल्कि अन्य अफ्रीकी देशों के प्रशिक्षु भी मानव संसाधन विकसित करने और अपनी क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
- यह संस्थान, भारत द्वारा किसी अफ्रीकी देश में विकसित इस प्रकार का पहला संस्थान होगा।

- यह मलावी के साथ द्विपक्षीय संबंधों और अफ्रीकी संघ के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

7. **<u>भारतीय सेना ने लेह में सिंधु नदी पर सबसे लंबा निलंबन पुल "मैत्री पुल" बनाया है।</u>**

- भारतीय सेना ने सिर्फ 40 दिनों में लेह में सिंधु नदी पर सबसे लंबा निलंबन पुल बनाया है।
- इस पुल का मैत्री पुल है, पुल का निर्माण भारतीय सेना के 'फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स' की 'सहासौर योग्यता' रेजिमेंट के लड़ाकू इंजीनियरों द्वारा किया गया था।
- 260 फीट लंबा पुल लद्दाख में दूरदराज के इलाकों में कनेक्टिविटी को एक बड़ा बढ़ावा देने की संभावना है।
- केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र में सभी मौसमों में सड़क कनेक्टिविटी बनाने पर जोर दिया था।

टॉपिक- जी.एस.-3- ढांचा

स्रोत- बिजनेस टुडे

8. **<u>नुगेन गतिशीलता सम्मेलन 2019</u>**

- आई.सी.ए.टी., मानेसर में एक नुगेन गतिशीलता सम्मेलन 2019 का आयोजन कर रहा है।
- इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य उन्नत और हरित भविष्य के लिए तेज अनुकूलन, आत्मसातकरण और उन्नत मोटर वाहन तकनीकों के विकास हेतु नए विचारों, शिक्षाओं, वैश्विक अनुभवों, नवाचारों और भविष्य की तकनीकों को साझा करना है।

अंतर्राष्ट्रीय मोटर वाहन तकनीकि केंद्र (आई.सी.ए.टी.)

- आई.सी.ए.टी. मानेसर, भारत सरकार के भारी उद्योग विभाग अंतर्गत नैट्रिप कार्यान्वन सोसाइटी (एन.ए.टी.आई.एस.) का एक प्रभाग है।
- यह सभी श्रेणियों के वाहनों के परीक्षण, सत्यापन, डिजाइन और मान्यता के लिए सेवाएं प्रदान करता है।
- यह नई पीढ़ी के गतिशीलता समाधानों में वर्तमान और भविष्य के विनियमनों की विश्वसनीयता, स्थायित्व और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वाहन मूल्यांकन और घटक विकास में अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने में मोटर वाहन उद्योग की सहायता करने हेतु एक मिशन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

05.04.2019

1. **<u>खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट 2019</u>**

- यह रिपोर्ट खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.), विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू.एफ.पी.) और अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आई.एफ.पी.आर.आई.) द्वारा संयुक्त रूप से जारी की गई है।

रिपोर्ट के निष्कर्ष

- गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे लोगों की कुल संख्या का दो-तिहाई भाग 8 देशों- यमन, कांगो, अफगानिस्तान, इथियोपिया, सीरिया, सूडान, दक्षिण सूडान और उत्तरी नाइजीरिया में है।
- इस रिपोर्ट में वर्ष 2019 में खाद्य असुरक्षा के अल्पकालिक पूर्वानुमान का भी उल्लेख किया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि उपर्युक्त उल्लेखित देश विश्व के सबसे गंभीर खाद्य संकट वाले देश बने रहेंगे।
- वर्ष 2018 में जलवायु और प्राकृतिक आपदाओं ने अन्य 29 मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा में शामिल कर दिया है और डाटा का अंतर होने के कारण इस संख्या में उत्तर कोरिया और वेनेजुएला सहित 13 देशों को शामिल नहीं किया गया है।

संबंधित जानकारी

खाद्य एवं कृषि संगठन

- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष संस्था है जो भुखमरी को समाप्त करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- इसका मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
- एफ.ए.ओ. का लक्ष्य सभी के लिए खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना और यह सुनिश्चित करना है कि

सक्रिय स्वस्थ जीवन जीने के लिए लोगों को पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाले भोजन की नियमित पहुंच प्राप्त है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>सी.सी.एम.बी. के वैज्ञानिक ने जीवाणु कोशिका विकास पर अंकुश लगाने हेतु "म्यूरीन एंडोपेप्टीडाइजके" नामक एंजाइम की खोज की है।</u>**

- सी.सी.एम.बी. के वैज्ञानिकों ने "म्यूरीन एंडोपेप्टीडाइजके" नामक एक एंजाइम की खोज की है।
- यह एंजाइम जीवाणु की कोशिका झिल्ली तोड़ने में मदद करता है और मौजूदा एंटीबॉयोटिक दवाओं के माध्यम से एंटी-बैक्टीरियल प्रतिरोध को बनाए रखने हेतु नई दवा पहुँच मार्ग की क्षमता प्रदान करता है।
- शोधकर्ताओं ने एक नए एंजाइम की पहचान की थी जो इशरीकिया कोली (ई. कोली) में कोशिका भित्ति के प्रोटीन पर कार्य करेगा जो एक संभावित दवा लक्ष्य हो सकता है।

संबंधित जानकारी

कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.)

- यह हैदराबाद में स्थित आधुनिक जीवविज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में एक प्रमुख अनुसंधान संगठन है।
- इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करना है और जीव विज्ञान के अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीकों के लिए केंद्रीकृत राष्ट्रीय सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत को वर्ष 2030 तक एस.डी.जी. को प्राप्त करने हेतु अपनी जी.डी.पी. का 10 प्रतिशत खर्च करना चाहिए: रिपोर्ट</u>**

- यह रिपोर्ट एशिया और प्रशांत हेतु संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग द्वारा जारी की गई थी।
- भारत को गरीबी समाप्त करने हेतु प्रति व्यक्ति प्रति दिन लगभग $ 2 (रु.140) खर्च करने की आवश्यकता है, जब कि एशिया-प्रशांत के शेष देशों को सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को हासिल करने हेतु प्रति व्यक्ति प्रति दिन लगभग $ 1 खर्च करने की आवश्यक्ता है।

संबंधित जानकारी

एशिया और प्रशांत हेतु संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (ई.एस.सी.ए.पी.)

- यह संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पाँच क्षेत्रीय आयोगों में से एक है।

अन्य हैं:

- अफ्रीका आर्थिक आयोग (ई.सी.ए.)
- यूरोप आर्थिक आयोग (ई.सी.ई.)
- लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियाई आर्थिक आयोग (ई.सी.एल.ए.सी.)
- पश्चिमी एशिया आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (ई.एस.सी.डब्ल्यू.ए.)
- ई.एस.सी.ए.पी. की स्थापना एशिया और सुदूर पूर्व में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के साथ ही इस क्षेत्र और विश्व के अन्य क्षेत्रों के मध्य आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी

संबंधित जानकारी

सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.)

- सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) का निर्धारण वर्ष 2012 में रियो डी जनेरियो में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सम्मेलन में हुआ था।
- एस.डी.जी. 169 लक्ष्यों के साथ 17 "वैश्विक लक्ष्यों का एक समूह है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है।
- एस.डी.जी. ने मिलेनियम विकास लक्ष्यों (एम.डी.जी.) को प्रतिस्थापित किया है, जिसने वर्ष 2000 में गरीबी को समाप्त करने हेतु एक वैश्विक प्रयास शुरू किया था।
- इसका उद्देश्य सार्वभौमिक लक्ष्यों के एक समूह का उत्पादन करना है जो हमारे विश्व द्वारा सामना की जा रही तत्काल पर्यावरणीय, राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों को पूरा करता हो।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **कोमोडो ड्रैगन**

- इंडोनेशिया सरकार बड़े पैमाने पर पर्यटन द्वारा उत्पन्न की गई समस्याओं को हल करने और विश्व की सबसे बड़ी छिपकली की तस्करी करने के प्रयासों को विफल करने हेतु अस्थायी रूप से एक द्वीप को बंद कर सकती है।

संबंधित जानकारी

कोमोडो ड्रैगन

- ये विश्व सबसे बड़ी, सबसे भारी छिपकलियां हैं और इनमें कुछ जहरीली भी हैं।
- कोमोडो ड्रैगन रिंटजा, पदार और फलोर्स और कोमोडो द्वीप सहित निम्न सुंडा समूह के कुछ इंडोनेशियाई द्वीपों तक ही सीमित हैं।
- कोमोडो ड्रेगन का आई.यू.सी.एन. दर्जा 'लुप्तप्राय' है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

5. **द ऑर्डर ऑफ जायद: यू.ए.ई. के शीर्ष सम्मान से मोदी जी को सम्मानित किया गया है।**

- यू.ए.ई. के राष्ट्रपति खलीफा बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, 'ऑर्डर ऑफ जायद' से सम्मानित किया है।
- ऑर्डर ऑफ जायद के पिछले प्राप्तकर्ताओं में रूसी राष्ट्रपति पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्रिटिश क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति मुर्शरफ शामिल थे।
- आर्डर ऑफ जायद, राष्ट की सरकारों/ प्रमुखों को यू.ए.ई. के साथ उनके अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए प्रदान किया जाता है।

संबंधित जानकारी

भारत और यू.ए.ई. के संबंध

- भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड ने कर्नाटक में पादुर भूमिगत सुविधा में कच्चे तेल के भंडारण का पता लगाने हेतु अबू धाबी राष्ट्रीय तेल कंपनी (ए.डी.एन.ओ.सी.) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड, एक विशेष प्रयोजन वाहन है जो पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत तेल उद्योग विकास बोर्ड की सहायक कंपनी है।

भारत-यू.ए.ई. हाइड्रोकार्बन संबंध

- यू.ए.ई., भारत के लिए 6वां सबसे बड़ा कच्चा तेल का स्रोत है और लगभग 6% पेट्रोलियम आवश्यक्ताओं की आपूर्ति करता है।
- हाल ही में भारत और यू.ए.ई. ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रूप से ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए क्रेता-विक्रेता संबंधों से द्विमार्गी निवेश संबंधों में बदल दिया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2- पुरस्कार और सम्मान

स्रोत- द हिंदू

6. **महर्षि बद्रायण व्यास सम्मान**

- भारत के उपराष्ट्रपति ने शास्त्रीय संगीत में विद्यानों को 100 "राष्ट्रपति सम्मान प्रमाणपत्र" और "महर्षि बद्रायण व्यास सम्मान" प्रदान किया है।

संबंधित जानकारी

- अनुच्छेद 343 के अनुसार, भारत की आधिकारिक भाषा देवनागरी लिपि में हिंदी होनी चाहिए।
- भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार 22 भाषाएँ हैं।

शास्त्रीय भाषा

भारत में 6 शास्त्रीय भाषाएं हैं।

- कन्नड़
- मलयालम
- उड़िया
- संस्कृत
- तमिल भाषा
- तेलुगु भाषा

किसी भाषा की शास्त्रीय भाषा के रूप में घोषणा निर्धारित करने हेतु मानदंड निम्नानुसार है:-

- इसके शुरूआती प्रतिलेखों की असाधारण प्राचीनता अथवा 1500-2000 वर्षों का प्रमाणित इतिहास होना चाहिए।

- प्राचीन साहित्य या ग्रंथों का एक संग्रह जिसे वक्ताओं की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है।
- साहित्यिक परंपरा अद्वितीय होनी चाहिए और किसी अन्य भाषा समुदाय से नहीं ली जानी चाहिए।
- शास्त्रीय भाषा और साहित्य के आधुनिक से विविध होने के कारण शास्त्रीय भाषा और उसके बाद के रूपों या उसके विकसित रूपों में अनिरंतरता भी हो सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>अग्रिम मूल्य समझौता</u>**

- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी.बी.डी.टी.) ने मार्च, 2019 के महीने में 18 ए.पी.ए. में प्रवेश किया है, जिसमें 3 द्विपक्षीय ए.पी.ए. (बी.ए.पी.ए.) शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

अग्रिम मूल्य समझौता क्या है?

- ए.पी.ए. कई वर्षों के लिए एक अनुबंध है, यह अनुबंध करदाता और मूल्य निर्धारण विधि को निर्दिष्ट करने वाले कम से कम एक कर प्राधिकरण के मध्य है, जिसे करदाता अपने संबंधित कंपनी हस्तांतरणों में लागू करेगा।
- इन कार्यक्रमों को करदाताओं की स्वेच्छा से पारंपरिक जांच प्रक्रिया के विकल्प के रूप में सक्रिय, सहकारी तरीके से वास्तविक या संभावित हस्तांतरण मूल्य निर्धारण विवादों को हल करने में मदद करने के लिए बनाया गया है।

लाभ

- ए.पी.ए., करदाताओं को निश्चितता प्रदान करता है और विवादों को कम करता है, कर राजस्व को बढ़ाता है और विदेशी निवेश के लिए देश को आकर्षक गंतव्य बनाता है।
- ये समझौते करदाता के साथ-साथ सरकार दोनों पर बाध्यकारी होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थव्यवस्था

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

8. **<u>'पासुपु कुमकुमा': महिलाओं हेतु आंध्र सरकार की योजना है।</u>**

- चुनाव आयोग (ई.सी.) ने एक आदेश पारित किया है जिसमें कहा गया है कि "पासुपु कुमकुमा" योजना के अंतर्गत किया गया कोई भी धन हस्तांतरण आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं करेगा।

पृष्ठभूमि

- इस योजना को फरवरी, 2019 में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य स्वयं-सहायता समूहों में पंजीकृत महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को 10,000 रुपये नकद और एक स्मार्टफोन प्रदान किया जाता है।
- इस योजना के अंतर्गत, लगभग 93 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी और तीन महीने के भीतर तीन पृथक किश्तों में वित्तीय सहायता का भुगतान किया जाता था।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

09.04.2019

1. **<u>मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के लिए "पीली" मौसम चेतावनी जारी की है।</u>**

- मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में बारिश के लिए "पीली" मौसम चेतावनी जारी की है।
- आई.एम.डी. ने बाधा अथवा क्षति पहुँचा सकने वाली गंभीर अथवा खतरनाक मौसम स्थितियों से जनता को सचेत करने हेतु रंग-कोडित चेतावनी जारी की है।

संबंधित जानकारी

- मौसम विभाग, विभिन्न श्रेणियों की चेतावनी को इंगित करने के लिए चार रंग कोडों का उपयोग करता है। ये रंग कोड निम्न हैं-

1. हरा
2. पीला
3. अम्बर
4. लाल

- ये रंग कोड बरती जाने वाली सावधानियों के स्तरों को दर्शाते हैं।

हरा रंग: यह इंगित करता है कि "कोई चेतावनी नहीं" है और इसलिए कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। ऐसे मामलों में कोई भी सलाह जारी नहीं की जाती है।

पीला रंग: यह इंगित करता है कि "अपडेट रहें" अर्थात मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखें क्यों कि यह खराब हो सकता है। पीला, मौसम चेतावनियों का न्यूनतम खतरनाक स्तर है।

अम्बर रंग: यह इंगित करता है कि "तैयार रहें" अर्थात यहां पर बेहद खराब मौसम होने की संभावना बढ़ रही है।

लाल रंग: यह इंगित करता है कि "कार्रवाई करें", इसमें विभिन्न संस्थाओं द्वारा आवश्यक कार्रवाईयां की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>पेरियार के मलिनकिरण का अंत नहीं हो रहा है।</u>**

- पेरियार नदी (केरल) का मलिनकिरण अभूतपूर्व रूप से निरंतर जारी है, जो कि पर्यावरणविदों के लिए एक चिंतनीय मुद्दा बना हुआ है।
- पर्यावरणविद कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मलिनकिरण का मुख्य कारण नदी के किनारे स्थित उद्योगों द्वारा नदी में अत्यधिक मात्रा में बहाए जाने वाला रसायनिक अपशिष्ट है जिसके परिणामस्वरूप नदी में यूट्रोफिकेशन की स्थिति उत्पन्न होती है।

संबंधित जानकारी

यूट्रोफिकेशन

- यूट्रोफिकेशन वह स्थिति है जब कोई जल निकाय पौधों और शैवालों की अत्यधिक वृद्धि को प्रेरित करके खनिजों और पोषक तत्वों से समृद्ध हो जाता है।
- इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप जल निकाय में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- यह प्राय: नाइट्रेट अथवा फॉस्फेट युक्त डिटर्जेंट, उर्वरकों या सीवेज के एक जलीय प्रणाली में निर्वहन से प्रेरित होता है।
- पोषक तत्वों के बढ़े हुए स्तर की प्रतिक्रिया के रूप में यूट्रोफिकेशन के परिणामस्वरूप "शैवाल विकास" अथवा जल निकाय में पादप प्वलकों में काफी वृद्धि होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>पौधों में 'डेथ स्विच' तंत्र की खोज से फसलों का अधिक उत्पादन हो सकता है।</u>**

- चीनी वैज्ञानिकों ने पौधों की प्रतिरक्षा प्रणाली में एक संभावित "डेथ स्विच" तंत्र की खोज की है जो संक्रमित कोशिकाओं को स्वयं नष्ट होने हेतु प्रेरित करता है, इस प्रकार यह रोग के प्रसार को सीमित करता है और पौधे के अन्य भागों को स्वस्थ रखता है।
- यह खोज कोशिका मृत्यु नियंत्रण और पौधों के लिए प्रतिरक्षा का सुराग प्रदान करती है और शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि आगे के शोध से रोग प्रतिरोधी फसलों की एक नई पीढ़ी को जन्म दिया जा सकता है जो महत्वपूर्ण रूप से कीटनाशकों का कम उपयोग करती हैं और पर्यावरण के अधिक अनुकूल हैं।

यह किस प्रकार काम करता है?

- लगभग 20 साल पहले वैज्ञानिकों ने खोज की थी कि पौधों में भी जानवरों की भांति मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली होती है जो उन्हें विषाणु, कवक, जीवाणु और परजीवी सहित रोगजनकों से बचा सकती है। इसके अतिरिक्त पौधों के पास रोगज़नक़ों से निपटने के लिए एक अद्वितीय "लालच और पकड़ों" प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया होती है जो उनकी कोशिकीय प्रतिरक्षा का उल्लंघन करती है लेकिन यह किस प्रकार कार्य करती है यह अभी तक ज्ञात नहीं है।
- इस रहस्य की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं और उनकी टीम ने एवरैक नामक एक प्रोटीन की जांच की है, जो पत्तागोभी में काली सड़न पैदा करने वाले जीवाणु रोगजनक द्वारा उत्पादित होता है। यह जीवाणु एवरैक को पौधें की कोशिका में प्रवेश कराता है जो पौधें की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करने हेतु "जैव रासायनिक हथियार" के रूप में कार्य करता है।

- शोधकर्ताओं ने खोजा है कि कुछ पौधे जेड.ए.आर.1 नामक एक प्रतिरोधी प्रोटीन को ले जाने के लिए विकसित हुए हैं जो एवरैक जैसे जीवाणु प्रोटीन का पता लगा सकते हैं। ये पौधे "लालच (बेट)" के रूप में एक विशेष प्रोट्रीन का प्रयोग करते हैं और जीवाणु प्रोटीन पर हमला करने के बजाए उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं।
- जब बेट पर हमला किया जा रहा होता है तो जेड.ए.आर.1 एक बहुप्रोटीन संरचना बनाने के लिए सक्रिय हो जाता है जिसे रेसिस्टोसोम कहते है। रेसिस्टोसोम स्वयं कोशिका झिल्ली में होता है और इसे हमलावर रोगजनकों के साथ ही स्वयं ही नष्ट होने के लिए प्रेरित करता है, इस प्रकार यह अन्य स्वस्थ कोशिकाओं की रक्षा करता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>युद्धाभ्यास- वेस्टर्न शील्ड</u>**

- श्रीलंकाई सेना 1 जुलाई, 2019 से शुरू होने वाली "युद्धाभ्यास- वेस्टर्न शील्ड" का संचालन करेगी।
- यह युद्धाभ्यास सरकारी सैनिकों और तमिल टाइगर विद्रोहियों के मध्य द्वीप राष्ट्रों के 30 वर्षीय नागरिक संघर्ष के समापन के 10 वर्षों के साथ मेल खाएगा।
- यह युद्धाभ्यास सैन्य प्रशिक्षुओं को उन क्षेत्रों से होकर गश्त करने के अवसर प्रदान करेगा जो वानिकी संरक्षण प्राधिकरण के अतिरिक्त अन्य लोगों की पहुँच से बाहर हैं।
- सेना के जवानों को भी इस युद्धाभ्यास के दौरान भविष्य में किसी भी युद्ध के खतरे से निपटने के लिए अच्छी तरह से अभ्यस्त, तरोताजा और उन्नत रहने हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>कांगला तोंगबी युद्ध</u>**

- इंफाल के निकट कांगला तोंगबी युद्ध स्मारक में सेना आयुध कोर द्वारा 07 अप्रैल, 2019 को कांगला तोंगबी युद्ध की प्लैटिनम जयंती मनाई गई थी।

संबंधित जानकारी

- कांगला तोंगभी के युद्ध को द्वितीय विश्व युद्ध के भयंकर युद्धों में से एक माना जाता था, यह युद्धा 1944 में 221 अग्रिम आयुध डिपो (ए.ओ.डी.) के आयुध कर्मियों द्वारा लड़ा गया था।
- उन्होंने जापानी सेनाओं का मुकाबला किया था जो इम्फाल और आसपास के क्षेत्रों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही थी।
- कांगला तोंगबी युद्ध स्मारक इस युद्ध का मूक प्रमाण है और 221 ए.ओ.डी. 19 के आयुध कर्मियों की कर्तव्य के प्रति असीम निष्ठा को दर्शाता है, उन्होंने इस युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>कैंडिडा ऑरिस: औषधि प्रतिरक्षा कवक संक्रमण</u>**

- कैंडिडा ऑरिस एक रहस्यमय और खतरनाक कवक संक्रमण है जो पूरे विश्व में फैला हुआ है।
- यह कई कवकरोधी दवाओं के लिए प्रतिरोधी है, इसे कीटाणुओं की बढ़ती संख्या वाले स्थान पर रखने पर वे सामान्य दवाओं के प्रति बचाव विकसित कर लेते हैं।

संबंधित जानकारी

कैंडिडा ऑरिस क्या है?

- कैंडिडा ऑरिस एक कवक है जो में रक्त में प्रवेश करने पर खतरनाक संक्रमण कर सकता है जो जीवन के लिए खतरा हो सकता है।
- वैज्ञानिकों ने पहली बार वर्ष 2009 में जापान के एक मरीज में इसकी पहचान की थी।
- हाल ही के वर्षों में, यह पूरे विश्व में फैल गया है, यह रोग बड़े पैमाने पर अस्पतालों और नर्सिंग होम में फैला है।

यह इतना खतरनाक क्यों है?

- ऑरिस प्राय: अधिकांशत: कवकरोधी औषधियों की प्रतिरोधी है जिन्हें प्राय: ऐसे संक्रमणों का इलाज करने हेतु प्रयोग किया जाता है।

किसको खतरा है?

- समझौता किए हुए अथवा कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगो में इस बीमारी के होने का खतरा सबसे अधिक है।
- इनमें बुजुर्ग लोग शामिल हैं और वे लोग भी शामिल हैं जो पहले से बीमार हैं, कम से कम एक मामले में, नवजात शिशु एक नवजात इकाई में संक्रमित थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- न्यूयॉर्क टाइम्स

7. **<u>बाँस (बैंबू) चावल</u>**

- कटक जिले (उड़ीसा) में बांस चावल को एकत्र करने लिए चंदाका-दंपारा वन्यजीव अभयारण्य के द्वार वनवासियों हेतु खोले जाते हैं।

संबंधित जानकारी

- बाँस चावल, एक विशेष प्रकार का चावल होता है जो कि मुरझाई हुई बांस की टहनी पर उगता है।
- जब बांस की टहनी समाप्त होती है तो चावल के बीजों की दुर्लभ प्रजातियों में पुष्पित होती है, जिसे बांस चावल के रूप में जाना जाता है।
- यह कहा जाता है कि केरल में वायनाड अभयारण्य के आंतरिक हिस्सों में रहने वाले आदिवासी समुदायों के लिए बाँस चावल की कटाई आय का एक प्रमुख स्रोत है।
- यह अभयारण्य, बांस के पेड़ों के लिए एक समृद्ध निवास स्थान बनाता है, जहां कई छोटे आदिवासी समुदाय अभी भी निवास करते हैं।

यह अन्य प्रकार के चावल से किस प्रकार भिन्न है?

- बाँस चावल में धान के चावल के समान एक विचित्र समानता होती है और इसका स्वाद अधिकांशत: गेहूँ के समान होता है।
- पकाने के बाद इसके रंग में कुछ परिवर्तन दिखाई देता है, जो कि अधिकांशत: नम और चिपचिपा होता है।
- ऐसा माना जाता है कि चावल की अन्य किस्मों की तुलना में बांस चावल में निम्न ग्लाइसेमिक सूचकांक होता है, जिसे मधुमेह रोगियों के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प माना जाता है।
- इस चावल में कम वसा होती है अथवा वसा नहीं होती है और इसमें विटामिन बी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) योजना</u>**

- चितूर, देश में टमाटर का सबसे बड़ा उत्पादक है और सस्ते चीनी पल्प के साथ टमाटर की समस्याओं का सामना करने हेतु एशिया के सबसे बड़े टमाटर बाजार ने एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) योजना को अपनाया है।

योजना के संदर्भ में जानकारी

- यह योजना केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा लागू की गई है।
- ओ.डी.ओ.पी. ने किसानों को निम्न मदद प्रदान करने का इरादा किया है:

1. चरम मूल्य में उतार-चढ़ाव सहित बाजार की अनियमितता को नियंत्रित करने
2. उन्हें आवश्यक फारवर्ड और समर्थन लिंक प्रदान करने
3. प्रसंस्करण इकाइयों को सतत आधार पर बढ़ावा देने

- ओ.डी.ओ.पी. के अंतर्गत, देश में अब तक टमाटर, आलू और प्याज की पहचान की गई है, जिन्हें वित्तीय और तकनीकी सहायता की आवश्यकता है।
- टमाटर, आंध्र प्रदेश की एकमात्र फसल है जो इस योजना के योग्य है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- डाउन टू अर्थ

10.04.2019

1. **<u>प्रेषण के मामले में भारत शीर्ष स्थान पर बना हुआ है: विश्व बैंक</u>**

- भारत वर्ष 2018 में 79 बिलियन अमरीकी डॉलर के साथ प्रेषण के विश्व के शीर्ष प्राप्तकर्ताओं के रूप में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

- भारत में प्रेषण में 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जहां केरल में बाढ़ आपदा ने परिवारों को भेजी जाने वाली वित्तीय मदद को बढ़ावा दिया था।
- भारत के बाद चीन (67 बिलियन अमरीकी डालर), मैक्सिको (36 बिलियन अमरीकी डालर), फिलीपींस (34 बिलियन अमरीकी डालर) और मिस्र (29 बिलियन अमरीकी डालर) का स्थान है।

टॉपिक- प्रारंभिक और राज्य पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- बिजनेस टुडे

2. **विश्व होम्योपैथी दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

- इस सम्मेलन का आयोजन विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर 9-10 अप्रैल, 2019 को केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.) द्वारा किया गया था।
- यह सम्मेलन नई दिल्ली में डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित किया गया था।
- इसका उद्देश्य शिक्षा और नैदानिक अभ्यास को अनुसंधान के साथ जोड़ने पर विचार-विमर्श करना था।
- होम्योपैथी में अनुकरणीय कार्य की पहचान करने हेतु लाइफ टाइम एचीवमेंट, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, युवा वैज्ञानिक और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए आयुष पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

संबंधित जानकारी

विश्व होम्योपैथी दिवस

- होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेड्रिक सैमुअल हैहनीमैन की जयंती मनाने के लिए पूरे विश्व में 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है।
- सैमुअल हैहनीमैन एक जर्मन चिकित्सक, एक महान विद्वान, भाषाविद और एक प्रशंसित वैज्ञानिक थे।

केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.)

- यह आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त अनुसंधान संगठन है।
- यह परिषद होम्योपैथी के विकास के लिए भावी चुनौतियों का सामना करने और भविष्य की रणनीति तैयार करने हेतु जिम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के प्रबंधन और विकास से संबंधित मुद्दे

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एन.आई.आर.एफ.) रैंकिंग 2019**

- एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग जारी की गई है जिसमें आई.आई.टी. मद्रास ने समग्र श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

कुछ मुख्य विशेषताएं:

भारत में शीर्ष 3 इंजीनियरिंग संस्थान-2019

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे

शीर्ष 3 विश्वविद्यालय

- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

शीर्ष 3 कॉलेज

- मिरांडा हाउस, दिल्ली
- हिंदू कॉलेज, दिल्ली
- प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई

संबंधित जानकारी

एन.आई.आर.एफ.

- यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) द्वारा जारी किया गया एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग का चौथा संस्करण है।
- पहला एन.आई.आर.एफ. रैंक वर्ष 2016 में जारी किया गया था।
- एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग मापदंडों- शिक्षण, अधिगम और संसाधन, अनुसंधान एवं व्यवसायिक अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच और समावेशन और अनुभव पर आधारित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- शिक्षा सुधार

स्रोत- द टाइम्स ऑफ इंडिया

4. **<u>पी.एस.ई., 51% से कम सरकारी हिस्सेदारी के साथ भी पी.एस.यू. को जारी रखेगा।</u>**

- सरकार, राज्य-संचालित कंपनियों की परिभाषा बदलने की योजना बना रही है।
- जहां एक इकाई सरकारी संपत्तियों के 51 प्रतिशत से कम हो जाने पर भी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (पी.एस.ई.) के रूप में निरंतर रूप से अर्हता प्राप्त करती है।
- इस कदम का महत्व यह है कि यदि पी.एस.यू. की परिभाषा को बदला जाता है तो सरकार के लिए धन जुटाना आसान हो जाएगा।

संबंधित जानकारी

सी.पी.एस.ई. (केंद्रीय लोक सेवा उद्यम)

- वर्तमान परिभाषा के अंतर्गत, सी.पी.एस.ई. वे कंपनियां हैं जिनमें केंद्र सरकार या अन्य सी.पी.एस.ई. की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी 51% या उससे अधिक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- लाइवमिंट

5. **<u>स्टार-स्पॉटिंग तकनीक का उपयोग करके आरंगुटान की गिनती की जा रही है।</u>**

- बोर्निओ में आरंगुटान की विस्तृत निगरानी करने के लिए एक ग्राउंड-ब्रेकिंग वैज्ञानिक सहकार्यता सितारों की चमक का अध्ययन करने वाली तकनीक का प्रयोग कर रही है।
- यह तकनीकि लीवरपूल जॉन मूर्स विश्वविद्यालय, प्रकृति हेतु वैश्विक निधि और फ्रांसीसी गैर लाभकारी संगठन हुटान द्वारा विकसित की गई है।
- आरंगुटान, सभी महान वनमानुषों के समान पेड़ों में सोने हेतु घोसला बनाते हैं।
- परंपरागत रूप से जमीन में इन घोंसलों को गिनकर ऑरंगुटान की संख्या का अनुमान लगाया जाता है। हालांकि, बड़े क्षेत्रों का सर्वेक्षण करने के कारण यह विधि मंहगी और अधिक समय लेने वाली है।
- अध्ययन के लिए अनुसंधान टीम ने थर्मल-इमेजिंग कैमरों के साथ ड्रोन तकनीक को संयोजित किया है, जो अधिकतर खगोलविदों द्वारा प्रयोग की जाती है। ये अपने गर्म हस्ताक्षरों का उपयोग करके जानवरों को पता लगाने और उन्हें वर्गीकृत करने में सक्षम थी।

संबंधित जानकारी

आरंगुटान

- आरंगुटान, वनमानुषों की तीन मौजूदा प्रजातियां हैं, जो इंडोनेशिया और मलेशिया की मूल निवासी हैं।
- तीन मौजूदा प्रजातियां निम्न हैं-

1. बोर्नियाई आरंगुटन
2. सुमात्राई आरंगुटन
3. तपानुली आरंगुटान

- आरंगुटान वर्तमान में बोर्नियो और सुमात्रा के इंडोनेशियाई द्वीप के तराई के जंगलों में निवास करते हैं। बोर्नियो इंडोनेशिया, मलेशिया और ब्रुनेई द्वारा साझा एक द्वीप है।
- आई.यू.सी.एन. दर्जा: **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** है।
- प्रचालेखन, कागज, ताड़ के तेल और खनन के लिए जंगलों के विनाश के कारण पिछले कुछ दशकों से बड़े स्तर पर काफी तेजी से इनके निवास स्थानों में कमी आने के कारण यह गंभीर से लुप्तप्राय प्रजाति लुप्त हो रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण एवं पारिस्थिकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>ऑस्ट्रेलिया से अफ्रीका तक बाड़ पृथ्वी के महान पशु प्रवास को रोक रहे हैं।</u>**

- पुरातन समय से कई वन्यजीव प्रजातियां साहसपूर्ण लंबी दूरी के प्रवासन का सामना कर रही हैं लेकिन इनमें से कई महान प्रवासन हमारी आंखों के सामने ही समाप्त हो गए हैं।
- पलायन का सबसे बड़ा जोखिम इतना सामान्य है कि हम प्राय: उस पर ध्यान देने में विफल रह जाते हैं, यह जोखिम हमारे द्वारा लगाई गई बाड़ हैं। पृथ्वी पर ऑस्ट्रेलिया की सबसे लंबी बाड़ लगी है। 5,600 किलोमीटर का "डिंगो बाड़" दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया को देश के शेष हिस्सों से अलग करता है, जब कि "रैबिट प्रूफ बाड़" पूरे पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में लगभग 3,300 किलोमीटर तक फैली हुई है।

- ये दोनों विशालकाय बाड़ों को लगाने का उद्देश्य खरगोशों और अन्य "हिंसक जानवरों" जैसे एमु, कंगारू और जंगली कुत्तों के प्रवास को राकना है, इन्हें पशुओं अथवा मवेशियों के लिए खतरा माना जाता है।

घातक बाड़

- अफ्रीका में कुछ सबसे शानदार वन्यजीवों का निवास स्थान है, वैज्ञानिकों ने पाया है कि 14 बड़ी-स्तनपायी प्रजातियां सामूहिक रूप से प्रवासन के लिए जानी जाती हैं, पांच प्रवासन पहले से ही लुप्त हो चुके थे।
- निवास स्थान के नष्ट होने और वन्यजीव अवैध शिकार के साथ-साथ बाड़ लगाने से पारिस्थिक अव्यवस्था में केन्या में ग्रेटर मारा जैसे पारिस्थितिक तंत्रों को भेजता है।
- भारत-चीन में एक बार हाथियों और अन्य बड़े स्तनधारियों, बाघ, बंदरों और पक्षियों का सामूहिक प्रवास हुआ था, जिसे प्राय: "दक्षिण पूर्व एशिया का सेरेंगेती" कहा जाता था।
- अमेरिकी जंगली सांडो का खतरनाक झुंड, जिसमें लगभग 4 मिलियन जानवर थे, जो कभी पूरे उत्तरी अमेरिका के मैदानी इलाकों पर बहुतायत में था लेकिन आज विलुप्त हो गए हैं।

सामूहिक पलायन को किस प्रकार बचाया जा सकता है?

- सामूहिक पलायन को नष्ट करने के दो मुख्य तरीके हैं: शिकार और अधिक कटाई के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से जानवरों को मारना अथवा जानवरों की भोजन अथवा पानी तक पहुँच को समाप्त करना हैं और बाड़ लगाकर उनकी सीमा निर्धारित करके अथवा उनके आवासों को नष्ट और विखंडित करके है।
- समुद्रों में भी प्रवासन लुप्तप्राय है।
- हाल ही के शोध से ज्ञात हुआ है कि बढ़ती हुई समुद्री तस्करी से प्रवासी महान व्हेल, राक्षसी शार्क और विशाल व्हेल-शार्क के लिए एक बढ़ता खतरा उत्पन्न हो रहा है। सभी तेजी से चलने वाले जहाजों के साथ टकराव हेतु अत्यधिक संवेदनशील हैं, इसके साथ ही समुद्री शोर, सोनार और जहाजों से निकलने वाले प्रदूषकों के कारण उनके संवेदनशील श्रवण और मुखर संचार में व्यवधान उत्पन्न होता है।
- पृथ्वी पर कुछ स्थान अभी भी बाड़ और विखंडन से मुक्त हैं। तंजानिया का विश्व-प्रसिद्ध सेरेंगेती पारिस्थितिकी तंत्र एक प्रतिष्ठित उदाहरण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण एवं पारिस्थितकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>यू.के. सरकार ने ऑनलाइन सामग्री को विनियमित करने हेतु 'ऑनलाइन हानि श्वेत पत्र' जारी किया है।</u>**

- इसमें नियमों का एक नया सेट है जिसका उद्देश्य हानिकारक ऑनलाइन सामग्री को सीमित करना है।
- यह नए विनियामक ढांचे में पारदर्शिता, विश्वास और जवाबदेही की परंपरा को विकसित करेगा।

टॉपिक: जी.एस. पेपर 3- साइबर सुरक्षा

स्रोत- बी.बी.सी. न्यूज और द हिंदू

8. **<u>रवांडा नरसंहार: राष्ट्र ने सामूहिक नरसंहार के 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।</u>**

- रवांडा के राष्ट्रपति ने कहा है कि देश "एक बार फिर एक परिवार" बन गया है, यह बयान उन्होंने नरसंहार की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिया था, इस नरसंहार में 8,00,000 लोग मारे गए थे।
- रवांडा की लगभग 85% जनसंख्या हुतुस थी लेकिन तुत्सी अल्पसंख्यक लोग देश में लंबे समय तक प्रभुत्व मे रहे थे।

संबंधित जानकारी

- मरने वालों में से अधिकांशत: अल्पसंख्यक तुत्सी थे और सामान्य हूतसों को संजातीय चरमपंथी हुतुसों द्वारा मारा गया था।
- वर्ष 1959 में, हूतस ने तुत्सी राजशाही को उखाड़ फेंका था और दसियों हज़ार तुत्सी पड़ोसी देशों में भाग गए थे, जिसमें युगांडा भी शामिल था।
- रवांडा और बुरुंडी में तीन सबसे बड़े समूहों में तुत्सिस दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या है, अन्य दो हुतु (सबसे बड़े) और त्वा (सबसे छोटे) हैं।

टॉपिक- जी.एस.-3- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- बी.बी.सी. न्यूज

11.04.2019

1. **<u>ई.सी.आई. ने अनुच्छेद 324 के अंतर्गत प्रधानमंत्री मोदी पर एक बायोपिक की रिलीज पर रोक लगा दी है।</u>**

- भारत निर्वाचन आयोग ने अनुच्छेद 324 के अंतर्गत प्रधानमंत्री मोदी पर एक बायोपिक की रिलीज पर रोक लगा दी है, जो आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान किसी भी बायोपिक/ सार्वजनिक प्रचार सामग्री के प्रदर्शन/ प्रचार करने पर रोक लगाता है।

संबंधित जानकारी

अनुच्छेद 324

- अनुच्छेद 324 के अंतर्गत संविधान चुनाव आयोग के साथ चुनावों के संचालन, निर्देशन और नियंत्रण की निहित शक्तियां प्रदान करता है।
- इस संविधान के अंतर्गत निर्वाचक नामावली को तैयार करने और संसद, सभी राज्यों की विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के कार्यालयों के चुनावों के संचालन, निर्देशन और नियंत्रण के अधिकार प्रदान किए गए हैं।
- इस अनुच्छेद में संसद और राज्य की विधानसभाओं के चुनावों के संबंध में या उससे उत्पन्न होने वाले संदेह और विवादों के निर्णय हेतु चुनाव न्यायाधिकरणों की नियुक्ति करना भी शामिल है, जिन्हें आयोग अर्थात चुनाव आयोग में निहित किया गया है।

नोट: चुनाव आयोग द्वारा एक समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे, जो उपयुक्त प्राधिकरण (सेंसर बोर्ड) द्वारा प्रमाणित किसी भी फिल्म में उल्लंघन के मामले की जांच करेंगे अथवा आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान इस संबंध में की गई शिकायत की जांच करेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.+ द हिंदू

2. **<u>जनगणना 2021: भारत की 16वीं जनगणना</u>**

- जनगणना 2021 की रणनीति और प्रश्नावली पर विचार-विमर्श करने हेतु नई दिल्ली में एक डेटा उपयोगकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया था।
- भारत में 140 वर्ष लंबे जनगणना अभ्यास में पहली बार एक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा एकत्र किया जाना प्रस्तावित किया गया है।
- गृह मंत्रालय ने कहा है कि प्रगणकों (जो व्यक्ति घर-घर जाकर जनगणना करते हैं) को अपना स्वयं का मोबाइल फोन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए उन्हें उचित पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा अथवा इसमें कागज सारिणी के माध्यम से डेटा को एकत्र करने और रिकॉर्ड करने का विकल्प भी उपलब्ध है जो अंतत: इसके द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा किया जाना चाहिए।
- जनगणना 2021 विश्व का सबसे बड़ी गणना अभ्यास होगा जिसमें डेटा संग्रहण हेतु 33 लाख प्रगणकों को जुटाया जा सकता हैं।

संबंधित जानकारी

भारत में जनगणना

- यह प्रत्येक 10 वर्षों में आयोजित की जाती है।
- इसकी शुरुआत वर्ष 1872 में हुई थी।
- जनगणना 2011 के आंकड़े 31 मार्च, 2011 को भारत के केंद्रीय गृह सचिव और आर.जी.सी.सी.आई. (रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त) द्वारा जारी किए गए थे।
- जनगणना 2011, भारत की 15वीं जनगणना थी और स्वतंत्रता के बाद भारत की 7वीं जनगणना थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>"वीर परिवार मोबाइल" ऐप</u>**

- भारत के राष्ट्रपति ने 'सी.आर.पी.एफ. वीर परिवार ऐप" लॉन्च किया है।
- इस ऐप का विकास शहीदों के परिवारों को प्रदान किए गए वित्तीय लाभ को दर्शाने हेतु किया गया है, इसके अतिरिक्त यह उनके परिवारों को अन्य प्रकार की मदद भी प्रदान करेगा।
- यह सी.आर.पी.एफ. के शहीद कर्मियों के परिवारों को पूर्व अनुदान जारी करने, पेंशन लाभ और सरकार द्वारा उनके लिए शुरू की गई सभी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में संपूर्ण जानकारी के संबंध में हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

- यह ऐप शहीदों के परिवारों को वास्तविक समय के आधार पर सहायता प्रदान कर रहा है।
- इस एप्लिकेशन की अनूठी विशेषता यह है कि यह सेना के अधिकारियों द्वारा परिवारों के फोन पर सुरक्षित रूप से इंस्टॉल किया जाएगा और ऐप स्टोर पर उपलब्ध नहीं होगा।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2017 में अक्षय कुमार ने "भारत के वीर" नामक समान ऐप लांच किया था, यह ऐप केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के शहीदों के परिवारों की मदद करने के लिए शुरू किया गया था।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. **"बोल्ड कुरुक्षेत्र 2019": भारत-सिंगापुर के मध्य संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास**

- यह भारत-सिंगापुर के बीच एक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य सैन्य प्रौद्योगिकी विकसित करना, समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देना और आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रों की लड़ाई को बढ़ावा देना है।

संबंधित जानकारी

भारत और सिंगापुर के मध्य अन्य युद्धाभ्यास हैं:

सिम्बेक्स

- सिंगापुर भारत समुद्री द्विपक्षीय युद्धाभ्यास (सिम्बेक्स), भारतीय नौसेना और सिंगापुर नौसेना द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास है।

अग्नि वॉरियर युद्धाभ्यास

- यह एक भारत-सिंगापुर संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **स्यूडोमोनस पुतिदा सी.एस.वी.86: एक जीवाणु प्राथमिक रूप से निम्न एरोमैटिक यौगिक है।**

- आई.आई.टी. बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने जीवाणु स्यूडोमोनस पुतिदा सी.एस.वी.86 के एक अनोखे उपयोग से मिट्टी से बेंजोएट, बेंजाइल अल्कोहल और नेफ्थलीन जैसे पर्यावरणीय विषैले, सुगंधित प्रदूषकों को चुनिंदा रूप से हटाया हैं।

संबंधित जानकारी

स्यूडोमोनास पुतिदा सी.एस.वी.86

- यह जीवाणु का एक अनोखा उपयोग है, जिसके द्वारा मिट्टी से बेंजोएट (सोडियम बेंजोएट को खाद्य परिरक्षक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है), बेंजाइल अल्कोहल और नेफ्थलीन जैसे पर्यावरणीय विषाक्त, सुगंधित प्रदूषकों को चुनिंदा रूप से हटाया जा सकता है।
- ग्लूकोज उपलब्ध होने पर भी जीवाणु स्रोत में एक खाद्य स्रोत के रूप में सुगंधित यौगिकों और कार्बनिक अम्ल के लिए प्राथमिकता होती है।
- यह जीवाणु उपयोग जैविक उपचार अथवा अपशिष्ट-जल उपचार के लिए बहुत सहायक है।

जैविक उपचार

- यह सूक्ष्मजीवों के विकास को बढ़ाने और लक्षित प्रदूषकों के स्तर को कम करने के लिए पर्यावरणीय स्थितियों को बदलकर पानी, मिट्टी और उपसतह सामग्री सहित दूषित पदार्थ के उपचार के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया है।
- यह अन्य उपचारात्मक विकल्पों की तुलना में कम खर्चीला और अधिक टिकाऊ है।
- तकनीकि से संबंधित जैविक उपचार के कुछ उदाहरण के कुछ उदाहरण फाइटोरेमिडिएशन, सूक्ष्म जैविक उपचार, बायोवेंटिंग, बायोलिचिंग, लैंडफार्मिंग, बायोरिएक्टर, कंपोस्टिंग, जैविक संवर्धन, राइजोफिल्टरेशन और बायोस्टिम्यूलेशन हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **दिल्ली उच्च न्यायालय ने आर.बी.आई. से पूछा है कि गूगल का GPay बिना प्राधिकरण के कैसे काम कर रहा है।**

- समाचार: दिल्ली उच्च न्यायालय ने आर.बी.आई. से पूछा है कि गूगल का मोबाइल भुगतान ऐप, गूगल पे, भारत में भुगतान हस्तांतरण प्रणाली के रूप में आवश्यक प्राधिकरण के बिना कैसे

काम कर सकता है जो कि भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 के अंतर्गत अनिवार्य है।

संबंधित जानकारी

भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम 2007

- यह वर्ष 2007 में आर.बी.आई. द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह अधिनियम भारत में भुगतान प्रणालियों के विनियमन और पर्यवेक्षण के अधिकार प्रदान करता है और इस उद्देश्य और इससे संबंधित सभी मामलों के लिए प्राधिकरण के रूप में शीर्ष संस्था (आर.बी.आई.) को नामित करता है।
- अपनी शक्तियों का उपयोग करने और अपने कार्यों का निष्पादन करने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए आर.बी.आई. को इसके केंद्रीय बोर्ड की समिति का गठन करने हेतु इस अधिनियम के अंतर्गत प्राधिकृत किया गया है। जिसे भुगतान एवं निपटान प्रणाली विनियमन एवं पर्यवेक्षण बोर्ड (बी.पी.एस.एस.) के रूप में जाना जाता है।
- यह अधिनियम "जालसाजी" और "निपटान परिसमाप्ति" के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है।

पी.एस.एस. अधिनियम 2007 के अंतर्गत एक भुगतान प्रणाली क्या है?

- पी.एस.एस. अधिनियम 2007 की धारा 2 में परिभाषित किया गया है कि भुगतान प्रणाली एक भुगतानकर्ता और लाभार्थी के बीच भुगतान को प्रभावी बनाने में सक्षम करती है, जिसमें क्लीयरिंग, भुगतान या निपटान सेवा या वे सभी शामिल हैं लेकिन इसमें स्टॉक एक्सचेंज शामिल नहीं होता है।
- इसमें आगे कहा गया है कि 'भुगतान प्रणाली' में क्रेडिट कार्ड संचालन, डेबिट कार्ड संचालन, स्मार्ट कार्ड संचालन, धन हस्तांतरण संचालन अथवा समान प्रकार के संचालन को सक्षम करने वाली प्रणालियाँ शामिल हैं।
- स्टॉक एक्सचेंजों और स्टॉक एक्सचेंजो के अंतर्गत स्थापित क्लियरिंग कॉर्पोरेशनों को छोड़कर अन्य सभी प्रणालियां जो क्लियरिंग अथवा निपटान अथवा भुगतान विकल्पों अथवा उन सभी को पूरा करती हैं तो इन सभी को भुगतान प्रणालियों के रूप में माना जाता है।

क्या विदेशी संस्थाओं को भारत में भुगतान प्रणाली संचालित करने की अनुमति प्राप्त है?

- पी.एस.एस. अधिनियम 2007 विदेशी संस्थाओं को भारत में भुगतान प्रणाली के संचालन से प्रतिबंधित नहीं करता है और यह अधिनियम विदेशी संस्थाओं और घरेलू संस्थाओं के मध्य भेदभाव या अंतर नहीं करता है।
- सभी संस्थाओं, चाहे वे घरेलू हों या विदेशी हों, उन्हें देश में भुगतान प्रणाली संचालन शुरू करने से पहले आर.बी.आई. से लाइसेंस अनुमोदन या प्राधिकरण प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।
- पी.एस.एस. अधिनियम यह दर्शाता है कि "भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए प्राधिकरण के अनुसार कोई भी व्यक्ति भुगतान प्रणाली को संचालित नहीं कर सकता है।"

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वूपर्ण अधिनियम

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>भारत के डेटा स्थानीयकरण मानदंड</u>**

- भारत ने हाल ही में कई डेटा स्थानीयकरण आवश्यकताओं की घोषणा की है जो अमेरिका और भारत के मध्य डिजिटल व्यापार के लिए महत्वपूर्ण बाधाओं के रूप में काम करेंगी।
- अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि 2019 की विदेशी व्यापार बाधाओं पर राष्ट्रीय व्यापार अनुमानित रिपोर्ट के अनुसार भारत का डेटा स्थानीयकरण मानदंडों को निर्धारित करने का कदम और "सबसे भेदभावपूर्ण और व्यापार-विकृत" नामक मसौदा ई-व्यापार नीति तैया करने का कदम महत्वपूर्ण है।

संबंधित जानकारी

बी.एन. श्रीकृष्ण समिति

- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एम.ई.आई.टी.वाई.) ने भारत सरकार के डेटा की सुरक्षा के मुद्दे को संबोधित करने

के लिए वर्ष 2017 में बी.एन. श्रीकृष्ण समिति के अंतर्गत एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

- इस समिति ने एक मसौदा डेटा संरक्षण विधेयक का भी सुझाव दिया है।

डेटा संरक्षण विधेयक 2018

विधेयक की मुख्य विशेषताएं

- सभी व्यक्तिगत डेटा, जिस पर कानून लागू होता है, उसकी भारत में कम से कम एक सेवारत प्रतिलिपि होनी चाहिए।
- राष्ट्रीय हित के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा को केवल भारत में संग्रहित और संसाधित किया जाना चाहिए।
- केंद्र के पास रणनीतिक या व्यावहारिक विचारों के आधार पर स्थानांतरण को छूट देने की शक्ति होगी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

12.04.2019

1. **विश्व जनसंख्या स्थिति 2019 रिपोर्ट**

- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.) द्वारा जारी विश्व जनसंख्या स्थिति 2019 रिपोर्ट के अनुसार, भारत की जनसंख्या वर्ष 2010 से वर्ष 2019 के मध्य 1.2% की वार्षिक औसत दर से बढ़ी है जो चीन की वार्षिक वृद्धि दर के दोगुने से अधिक है।
- वर्ष 2019 में भारत की जनसंख्या 1.36 बिलियन है, जो वर्ष 1994 में 942.2 मिलियन और वर्ष 1969 में 541.5 मिलियन थी।
- रिपोर्ट कहती है कि देश की 27% आबादी 0-14 वर्ष और 10-24 वर्ष के आयु वर्ग में थी, जब कि देश की 67% जनसंख्या 15-64 वर्ष के आयु वर्ग में थी। देश की 6 प्रतिशत आबादी 65 वर्ष और उससे अधिक आयु की थी।
- भारत में प्रति महिला कुल प्रजनन दर वर्ष 1969 में 5.6 से घटकर वर्ष 1994 में 3.7 और वर्ष 2019 में 2.3 हो गई थी।
- 24 राज्यों में भारत की लगभग आधी जनसंख्या ने प्रति महिला 2.1 बच्चों की प्रतिस्थापन प्रजनन दर हासिल की है, जो कि जनसंख्या वृद्धि रूकने पर वांछित पारिवारिक आकार है।
- भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में सुधार दर्ज किया गया है।
- वर्ष 1969 में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 47 वर्ष से बढ़कर 1994 में 60 वर्ष और 2019 में 69 वर्ष हो गई है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- विश्व की जनसंख्या 72 वर्ष की वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा के साथ वर्ष 2018 में 7.633 बिलियन से बढ़कर वर्ष 2019 में 7.715 बिलियन हो गई है।
- सबसे कम विकसित देशों ने सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर्ज की है, अफ्रीका के देशों में एक वर्ष में औसतन 2.7% का पंजीकरण हुआ है।
- हालांकि, देश की अधिकांश युवा आबादी उम्र बढ़ने के साथ जनसंख्या वृद्धि को जारी रखेगी।
- वर्ष 2050 तक वैश्विक जनसंख्या में समग्र वृद्धि के अधिकांश भाग के उच्च प्रजनन दर वाले देशों में होने का अनुमान है, अधिकांशत: अफ्रीका में या नाइजीरिया और भारत जैसे अधिक जनसंख्या वाले देशों मे जनसंख्या अधिक बढ़ने का अनुमान है।
- इस रिपोर्ट में पहली बार 15-49 वर्ष के आयु वर्ग की महिलाओं के निष्कर्ष प्रकाशित किए गए थे।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.)

- यह संयुक्त राष्ट्र यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संस्था है।
- यू.एन.एफ.पी.ए. का शासनादेश संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह संयुक्त राष्ट्र महासभा का एक सहायक अंग है।
- यह स्वास्थ्य पर सतत विकास लक्ष्य 3, शिक्षा पर लक्ष्य 4 और लिंग समानता पर लक्ष्य 5 से निपटने के लिए प्रत्यक्ष रूप से कार्य करता है।

भारत में यू.एन.एफ.पी.ए.

- यू.एन.एफ.पी.ए. वर्ष 1974 से परिवार नियोजन और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने, प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों को उन्नत करने और मातृ स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए भारत सरकार की सहायता कर रहा है।
- यह भारत सरकार के लिए आठवां देश सहायता कार्यक्रम (2013-17) है, जो युवा लोगों के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करता है और कमजोर महिलाओं और लड़कियों के लिए अवसरों में सुधार करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- यू.एन.

2. **<u>ब्लैक होल की पहली तस्वीर जारी की गई है।</u>**

- वैज्ञानिकों ने ब्लैक होल की अभी तक की पहली तस्वीर का खुलासा किया है।
- ब्लैक होल, कन्या ए. तारा समूह में स्थित मेसियर 87 (एम.87) नामक दूर स्थित आकाशगंगा के केंद्र में स्थित है।
- यह विशालकाय है, सौर द्रव्यमान का 6.5 बिलियन गुना है।
- ब्लैक होल की तस्वीर घटना क्षितिज दूरदर्शी (ई.टी.एच.) द्वारा ली गई थी।
- ई.टी.एच. एक परियोजना है, जो पूरे विश्व में विभिन्न वेधशालाओं में आठ विभिन्न दूरदर्शियों से मिलकर बनी है।
- यह एम.87 आकाशगंगा के केंद्र में ब्लैक होल की तस्वीर लेने के लिए समक्रमिकता में संचालित हो रहा है।
- धनु ए. * ब्लैक होल, मिल्की वे आकाशगंगा के केंद्र में स्थित है।

संबंधित जानकारी

ब्लैक होल

- ब्लैक होल, अंतरिक्ष का एक क्षेत्र है जहाँ से कुछ भी, यहां तक कि प्रकाश भी नहीं बच सकता है।
- इन ब्लैक होलों में काफी अधिक मात्रा में द्रव्य होता है जो कि एक छोटे से क्षेत्रफल में सघनता के साथ एकत्र होता है, जो इसे एक विशाल गुरूत्वीय बल प्रदान करता है।
- ऐसा विचार है कि ब्लैक होल का निर्माण तब होता है जब बहुत विशालकाय तारे अपने जीवन चक्र के अंत में नष्ट हो जाते हैं।
- ब्लैक होल को स्वयं से नहीं देखा जा सकता क्यों कि इससे प्रकाश नहीं गुजर सकता है।
- इसमें एक घटना क्षितिज होता है- एक सीमा जो वापस न जाने के बिंदु को निर्दिष्ट करती है।
- प्रकाश सहित कोई भी वस्तु जो उसके घटना क्षितिज के भीतर आती है, वह ब्लैक होल में चली जाती है।
- हालांकि, यदि ब्लैक होल के चारो ओर कोई वस्तु घटना क्षितिज की चमक के क्षेत्र के बाहर चक्कर लगाती है, तो उस चमक के विपरीत ब्लैक होल को छाया में देखा जा सकता है।
- वर्ष 1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा ब्लैक-होल का सिद्धांत दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>पाथलगढ़ी विद्रोह</u>**

- पाथलगढ़ी आंदोलन का समर्थन करने वाले झारखंड के अधिकांश गाँव से राज्य में 14 सीटों के लिए लोकसभा चुनावों के दौरान कम मतदाताओं के उपस्थित होने की संभावना है।

संबंधित जानकारी

पाथलगढ़ी आंदोलन

- यह राज्य और संघ सरकारों द्वारा आदिवासी अधिकारों के हनन का विरोध करने के लिए आदिवासी समूहों द्वारा शुरू किया गया था।
- पाथलगढ़ी (विशाल पत्थर के टुकड़े) प्रतिभागियों ने झारखंड के आदिवासी गाँवों में एक पत्थर अनुक्रम स्थापित किया है, जो उनके गांवो में केंद्र या राज्य सरकारों के अधिकार को खारिज करता है।
- इनमें पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पी.ई.एस.ए.) के भाग के साथ-साथ बाहरी लोगों के लिए चेतावनी भी शामिल है जो उन्हें गांव में प्रवेश करने से रोकती है।
- पाथलगढ़ी झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में है।

पंचायतें (अनुसूचित क्षेत्रों के लिए विस्तार) अधिनियम, 1996

- पी.ई.एस.ए., भारत के अनुसूचित क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के लिए पारंपरिक ग्राम सभाओं के माध्यम से स्व-शासन सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार द्वारा बनाया गया कानून है।
- इसे 24 दिसंबर, 1996 को कुछ निश्चित अवपादों और सुधारों के साथ अनुसूचित क्षेत्रों के संविधान के भाग IX के प्रावधानों का विस्तार करने के लिए अधिनियमित किया गया था।
- अनुसूचित क्षेत्र, भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची द्वारा पहचाने गए क्षेत्र हैं।
- संविधान के भाग IX में दी गई जानकारी के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों को भारतीय संविधान के 73वें संवैधानिक संशोधन अथवा भारतीय संविधान के पंचायती राज अधिनियम के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है।
- पी.ई.एस.ए. प्रथागत संसाधनों, लघु वनोपज, लघु खनिजों, लघु जल निकायों, लाभार्थियों के चयन, परियोजनाओं के अनुमोदन और स्थानीय संस्थानों पर नियंत्रण जैसे कई मुद्दों के संबंध में स्व-शासन की प्रणाली को लागू करने हेतु उपयुक्त स्तर पर पंचायतों और ग्राम सभाओं को सक्षम करना चाहती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के मध्य सरकार ने 464 टी.-90 टैंकों की खरीद को मंज़ूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्र सरकार ने रूस से 13,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 464 टी.-90 टैंकों की खरीद को मंज़ूरी प्रदान की है।
- नए सौदे के अंतर्गत, इन टैंकों को सेना के बख्तरबंद कोर को प्रदान किया जाएगा, जिन्हें पाकिस्तान के साथ साझा करने वाली सीमाओं पर तैनाती के लिए उपयोग किया जाएगा।
- नए सौदे में सेना में टी.-90 की संख्या को बढ़ाया जा सकता है, इस संख्या के शेष टी.-72 और टी.-55 के साथ लगभग 2,000 होने की संभावना है।

संबंधित जानकारी

टी.-90

- यह तीसरी पीढ़ी का रूसी युद्धक टैंक है जिसने 1993 में सेना में शामिल किया गया था।
- इस टैंक को मूल रूप से टी.-72बी.यू. कहा जाता है लेकिन बाद में इसका नाम बदलकर टी.-90 कर दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-3- रक्षा

स्रोत- इंडिया टुडे

5. **<u>नमामि गंगे को विश्व शिखर सम्मेलन में वैश्विक मान्यता प्रदान की गई है।</u>**

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एन.एम.सी.जी.) को लंदन में आयोजित वैश्विक जल सम्मेलन में वैश्विक जल बुद्धिमत्ता द्वारा "पब्लिक वाटर एजेंसी ऑफ़ द ईयर" के सम्मान से सम्मानित किया गया है।
- यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय जल उद्योग में उत्कृष्टता को पहचानता है और जल, अपशिष्ट जल और विलवणीकरण क्षेत्रों में उन पहलों को पुरस्कृत करते हैं, जो लोगों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार लाती हैं।

नोट: एन.एम.सी.जी. केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प मंत्रालय के अंतर्गत है।

संबंधित जानकारी

नमामि गंगे मिशन

- "नमामि गंगे कार्यक्रम" एक एकीकृत संरक्षण मिशन है, जिसे जून, 2014 में केंद्र सरकार द्वारा 'प्रमुख कार्यक्रमों' के रूप में अनुमोदित किया गया है।
- इस मिशन को राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण, संरक्षण और कायाकल्प के प्रभावी उन्मूलन के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने हेतु शुरू किया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी नीतियां

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भारत के सौर ई-अपशिष्ट पर ध्यान देने की संभावना है।</u>**

- सार्वजनिक रूप से किए गए एक अध्ययन में ज्ञात हुआ है कि भारत के वर्ष 2050 तक सौर

ई-अपशिष्ट नामक इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट की एक नई श्रेणी ओर ध्यान देने की संभावना है।

संबंधित जानकारी

- भारत, विश्व में सौर सेलों के प्रमुख बाजारों में से एक है, यह 2022 तक 100 गीगावॉट की सौर ऊर्जा स्थापित करने की सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा सीमित है।
- अब तक, भारत ने लगभग 28 गीगावॉट के सौर सेल स्थापित किए हैं और यह बड़े पैमाने पर आयातित सौर पी.वी. सेलों में से हैं।

सौर सेल मॉड्यूल

- ये सिलिकॉन बनाने के लिए रेत को संसाधित करके, सिलिकॉन सिल्लियों को बनाकर, सेलों को बनाने के लिए वेफर्स का उपयोग करके और फिर उन्हें इकठ्ठा करके मॉड्यूल बनाया जाता है।
- ये मॉड्यूल 80% कांच और एल्यूमीनियम के बने होते हैं और यह हानिकारक नहीं होते हैं।
- पॉलिमर, धातु, धात्विक यौगिक और मिश्र धातुओं सहित अन्य सामग्रियों का उपयोग किया जाता है, जिन्हें संभावित रूप से हानिकारक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अक्षय ऊर्जा

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>पश्चिमी विक्षोभ</u>**

- एक पश्चिमी विक्षोभ, भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होने वाला एक अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय तूफान है जो भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भागों में अचानक सर्दिली बारिश लाता है।
- यह पश्चिमी हवाओं द्वारा लाया गया एक गैर-मानसूनी वर्षा प्रारूप है।
- इन तूफानों से सामान्यत: भूमध्य सागर और अटलांटिक महासागर में नमी उत्पन्न होती है।
- इन प्रणालियों के भारत पहुँचने की आवर्तिता में सर्दियों के दौरान दबाव बेल्ट में दक्षिण की ओर परिवर्तन (कर्क रेखा की ओर सूर्य की स्पष्ट गति) के साथ वृद्धि होती है।
- अतिरिक्त उष्ण कटिबंधीय तूफान सामान्यत: ऊपरी वातावरण में नमी के साथ ले जाई गई वैश्विक परिघटना होती है, यह अपने उष्णकटिबंधीय समकक्षों के विपरीत होती है जहां नमी निचले वातावरण में उपस्थित होती है।
- भारतीय उपमहाद्वीप के मामले में, जब तूफान प्रणाली का हिमालय से सामना होता है तो कभी-कभी पानी की तरह नमी की बारिश होती है।
- पश्चिमी विक्षोभ, रबी की फसल के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें स्थानीय रूप से महत्वपूर्ण प्रधान गेहूं भी शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>सरस्वती सम्मान 2018</u>**

- तेलुगु कवि के. सिवा रेड्डी को उनके कविता संग्रह शीर्षक पक्काकीओट्टीगिलिट के लिए प्रतिष्ठित सरस्वती सम्मान 2018 के लिए चुना गया है।

संबंधित जानकारी

सरस्वती सम्मान

- सरस्वती सम्मान, भारत के संविधान की अनुसूची VIII में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी भी भाषा में उत्कृष्ट गद्द अथवा काव्य साहित्यिक कार्यों के लिए प्रदान किया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार है।
- इस पुरस्कार को भारत के सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कारों में से एक माना जाता है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1991 में के. के. बिरला फाउंडेशन द्वारा की गई थी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण पुरस्कार/ सम्मान

स्रोत- ए.आई.आर.

9. **<u>सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड पर अंतरिम रोक लगाने से इंकार कर दिया है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने अब विवादास्पद चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है, जो राजनीतिक दलों को बेनामी वित्तपोषण प्रदान करने को सक्षम बनाता है लेकिन सभी दलों को चुनाव आयोग को उनके द्वारा प्राप्त चुनावी बांड के विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

संबंधित जानकारी

चुनावी बॉन्ड

- इन बांडों का जीवनकाल 15 दिनों का होता है।
- इसे केवल भारतीय स्टेट बैंक की निर्दिष्ट शाखाओं से खरीदा जा सकता है।
- चुनावी बॉन्ड को 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये या 1 करोड़ रुपये के गुणकों में कितने भी मूल्य का खरीदा जा सकता है।
- भारत में निगमित एक भारतीय नागरिक अथवा निकाय बांड खरीदने के लिए पात्र होगा।
- चुनावी बॉन्ड का उपयोग केवल प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 29ए के अंतर्गत पंजीकृत राजनीतिक पार्टियों को दान करने के लिए किया जा सकता है और केवल उन पार्टियों को दान किया जा सकता है जिन्होंने लोकसभा अथवा राज्य विधानसभाओं के पिछले आम चुनावों डाले गए कुल मतों के कम से कम एक प्रतिशत मत प्राप्त किए हों।
- **इन बॉन्डों पर प्राप्तकर्ता का नाम नहीं लिखा होगा।**

टॉपिक- जी.एस.-2- भारतीय संविधान

स्रोत- इंडियन पॉलिटी

15.04.2019

1. **<u>तेल खाने वाला अद्‌वितीय जीवाणु मारियाना गर्त में पाया गया है।</u>**

- ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्‌यालय के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के महासागरों के सबसे गहरे भाग- मारियाना गर्त में तेल खाने वाले एक अद्‌वितीय जीवाणु की खोज की है।
- मारियाना गर्त, पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित है और इसकी गहराई लगभग 11,000 मीटर तक है।
- इस प्रकार के सूक्ष्मजीव अनिवार्य रूप से ऐसे यौगिकों को खाते हैं जिनमें तेल होता है और फिर ईंधन के लिए इनका उपयोग करते हैं।
- इस तरह के सूक्ष्मजीव मैक्सिको की खाड़ी में बी.पी. के 2010 तेल रिसाव जैसी प्राकृतिक आपदाओं में तेल रिसाव को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं।
- गर्त में हाइड्रोकार्बनों को कम करने वाले जीवाणुओं की सबसे अधिक मात्रा पृथ्वी पर रहती है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- साइंस डेली

2. **<u>विश्व के सबसे बड़े हवाई जहाज "रॉक" ने कैलिफोर्निया में अपनी पहली परीक्षण उड़ान भरी है।</u>**

- एक मेगा-जेट, जिसे रॉक के नाम से जाना जाता है, जिसके पंखों को फैलाव, अमेरिका के फुटबॉल के मैदान की लंबाई के बराबर है और यह हवाई जहाज के जुंड़वा ढांचे पर 6 इंजनों द्‌वारा संचालित होता है, इस हवाई जहाज ने अपनी पहली उड़ान कैलीफोर्निया के मोजावे रेगिस्तान में भरी है।
- इस हवाई जहाज का निर्माण स्ट्रैटोलांच स्स्टिम कॉर्पोरेशन द्‌वारा किया गया है।
- यह हवा में ऊँचाई पर दो घंटे से अधिक समय तक रूका रह सकता है, इसकी अधिकतम गति 304 कि.मी./घं. है और यह 5182 मी. की ऊँचाई तक उड़ सकता है।

टॉपिक- आई.ए.एस. प्रारंभिक और राज्य पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- स्पेस.कॉम

3. **<u>ऑर्डर ऑफ द हॉली अपॉस्टेल एंड्रयू: रूस का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।</u>**

- रूस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार "ऑर्डर ऑफ द हॉली अपोस्टेल एंड्रयू द फर्स्ट" से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया जाएगा, यह पुरस्कार उन्हें रूस और भारत के मध्य एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने हेतु प्रदान किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

"द ऑर्डर ऑफ़ द हॉली अपॉस्टेल एंड्रयू द फर्स्ट"

- यह पुरस्कार प्रमुख सरकारों और सार्वजनिक हस्तियों, विज्ञान, संस्कृति, कला और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख

प्रतिनिधियों को प्रदान किया जाता है, यह पुरस्कार "रूस की समृद्धि, महानता और प्रतिष्ठा में योगदान हेतु उनके द्वारा की गई असाधारण सेवाओं" के लिए उन्हें प्रदान किया जाता है।

- इस पुरस्कार से सबसे पहले 1698 में पूर्व रूसी सार "पीटर द ग्रेट" को सम्मानित किया गया था और बाद में यह पुरस्कार बंद हो गया था।
- वर्ष 1998 में, पूर्व राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने राष्ट्रपति आज्ञप्ति द्वारा पुन: इस पुरस्कार को बहाल किया था।
- इस पुरस्कार के पिछले प्राप्तकर्ताओं में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अजरबेजान एवं कजाकिस्तान के राष्ट्रपति, पूर्व सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव और लेखक एलेक्जंदर सोल्जहेनित्सिन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सम्मान एवं पुरस्कार

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>सी.एम.एफ.आर.आई. ने तटीय आर्द्रभूमि के संरक्षण हेतु इसरो के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- सी.एम.एफ.आर.आई. और इसरो ने तटीय क्षेत्रों में छोटी आद्रभूमियों का मानचित्रण, मान्यता और संरक्षण करने हेतु संयुक्त रूप से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य तटीय आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से इन्हें बहाल करना है।
- उन्होंने एक मोबाइल ऐप और एक केंद्रीकृत वेब पोर्टल विकसित किया है, जिसमें देश में स्थित 2.25 हेक्टेयर से छोटी आद्रभूमियों का व्यापक डाटाबेस शामिल होगा।
- इस प्रकार की छोटी आद्रभूमियां देश भर में पांच लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को कवर करती हैं।
- इस ऐप का उपयोग आर्द्रभूमि की वास्तविक समय की निगरानी करने और हितधारकों एवं तटीय लोगों को सलाह देने के लिए किया जाएगा।
- यह सहयोगी कदम, राष्ट्रीय मत्स्य पालन एवं आर्द्रभूमि ढांचा के भाग के रूप में लिया गया है, जिसे हाल ही में सी.एम.एफ.आर.आई. की राष्ट्रीय जलवायु नवप्रवर्तन कृषि नवाचार (एन.आई.सी.आर.ए.) परियोजना द्वारा विकसित किया गया है।

नोट:

एन.आई.सी.आर.ए., वर्ष 2011 में शुरू की गई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) की एक नेटवर्क परियोजना है।

इस परियोजना का उद्देश्य समुद्री मत्स्य पालन और तटीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना है।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय समुद्री मत्स्य पालन अनुसंधान संस्थान (सी.एम.एफ.आर.आई.)

- यह भारत के कोच्चि में स्थित सबसे बड़े समुद्री मत्स्य पालन अनुसंधान संस्थानों में से एक है।
- इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा 1947 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत की गई थी और बाद में 1967 में यह आई.सी.ए.आर. में शामिल हो गया था।
- आई.सी.ए.आर., विश्व में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा संस्थानों को सबसे बड़ा नेटवर्क है, जो कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>जलियांवाला बाग हत्याकांड: 100 साल बाद</u>**

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा मे ने 13 अप्रैल, 1919 को किए गए नृशंस हत्यांकांड की 100वीं वर्षगांठ पर जलियांवाला बाग हत्याकांड के प्रति ब्रिटिश संसद में "खेद" व्यक्त किया है।
- इस नरसंहार में 300 भारतीय मारे गए थे, जो भारत के इतिहास में सबसे घातक घटनाओं में से एक है।

संबंधित जानकारी

जलियांवाला बाग हत्याकांड

- 13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में यह नरसंहार हुआ था।

- यह हत्याकांड तब हुआ जब कर्नल डायर की कमान में ब्रिटिश भारतीय सेना के सैनिकों ने स्वतंत्रता समर्थक बैठक आयोजित करने वाले लोगों की भीड़ पर गोली चला दी थी, जब दो राष्ट्रवादी नेताओं, सैफुद्दीन किचल और डॉ. सत्यपाल को ब्रिटिश अधिकारियों ने बिना किसी कारण के गिरफ्तार कर लिया था।
- सरकार ने जलियांवाला बाग गोलीकांड की जांच करने हेतु अक्टूबर, 1919 को हंटर आयोग नामक एक समिति का गठन किया था।
- इस आयोग ने अपनी अंतिम रिपोर्ट मार्च, 1920 को प्रस्तुत की थी, समिति ने सर्वसम्मति से डायर के कार्यों की निंदा की थी।
- हालांकि, हंटर समिति ने जनरल डायर के खिलाफ कोई दंडात्मक अथवा अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की थी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1 –भारतीय इतिहास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>7 सामान्य एंटीबॉयोटिक्स पर जानकारी प्रदर्शित की जाए: सी.डी.एस.सी.ओ.</u>**

Know your medicine

The Central Drugs Standard Control Organisation has asked manufacturers to inform the general public about known symptoms/side effects after the intake of some popular antibiotics

Antibiotics	Known/possible side effects
Cefotaxime	Swelling under the skin due to the accumulation of fluids
Ofloxacin	Rashes/blisters on the skin and mucous membranes
Cefixime	Pain, diarrhoea, nausea and headache
Tranexamic Acid	Nausea, diarrhoea and seizures
Quetiapine	Involuntary leakage of urine
Sulfasalazine	Decreased appetite, headache & nausea
Sodium Valproate	Drowsiness and unsteadiness

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने दवा निर्माताओं को दवा के पैकेट में डाले गए पत्रक में या प्रचार साहित्य पर 7 सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं की प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी छापने हेतु लिखा है।

संबंधित जानकारी

सी.डी.एस.सी.ओ.

- यह भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय अंतर्गत स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन है।
- यह भारत का एक राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण (एन.आर.ए.) है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय भी हैं।
- औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के अंतर्गत, सी.डी.एस.सी.ओ. नई औषधियों की स्वीकृति, नैदानिक परीक्षणों का आायोजन, औषधियों हेतु मानक निर्धारण, देश में आयातित औषधियों की गुणवत्ता के नियंत्रण हेतु जिम्मेदार है।
- औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रवर्तन में एकरूपता लाने के दृष्टिकोण से राज्य औषधि नियंत्रण संगठनों को विशेषज्ञ सलाह भी प्रदान करता है।

सुगम पोर्टल

- सुगम- यह भारत सरकार द्वारा 2016 में लॉन्च किया गया एक ऑनलाइन लाइसेंस पोर्टल है।
- सुगम औषधियों, नैदानिक परीक्षणों, आचार समिति, चिकित्सा उपकरणों, टीकाकरण और प्रसाधान समग्रियों से संबंधित स्वीकृतियों के लिए आवेदनों को जमा करने को सक्षम बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>विश्व सूचना समाज शिखर सम्मेलन (डब्ल्यू.एस.आई.एस.) 2019</u>**

- विश्व सूचना समाज मंच शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक संयुकत राष्ट्र (यू.एन.) बहुहितधारक मंच है, जो सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने हेतु डब्ल्यू.एस.आई.एस. के कार्यों के कार्यान्वन की सुविधा प्रदान करता है।

- डब्ल्यू.एस.आई.एस. शिखर सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आई.टी.यू.), संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यू.एन.सी.टी.ए.डी.) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) द्वारा सह-आयोजित किया जाता है।

संबंधित जानकारी

- डब्ल्यू.एस.आई.एस. ने बंगाल सरकार की योजनाओं उत्कर्ष बांग्ला (युवा कौशल विकास कार्यक्रम), सबुजसाथी (साइकिल वितरण कार्यक्रम) को प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार से सम्मानित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>फिलीपींस में प्राचीन मानव "होमो लुजोनेंसिस" की नई प्रजातियां पाई गई हैं।</u>**

- उत्तरी फिलीपींस में शोधकर्ताओं ने पहले से अज्ञात मानव प्रजातियों (होमो लुजोनेंसिस) की जीवाश्म हड्डियां और दांत पाए हैं।
- इस खोज का यह अर्थ हो सकता है कि आदिम मानव के संबंधियों ने अफ्रीका छोड़ दिया हो और दक्षिण-पूर्व एशिया में अपना निवास बना लिया हो, जो कि पहले सोचा जाना संभव नहीं था।

संबंधित जानकारी

होमो लुज़ोनेंसिस

- वैज्ञानिकों ने इस प्रजाति का नाम लुजो द्वीप के नाम पर होमो लुजोनेंसिस रखा है, जहां इसकी खोज की गई थी।
- होमो लुजोनेंस कम से कम 50,000 से 67,000 वर्ष पहले लुजोन द्वीप पर रहते थे।
- फिलीपींस में लुजोन द्वीप पर एक गुफा में पाए गए दो वयस्कों और एक बच्चे में कुल सात दांतों और छह छोटी हड्डियों और दांतों से होमिनिन की पहचान की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति, भूगोल

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>पार्श्व प्रविष्टि: संयुक्त सचिव स्तर पर नौ विशेषज्ञ, सरकारी विभागों में शामिल हुए हैं।</u>**

- संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) ने केंद्र सरकार के विभागों में संयुक्त सचिव स्तर के पदों पर नौ गैर-सरकारी पेशेवरों को नियुक्त किया है।

संबंधित जानकारी

- सरकार के प्रबुद्ध मंडल नीति आयोग ने एक रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया है कि एक निश्चित अवधि अनुबंध के आधार पर पार्श्व प्रविष्टि के माध्यम से तंत्र में विशेषज्ञों को शामिल करना आवश्यक है।
- पार्श्व प्रविष्टि मोड, जो सरकारी संगठनों में निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों की नियुक्ति से संबंधित है, यह सरकार द्वारा नौकरशाही में नई प्रतिभाओं को लाने का एक प्रयास है।

चयन हेतु मानदंड

- स्नातक डिग्री के साथ न्यूनतम 40 वर्ष की आयु और राजस्व, वित्त, परिवहन, नागरिक उड्डयन और वाणिज्य जैसे क्षेत्रों में 15 वर्षों का अनुभव होना चाहिए।
- इनकी नियुक्ति प्रदर्शन के आधार पर तीन से पांच वर्षों के लिए अनुबंध के आधार पर की जाएगी।

पृष्ठभूमि

- पहले ए.आर.सी. ने 1965 में विशेषज्ञता की आवश्यकता को इंगित किया था।
- सुरिंदर नाथ समिति और होता समिति ने क्रमश: 2003 और 2004 में मुकदमा चलाया, जैसा कि दूसरे ए.आर.सी. ने किया था।
- वाई. के. अलघ (2001) की अध्यक्षता वाली सिविल सेवा परीक्षा समीक्षा समिति की एक यू.पी.एस.सी.-साधिकार रिपोर्ट ने सरकार के माध्यमिक और वरिष्ठ स्तरों में पार्श्व प्रविष्टि की सिफारिश की थी।

- बासवान समिति (2016) ने अधिकारियों की कमी को देखते हुए पार्श्व प्रविष्टि का समर्थन किया था।
- नीति अयोग ने 2017-2020 के लिए अपने तीन वर्षीय कार्य एजेंडा में कहा था कि पार्श्व प्रविष्टि के माध्यम से क्षेत्र विशेषज्ञों को तंत्र में शामिल किया जाएगा क्यों कि वे "स्थापित करियर नौकरशाही में प्रतिस्पर्धा लाएंगे"।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>सी.-295 विमान सौदा अंतिम चरण मे है।</u>**

- सी.-295 विमान रक्षा अधिग्रहण परिषद से अनुमति मिलने की प्रतीक्षा कर रहा है।
- सी.-295 भारतीय वायु सेना के लिए परिवहन-विमान है जिसका मतलब है कि यह पुराने एवरो बेड़े को प्रतिस्थापित करेगा।

संबंधित जानकारी

सी.-295

- यह एक ट्विन-टर्बोप्रॉप सामरिक सैन्य परिवहन विमान है और वर्तमान में इसका निर्माण एयरबस डिफेंस एंड स्पेस द्वारा स्पेन में किया जा रहा है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद

- इसकी अध्यक्षता केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा की जाती है और एक निष्पक्ष रक्षा खरीद योजना प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु इसका गठन किया गया था।
- यह रक्षा बलों के लिए 15 वर्षीय समाकलित परिप्रेक्ष्य योजना हेतु एक प्रमुख अनुमोदन प्राधिकारण है।
- यह 300 करोड़ रुपये से अधिक के अधिग्रहण प्रस्तावों के सापेक्ष "ऑफसेट" प्रावधानों के संदर्भ में निर्णय लेता है।
- यह अधिग्रहण प्रस्तावों की 'खरीदें एवं बनाएं' श्रेणी के अंतर्गत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के संदर्भ में भी निर्णय लेता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- लाइवमिंट

16.04.2019

1. **<u>दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान आई.एम.डी. ने सामान्य बारिश की भविष्यवाणी की है।</u>**

- भारतीय मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि देश में आगामी दक्षिण-पश्चिम मानसून में मानसून सीजन (जून से सितंबर 2019) के दौरान सामान्य वर्षा होगी, जिसमें कम वर्षा होने की भावना कम है।
- आई.एम.डी. मानसून को 'सामान्य' या 'कम' के रूप में नामित करता है, जो इस आधार पर है कि यह अपने बेंचमार्क दीर्घ अवधि औसत (एल.पी.ए.) में किस प्रकार प्रदर्शन करता है।

संबंधित जानकारी

दीर्घ अवधि औसत (एल.पी.ए.)

- एल.पी.ए., दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पूरे 50 साल की अवधि के दौरान देश द्वारा प्राप्त कुल औसत वर्षा है।
- यह एक मानदंड के रूप में कार्य करता है, जिसके आधार पर किसी भी मानसून के मौसम में वर्षा को मापा जाता है।
- वर्तमान एल.पी.ए. 89 से.मी. है, जो कि वर्ष 1951 से वर्ष 2000 में औसत वर्षा पर आधारित है।

कम वर्षा

- यदि वास्तविक वर्षा, एल.पी.ए. के 90 प्रतिशत से कम हुई है तो कहा जाता है कि देश में कम वर्षा हुई है।

अत्यधिक वर्षा

- यदि वास्तविक वर्षा, एल.पी.ए. के 110 प्रतिशत से अधिक हुई है तो कहा जाता है कि देश में अत्यधिक वर्षा हुई है।

सामान्य बारिश

- यदि वास्तविक वर्षा, एल.पी.ए. के 96 से 104 प्रतिशत के मध्य हुई है तो इसे सामान्य बारिश कहते हैं।

नोट:

- एक ट्रोट में तीन महीने में तापमान वृद्धि 1 डिग्री सेल्सियस से अधिक है तो इसे "मजबूत" अल नीनो (और मानसून के लिए खतरा) माना जाता है।

- 5 डिग्री सेल्सियस-1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को "कमजोर" अल नीनो स्थिति कहा जाता है।
- वर्तमान में, अल नीनो 0.9 डिग्री सेल्सियस है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>मंत्रिमंडल ने जी.एस.एल.वी. के चौथे चरण के गठन को मंज़ूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021-2024 की अवधि के दौरान पांच जी.एस.एल.वी. उड़ानों वाले जी.एस.एल.वी. निरंतरता कार्यक्रम के चौथे चरण को मंज़ूरी प्रदान की है।
- जी.एस.एल.वी. कार्यक्रम का चौथा चरण भू-इमेजिंग, नेविगेशन, डेटा रिले संचार और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए उपग्रहों की 2 टन श्रेणी के लांच को सक्षम बनाएगा।
- जी.एस.एल.वी. निरंतरता कार्यक्रम का चौथा चरण भारतीय मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम और मंगल ग्रह के अगले ग्रहों के मध्य के मिशन का समर्थन करने हेतु महत्वपूर्ण सैटेलाइट नेविगेशन सेवाएं, डेटा रिले संचार प्रदान करने के लिए उपग्रहों की लॉन्च आवश्यकता को पूरा करेगा।

संबंधित जानकारी

पृथ्वी कक्षा

निम्न पृथ्वी कक्षा	180 कि.मी. - 2000 कि.मी.
मध्य पृथ्वी कक्षा	2000 कि.मी. - 35786 कि.मी. (लगभग)
उच्च पृथ्वी कक्षा	> 35786 कि.मी. (लगभग) (भू-समकालिक)

उपग्रहों हेतु विभिन्न प्रक्षेपण यान

ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पी.एस.एल.वी.)

- यह भारत की तीसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान है।
- यह पहला भारतीय प्रक्षेपण यान है जो तरल चरणों से सुसज्जित है।
- इसे अक्टूबर, 1994 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था।
- सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा (एस.एस.पी.ओ.), भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जी.टी.ओ.) और निम्न ऊँचाई निम्न पृथ्वी कक्षा मिशन (एल.ई.ओ.) को पूरा करने हेतु पी.एस.एल.वी. एक बहुमुखी प्रक्षेपण यान के रूप में उभरा है।
- लॉन्च किए गए मिशन- चंद्रयान-1, मंगल कक्षा मिशन, अंतरिक्ष कैप्सूल रिकवरी परीक्षण, आई.आर.एन.एस.एस., एस्ट्रोसैट हैं।

महत्वपूर्ण मिशन

1. वर्ष 2008 में पी.एस.एल.वी.-एक्स.एल. सी.11 के माध्यम से चंद्रयान-1 और
2. वर्ष 2013 में पी.एस.एल.वी.-एक्स.एल. सी. 25 के माध्यम से मंगल कक्षा अंतरिक्षयान (मंगलयान)

संस्करण

वर्तमान में पी.एस.एल.वी. के तीन परिचालन संस्करण हैं:

1. मानक (पी.एस.एल.वी.)
2. बूस्टर मोटर पर बिना छह स्ट्रैप के अकेला प्रमुख (पी.एस.एल.वी.-सी.ए.)
3. (पी.एस.एल.वी.-एक्स.एल.) संस्करण, जो मानक संस्करण की तुलना में अपनी स्ट्रैप-ऑन मोटर में अधिक ठोस ईंधन ले जा सकता है।

जी.एस.एल.वी. (भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान)

- यह मुख्य रूप से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में उपग्रहों के इन्सैट वर्ग को लॉन्च करने के लिए विकसित किया गया था।
- भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जी.एस.एल.वी.) परियोजना की शुरुआत वर्ष 1990 में भू-समकालिक उपग्रहों के लिए भारतीय प्रक्षेपण क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से की गई थी।
- निम्न पृथ्वी कक्षा में इसकी पेलोड क्षमता 5,000 कि.ग्रा. है और भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा में इसकी पेलोड क्षमता 2500 कि.ग्रा. है।
- यह उपग्रहों के 2 टन वर्ग अर्थात इनसैट और जीसैट को भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जी.टी.ओ.) में स्थापित करने में सक्षम है।

तीन चरणीय वाहन में जी.एस.एल.वी.-

- पहला चरण, एक ठोस प्रणोदक मोटर चरण है।
- दूसरा चरण, तरल प्रणोदक चरण है।

- तीसरा चरण, एक क्रायोजेनिक चरण अर्थात ईंधन के रूप में तरल हाइड्रोजन का प्रयोग करता है और ऑक्सीकारक के रूप में तरल ऑक्सीजन का प्रयोग करता है।

नोट: क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन- ईंधन अथवा ऑक्सीकारक (या दोनों) तरलीकृत गैसे हैं और बहुत कम तापमान पर संग्रहीत किया जाता है, उदाहरण के लिए जी.एस.एल.वी. एम.के.-।।। है।

संस्करण

1. रूसी क्रायोजेनिक चरण (सी.एस.) का उपयोग करने वाले जी.एस.एल.वी. रॉकेट को जी.एस.एल.वी. एम.के.। के रूप में नामित किया गया है। यह लगभग 1500 किलोग्राम का प्रक्षेपण करने में सक्षम है।
2. स्वदेशी क्रायोजेनिक उच्च चरण (सी.यू.एस.) का उपयोग करने वाले संस्करणों को जी.एस.एल.वी. एम.के.II के रूप में नामित किया गया है। यह भू-समकालिक हस्तांतरण कक्षा में 2500 किलोग्राम लॉन्च करने में सक्षम है।
3. जी.एस.एल.वी. एम.के. III

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञानएवं तकनीकि

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>प्राधिकरण, नंधौर वन्यजीव अभयारण्य के लिए बाघ रिजर्व का दर्जा चाहता है।</u>**

- हाल ही में उत्तराखंड में बाघ अभयारण्य प्राधिकरण, अभ्यारण्य में बाघों की आबादी में हो रही निरंतर वृद्धि के कारण इस अभयारण्य को बाघ रिजर्व में उन्नत करना चाहता है।
- वर्तमान में यह अभयारण्य, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दायरे में औपचारिक रूप से नहीं आता है।
- नंधौर वन्यजीव अभयारण्य राज्य के कुमाऊँ क्षेत्र में नंधौर नदी के निकट स्थित है और 269.5 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र में फैला हुआ है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- एन.टी.सी.ए. पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय है, जिसका गठन वन्यजीव (संरक्षण) के सक्षम प्रावधान अधिनियम, 1972 के अंतर्गत किया गया है।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, पर्यावरण एवं वानिकी मंत्री की अध्यक्षता में स्थापित किया गया है।

नोट:

- बाघ संरक्षण कार्यक्रम अथवा बाघ परियोजना वर्ष 1973 में विश्वव्यापी कोष के सहयोग से भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>सब-सोनिक क्रूज मिसाइल 'निर्भय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।</u>**

- डी.आर.डी.ओ. ने स्वदेशी रूप से निर्मित और विकसित लंबी दूरी की सब-सोनिक क्रूज मिसाइल "निर्भय" का उड़ीसा के एकीकृत परीक्षण रेंज (आई.टी.आर.) से सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

निर्भय मिसाइल

- यह भारत की पहली स्वदेशी रूप से निर्मित और विकसित लंबी दूरी सब-सोनिक क्रूज मिसाइल है।
- इसमें मिसाइल और वैमानिकी प्रौद्योगिकियों को मिश्रित किया गया है जो इसे मिसाइल की तरह ऊर्ध्वाधर स्थिति में उड़ने और एक विमान के समान क्षैतिज रूप से क्रूज करने की अनुमति प्रदान करती है।
- यह उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला द्वारा विकसित और ठोस रॉकेट मोटर बूस्टर द्वारा संचालित दो-चरणीय मिसाइल है।
- इसकी मारक क्षमता 1000 किलोमीटर है और यह परमाणु युद्धक सहित 300 किलोग्राम तक के वारहेड ले जा सकता है। इसे विभिन्न प्रकार के प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है।

मैक संख्या

- यह निकाय की गति और आस-पास के माध्यम में वायु की गति का अनुपात होता है।
- सबसोनिक यदि मैक संख्या <8 है

- ट्रांसोनिक यदि मैक संख्या 0.8 और 1.2 के मध्य है
- सुपरसोनिक यदि मैक संख्या 1.2 और 5.0 के मध्य है
- हाइपरसोनिक यदि मैक संख्या 5.0 और 10.0 के मध्य है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>मंत्रिमंडल ने 6वें डिप्टी कैग के पद के सृजन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय में एक एस.टी.एस. स्तर के पद को समाप्त करके डिप्टी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के एक पद के सृजन को मंजूरी प्रदान की है।
- डिप्टी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक राज्य लेखा परीक्षा, दूरसंचार लेखा परीक्षा के मध्य समन्वय का पर्यवेक्षण करेगा और भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के अंतर्गत विभिन्न सूचना प्रणाली (आई.एस.) पहलों के मध्य समन्वय स्थापित करेगा।

संबंधित जानकारी

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 148 द्वारा स्थापित एक प्राधिकरण है।
- कैग, भारत सरकार और राज्य सरकारों की सभी प्राप्तियों और व्यय का लेखा-जोखा करता है, जिसमें सरकार द्वारा वित्तपोषित किए जाने वाले निकाय और प्राधिकरण शामिल हैं।
- कैग, सरकार के स्वामित्व वाले निगमों का बाहरी लेखा परीक्षक भी होता है और सरकारी कंपनियों अर्थात कोई भी गैर-बैंकिंग/ गैर-बीमा कंपनी, जिसमें केंद्र सरकार के कम से कम 51 प्रतिशत इक्विटी शेयर हो अथवा मौजूदा सरकारी कंपनियों की सहायक कंपनियों का पूरक लेखा जोखा करता है।
- कैग की रिपोर्टों पर लोक लेखा समितियों (पी.ए.सी.) और सार्वजनिक उपक्रम समितियों (सी.ओ.पी.यू.) द्वारा विचार-विमर्श किया जाता है, जो भारत की संसद और राज्य विधानसभाओं की विशिष्ट समितियां हैं।
- कैग 9वें स्थान पर है और प्रधानता के भारतीय क्रम के अनुसार भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान दर्जा रखता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>एंटीबायोग्रामोस्कोप: एंटीबायोटिक प्रतिरोध का परीक्षण करने हेतु एक उपकरण है।</u>**

- अन्ना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने इस एंटीबायोग्रामोस्कोप उपकरण की खोज की है, जो केवल 6 घंटो में एंटीबॉयोटिक प्रतिरोध की जांच कर लेता है।
- यह परियोजना संयुक्त रूप से यू.जी.सी. और डी.एस.टी. द्वारा समर्थित है।
- एंटीबायोग्रामोस्कोप ने कोयम्बटूर में स्थित एन.ए.बी.एल. मान्यता प्राप्त सूक्ष्मजीवविज्ञानी प्रयोगशाला में सत्यापन परीक्षण पास कर लिए हैं।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.)

- यह भारतीय गुणवत्ता परिषद का एक संघटक बोर्ड है।
- यह निकाय की प्रत्यायन अनुरूपता मूल्यांकन की योजना के साथ सरकार, उद्योग संघों और सामान्यत: उद्योग प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें परीक्षण की तकनीकी योग्यता का थर्ड पार्टी मूल्यांकन शामिल होता है, जिसमें चिकित्सा और अंशांकन प्रयोगशालाएं, प्रवीणता परीक्षण प्रदाता और संदर्भ सामग्री निर्माता शामिल हैं।

भारतीय गुणवत्ता परिषद

- यह एक गैर-लाभकारी स्वायत्त समाज है।
- क्यू.सी.आई. का उद्देश्य देश में एक प्रत्यायन ढांचे की स्थापना करना और राष्ट्रीय गुणवत्ता अभियान के उपक्रम के द्वारा भारत में गुणवत्ता जागरूकता फैलाना है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>असम राइफल्स पर दोहरे नियंत्रण का निर्णय लेने हेतु सी.सी.एस.</u>**

- गृह मंत्रालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय को अवगत कराया है कि वह असम राइफल पर दोहरे नियंत्रण के मुद्दे पर रक्षा मंत्रालय के साथ सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति के किसी भी निर्णय का पालन करेगा।

संबंधित जानकारी

- असम राइफल्स, गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत है, जब कि इसका परिचालन नियंत्रण, रक्षा मंत्रालय के अधीन है।

असम राइफल

- असम राइफल, भारत का सबसे पुराना अर्धसैनिक बल है।
- यह भारतीय गृह मंत्रालय (एम.एच.ए.) के नियंत्रण के अंतर्गत है।
- वे जवाबी कार्रवाई और सीमा सुरक्षा ऑपरेशनों के माध्यम से सेना के नियंत्रण के अंतर्गत आंतरिक सुरक्षा के प्रावधान सहित कई भूमिकाएं निभाते हैं, जिसमें आपातकाल के समय में नागरिकों की सहायता का प्रावधान, दूरदराज के क्षेत्रों में संचार, चिकित्सा सहायता और शिक्षा का प्रावधान शामिल हैं।
- युद्ध के समय में आवश्यकता पड़ने पर पीछे के क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए एक लड़ाकू बल के रूप में भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।
- वर्ष 2002 से यह सैन्य बल सरकार की नीति "एक सीमा एक बल" के अनुसार भारत-म्यांमार सीमा की रक्षा कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>वैश्विक खसरे के मामले 300% तक बढ़ गए हैं: डब्ल्यू.एच.ओ.</u>**

- संयुक्त राष्ट्र की संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि वर्ष 2019 के शुरूआती तीन महीनों में पिछले वर्ष के समान महीनों की तुलना में वैश्विक स्तर पर खसरे के मामलों में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो टीकाकरण न करने के दोष के प्रभावों पर चिंता को बढ़ा रहा है।

संबंधित जानकारी

खसरा

- खसरा, एक अत्यंत संक्रामक रोग है जो खसरे के विषाणु के कारण होता है।
- खसरा, एक हवाई बीमारी है जो संक्रमित लोगों की खांसी और छींक के माध्यम से आसानी से फैलती है।
- यह लार अथवा नाक के स्राव के संपर्क के माध्यम से भी फैल सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>उत्तर भारत में पहली ल्यूसिस्टिक पांच-धारीदार हथेली गिलहरी पाई गई है।</u>**

- पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के ज़मानिया में एक मानव निर्मित उप-उष्णकटिबंधीय वन में एक ल्यूसिस्टिक पांच-धारीदार हथेली गिलहरी (फुनामबुलस पेनंती) पाई गई है।
- फुनामबुलस पेनंती पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार सहित भारत के उत्तरी भाग में अधिकतर पाई जाती है।
- गाजीपुर गिलहरी, भारत के लिए फुनामबुलस पेनंती में ल्यूसिस्म का दूसरा दर्ज किया गया मामला था। फुनामबुलस की अन्य प्रजातियों में ल्यूसिस्म को पहले तमिलनाडु और गोवा में भी पाया गया है।

नोट: ल्यूसिस्म, एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें जानवरों की त्वचा पर रंजकता की आंशिक रूप से हानि होती है। हालांकि रंग का हल्का होना आंखों तक नहीं फैलता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

17.04.2019

1. **<u>चुनाव आयोग के पास भाषण पर निगरानी करने की शक्ति है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने प्रमुख राजनेताओं के खिलाफ उनके सामुदायिक रूप से भड़काऊ और विभाजनकारी भाषणों के लिए 15 अप्रैल को नीति बदलते हुए भारतीय चुनाव आयोग को संज्ञान में लिया था।

संबंधित जानकारी

(i) **भारतीय दंड संहिता 1860**

(a) आई.पी.सी. की धारा 124ए

- आई.पी.सी., 1860 की धारा 124ए के अंतर्गत राज-द्रोह का कानून आता है, जिसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक उचित प्रतिबंध माना जाता है।
- यह थॉमस मैकाले द्वारा तैयार किया गया था और 1870 में पेश किया गया था।

(b) आई.पी.सी. की धारा 153ए

- यह भाग धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के मध्य शत्रुता को बढ़ावा देने पर दंडित करता है और सद्भाव बनाए रखने हेतु हानिकारक रूपसे काम करता है।

(ii) **पीपल्स अधिनियम 1951 का प्रतिनिधित्व**

- धारा 123 (3ए) और धारा 125 चुनाव के संबंध में एक भ्रष्ट निर्वाचन अभ्यास के रूप में धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय या भाषा के आधार पर शत्रुता को बढ़ावा देने को प्रतिबंधित करता है।

(iii) मंत्रिमंडल टेलीविजन नेटवर्क विनियमन अधिनियम 1955

- अधिनियम की धारा 5 और 6 निर्धारित कार्यक्रम संहिता या विज्ञापन संहिता के उल्लंघन में केबल नेटवर्क के माध्यम से एक कार्यक्रम के प्रसारण या पुन: प्रसारण को प्रतिबंधित करता है।

(iv) सिनेमैटोग्राफी अधिनियम 1952

- धारा 4, 58 और 7 फिल्म प्रमाणन बोर्ड को फिल्म की स्क्रीनिंग को प्रतिबंधित और विनियमित करने का अधिकार प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>झीलें, टाइटन पर तरल मीथेन से भर गई हैं।</u>**

- नासा के कैसिनी अंतरिक्ष यान द्वारा प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि इस क्षेत्र में तरल हाइड्रोकार्बनों की उदासीन टाइटन की कुछ झीलें आश्चर्यजनक रूप से गहरी हैं, जबकि अन्य छिछली और मौसमी हो सकती हैं।
- टाइटन ने हाइड्रोकार्बन की झीलों, नदियों और समुद्रों में हाइड्रोजन और कार्बन जैसे यौगिक शामिल होने का दावा किया है जो पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के मुख्य घटक हैं।

संबंधित जानकारी

कैसिनी-ह्यूगेंस मिशन

- इसे सामान्यत: कैसिनी कहा जाता है, यह यूरोपीय अंतरिक्ष संस्था, नासा और इटैलियन अंतरिक्ष संस्था के मध्य एक सहभागिता है।
- इस मिशन का उद्देश्य शनि ग्रह और उसकी प्रणाली का अध्ययन करने के लिए एक जांच दल भेजना था, जिसमें इसके छल्ले और प्राकृतिक उपग्रह का अध्ययन भी शामिल है।
- कैसिनी-ह्यूगेंस को नासा के ग्रहसंबंधी विज्ञान संभाग के निदेशक ने "मिशन ऑफ़ फर्स्ट" के रूप में वर्णित किया है।
- यह मिशन 2017 में समाप्त हुआ था इसके बाद इसे शनि के ऊपरी वातावरण में जलाने हेतु पुन: परिक्रमा करायी गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>सदाबहार के वैज्ञानिक प्रबंधन को समय की आवश्यकता होती है।</u>**

- **एक अध्ययन में यह पाया गया है कि भारत के पश्चिमी तट में सदाबहार जंगलों का 40 प्रतिशत भाग पिछले तीन दशकों में खेत और आवास कालोनियों में परिवर्तित हो गए हैं।**

संबंधित जानकारी

सदाबहार

- सदाबहार, पेड़ और झाड़ी प्रजातियां हैं जो विश्व के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भूमि और समुद्र के बीच अतराफलक में बढ़ती हैं।
- सदाबहार नमक-सहिष्णु वनस्पति हैं जो नदियों और मुहानों के अंतज्वारीय क्षेत्रों में बढ़ती हैं।
- उन्हें 'ज्वारीय वनों' के रूप में संदर्भित किया जाता है और 'उष्णकटिबंधीय आर्द्रभूमि वर्षावन पारिस्थितिकी तंत्र' की श्रेणी से संबंधित होते है।
- सदाबहार पारिस्थितिकी तंत्र, स्थलीय जंगलों और जलीय समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के मध्य एक अंतराफलक है।
- पारिस्थितिक तंत्र में सदाबहार-प्रमुख जंगल, कूड़े से भरे जंगल के फर्श, कीचड़दार भूमि, प्रवाल भित्ति और नदी मुहाना, अंतरज्वारीय जल, चैनल और बांध जैसे सन्निहित जल निकाय शामिल हैं।

भारत में सदाबहार

1. गोदावरी-कृष्णा
2. सुंदरबन (पश्चिम बंगाल)- को दुनिया का सबसे बड़ा सदाबहार वन माना जाता है
3. हिंद महासागर, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी में द्वीप
4. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
5. गुजरात में कच्छ की खाड़ी
6. भितरकनिका सदाबहार
7. गोदावरी-कृष्णा सदाबहार
8. पिचवारम सदाबहार वन (तमिलनाडु)- दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सदाबहार वन

सदाबहार, पर्यावरण के लिए क्यों जरूरी हैं?

- यह अद्वितीय वातावरण बनाता है जो जीवों की एक विस्तृत विविधता के लिए पारिस्थितिक शरण प्रदान करता है।
- यह अधिकांश व्यावसायिक मछलियों और क्रसटेशियन के लिए प्रजनन, भोजन और नर्सरी आधार के रूप में कार्य करता है, जिस पर हजारों लोग अपनी आजीविका हेतु निर्भर हैं।
- सदाबहार वन समुद्र तट को संरक्षण प्रदान करते हैं और चक्रवात और सुनामी के कारण आपदाओं को कम करते हैं।
- सदाबहार वन, अन्य वनों की तुलना में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड को संग्रहीत करते हैं।
- वे पोषक तत्व चक्र, हाइड्रोलॉजिकल शासन, तटीय संरक्षण, मछली-जीव उत्पादन, आदि जैसे महत्वपूर्ण पारिस्थिक कार्य करते हैं।
- यह उच्च ज्वार और तरंगों को कम करके शॉक अवशोषक के रूप में कार्य करता है जो मिट्टी के क्षरण को रोकने में मदद करता हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>नॉवेल डिवाइस "स्नो टेंग" ने बर्फबारी से बिजली उत्पन्न की है।</u>**

- वैज्ञानिकों ने पहली बार इस प्रकार की 3 विमीय चित्रित डिवाइस को डिजाइन किया है, जिसे स्नो-बेस्ड ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर या स्नो टेंग कहा जाता है, जो बर्फ गिरने से बिजली पैदा कर सकती है।
- यह डिवाइस अमेरिका में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यू.सी.एल.ए.) के शोधकर्ताओं द्वारा डिजाइन की गई है, यह सस्ती, छोटी, पतली और लचीली युक्ति है।
- यह डिवाइस दूरस्थ क्षेत्रों में काम कर सकती है क्यों कि यह अपनी शक्ति प्रदान करती है और इसे बैटरी की आवश्यकता नहीं होती है।
- यह स्थैतिक विद्युत के माध्यम से आवेश उत्पन्न करती है, इलेक्ट्रॉनों के विनिमय से ऊर्जा उत्पन्न करती है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- स्पेस.कॉम

5. **<u>नासा के टेस एक्सोप्लेनेट मिशन ने पहले पृथ्वी के आकार के एलियन विश्व "एच.डी. 21749सी." की खोज की है।</u>**

- नासा के नए उपग्रह हंटर ने अपनी पहली पृथ्वी के आकार के एलियन विश्व की खोज की है।
- ट्रांसिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वेक्षण उपग्रह (टी.ई.एस.एस.) ने एक अजीब "उप-नेप्च्यून"

विश्व के साथ ही, स्टार एच.डी. 21749 के ग्रह का पता लगाया था, जो पृथ्वी से लगभग 53 प्रकाश वर्ष दूर है।

- टेस ने आकाश में कुछ सबसे नजदीकी और चमकीले तारों के चारों ओर ग्रहों का शिकार करने हेतु अप्रैल, 2018 में पृथ्वी की कक्षा में एक शीर्ष स्पेस एक्स. फॉलकॉन 9 रॉकेट से उड़ाना भरना शुरू किया था।
- इस काम में कम चमक वाले डिप्स की तलाश शामिल है जो तब होते हैं जब एलियन विश्व, अंतरिक्ष यान के गर्म तारे के फलक को पार करता है, ऐसा अंतरिक्षयानके परिप्रेक्ष्य से है।
- वह नया पक्का पड़ोसी, एच.डी. 21749 सी., पृथ्वी के समान आकार का प्रतीत होता है, लेकिन वर्तमान में इसका द्रव्यमान ज्ञात करना कठिन है। यह अपने गर्म तारे बहुत संकीर्णता से वृत्त में है और प्रत्येक 8 पृथ्वी दिनों में एक परिक्रमा पूरी करता है और इसलिए शायद काफी गर्म है। हालाँकि यह पृथ्वी जैसे जीवन के लिए उपयुक्त नहीं लगता है।

संबंधित जानकारी

- यह एक्सोप्लेनेट, जिसे एच.डी. 21749बी. के रूप में जाना जाता है, पृथ्वी की तुलना में लगभग 23 गुना अधिक पुष्ट है और हमारी दुनिया से 7 गुना अधिक व्यापक है। यह आंकड़े बताते हैं कि एच.डी. 21749 बी. चट्टानी के बजाय गैसीय है, लेकिन हमारे सौर मंडल, यूरेनस और नेप्च्यून के जितना फूला हुआ नहीं है।
- एच.डी. 21749 बी. में 36 पृथ्वी दिनों की एक कक्षीय अवधि होती है- जो आज तक किसी भी टी.ई.एस.एस. ग्रह की अधिकतम है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- स्पेस.कॉम

6. **<u>भूटान सरकार अपनी उच्च मंत्रिसभा में बी.बी.आई.एन. पहल की संपुष्टि हेतु विधेयक प्रस्तुत करेगी।</u>**

बी.बी.आई.एन. मोटर वाहन समझौता

- बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बी.बी.आई.एन.) ने चार देशों के मध्य सीमाओं पर यात्री और मालवाहक वाहनों की आवाजाही को सक्षम करने हेतु जून, 2015 में एक ढांचा मोटर वाहन समझौते (एम.वी.ए.) पर हस्ताक्षर किए थे।
- भूटान, बी.बी.आई.एन. एम.वी.ए. के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक है, भूटान ने अभी तक कार्यान्वन में अपने प्रवेश हेतु इस समझौते को मंजूरी प्रदान नहीं की है।
- इसकी संपुष्टि लंबित है, हालांकि, भूटान ने अन्य तीन देशों अर्थात बांग्लादेश, भारत और नेपाल के मध्य बल में प्रवेश करने हेतु बी.बी.आई.एन. एम.वी.ए. हेतु अपनी सहमति दी है, इन तीन देशों ने इसे पहले से मंजूरी प्रदान कर दी है।
- इस समझौते में सदस्य देशों को मालवाहक और यात्रियों के परिवहन के लिए एक दूसरे के क्षेत्र में अपने वाहनों को प्रवेश कराने की अनुमति दी जाएगी, जिसमें तीसरे देश का परिवहन और व्यक्तिगत वाहन शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>मरूस्थलीय राष्ट्रीय उद्यान में 150 बस्टर्ड हैं: रिपोर्ट</u>**

- भारतीय वन्यजीव संस्थान ने कहा है कि वर्ष 2018 के दौरान पूरे देश में राजस्थान के मरूस्थलीय राष्ट्रीय उद्यान सहित ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की कुल आबादी 150 है।

संबंधित जानकारी

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

- यह उड़ने वाले सबसे भारी पक्षियों में से एक है जो एक मीटर की ऊँचाई तक उड़ सकता है।
- इसे प्रमुख घास के मैदानों की प्रजाति के रूप में मान जाता है, जो चारागाह पारिस्थितिकी के स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करती है।
- इन्हें आई.यू.सी.एन. की रेड डेटा सूची में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- ये पक्षी सी.आई.टी.ई.एस. परिशिष्ट I, अनुसूची 1 (वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2002) के अंतर्गत संरक्षित हैं।

भारत में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड हेतु संरक्षित क्षेत्र

- मरूस्थलीय राष्ट्रीय उद्यान अभयारण्य- राजस्थान
- रोल्लापादु वन्यजीव अभयारण्य- आंध्र प्रदेश
- करेरा वन्यजीव अभयारण्य- मध्य प्रदेश

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण एवं पारिस्थिकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>एक और प्रजाति विलुप्त हो रही है: यांग्त्ज़े विशालकाय सॉफ्टशेल कछुआ</u>**

- पिछले ज्ञात जीवित मादा यांग्त्ज़े विशालकाय सॉफ्टशेल कछुए (रफेटुसविनहोइ) की हाल ही में हुई मृत्यु का अर्थ है कि यह प्रजाति अब विलुप्त होने की कगार पर है।

संबंधित जानकारी

यांग्त्ज़े विशालकाय सॉफ्टशेल कछुआ

- यांग्त्ज़े विशालकाय सॉफ्टशेल कछुए को लाल नदी विशालकाय सॉफ्टशेल कछुए के रूप में भी जाना जाता है, यह कछुए की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है।
- यह प्रजाति पूर्वी और दक्षिणी चीन और उत्तरी वियतनाम की स्थानिक प्रजाति है।
- केवल तीन जीवित कछुए ज्ञात हैं, जिसमें से एक चीन में (बंदी) और दो वियतनाम में (जंगली) हैं (वियतनाम से चौथे कछुए की जनवरी, 2016 में मृत्यु होने की सूचना मिली थी)।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- यह विश्व का सबसे बड़ा जीवित ताजे पानी का कछुआ हो सकता है।

भारत का काला सॉफ्टशेल कछुआ

- काला सोफ्टशेल का असम के पोबीतोरा वन्यजीव अभ्यारण्य के हादुकबील (आद्रभूमि) में अंडे सेना जारी किया गया था।
- काले सॉफ्टशेल कछुए को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) की रेड लिस्ट में "जंगलों में विलुप्त" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- यह एक ताजे पानी का कछुआ है जो भारत और बांग्लादेश में पाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- टी.ओ.आई.

9. **<u>गैर-आवश्यक परिसंपत्तियां</u>**

- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सी.पी.एस.ई.) को वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली एक मंत्री समिति द्वारा पहचानी गई गैर-आवश्यक परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण हेतु 12 महीने का समय मिलेगा।
- निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डी.आई.पी.ए.एम.) ने सी.पी.एस.ई. और अचल शत्रु संपत्ति की गैर-आवश्यक परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण हेतु दिशानिर्देश जारी किए हैं।

संबंधित जानकारी

गैर-आवश्यक परिसंपत्तियां क्या हैं?

- गैर-आवश्यक परिसंपत्तियां, वे परिसंपत्तियां हैं जो या तो आवश्यक नहीं हैं या सामान्यत: देश के व्यापारिक संचालनों में लंबे समय तक प्रयोग नहीं की गई हैं।
- गैर-आवश्यक परिसंपत्तियां प्राय: तब बेंची जाती है जब किसी कंपनी को नकदी जुटाने की आवश्यकता होती है।
- कुछ व्यवसाय अपने ऋण का भुगतान करने के लिए अपनी गैर-आवश्यक परिसंपत्तियां बेंच देते हैं।

नोट:

शत्रु संपत्ति, उन परिसंपत्तियों को संदर्भित करती है जो पाकिस्तान अथवा चीन प्रवास कर गए लोगो और उनके द्वारा छोड़ी गई हैं जो अधिक समय तक भारत के नागरिक नहीं रहे हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

10. **<u>होम एक्सपो इंडिया 2019</u>**

- उत्तर प्रदेश के नोएडा में हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा होम एक्सपो इंडिया 2019 के 8वें संस्करण का आयोजन किया गया है।

संबंधित जानकारी

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ई.पी.सी.एच.)

- यह देश में हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हस्तशिल्प निर्यातकों का एक सर्वोच्च निकाय है।
- यह एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसे कंपनी अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 1986-87 में स्थापित किया गया था।

नोट: हस्तशिल्प उद्योग, कपड़ा मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

18.04.2019

1. **<u>भारतीयों में जिंक की कमी बढ़ रही है।</u>**

- हार्वर्ड द्वारा "भारत में अपर्याप्त जिंक सेवन: भूत, वर्तमान और भविष्य" शीर्षक नामक एक नए अध्ययन में पाया गया है कि कार्बन डाई ऑक्साइड के बढ़ते स्तर से फसलों में जिंक कमी में वृद्धि हो सकती है।

अध्ययन की मुख्य विशेषताएं

- अध्ययन में कहा गया है कि भारत में दशकों से अपर्याप्त जिंक का सेवन किया जाना बढ़ रहा है, जिससे दसियों लाख नए लोग इस श्रेणी में शामिल हो गए हैं।
- अपर्याप्त जिंक के सेवन की उच्चतम दर दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों में चावल के प्रभुत्व वाले आहारों के साथ केंद्रित है: इन राज्यों में केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, मणिपुर और मेघालय शामिल हैं।

खनिज की कमी के प्रभाव

खनिज की कमी क्या है?

- खनिज, विशिष्ट प्रकार के पोषक तत्व होते हैं जो आपके शरीर को उचित तरीके से काम करने के लिए आवश्यक होते हैं।
- खनिज की कमी तब होती है जब आपका शरीर खनिज की आवश्यक मात्रा का सेवन या अवशोषण नहीं करता है।
- खनिज की कमी की पांच मुख्य श्रेणियां: कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम और जिंक हैं।

जिंक की कमी

- जिंक, शरीर के मेटाबॉलिज्म के कई पहलुओं में भूमिका निभाता है। इनमें शामिल है:

1. प्रोटीन संश्लेषण
2. प्रतिरक्षा प्रणाली कार्य
3. घाव भरने की चिकित्सा
4. डी.एन.ए. संश्लेषण

- इसके अतिरिक्त यह गर्भावस्था, बचपन और किशोरावस्था के दौरान उचित वृद्धि और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।
- जिंक पशु उत्पादों जैसे सीप, रेड मीट और मुर्गियों में पाया जाता है।
- जिंक की कमी से भूख न लगना, स्वाद या गंध न महसूस जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्यों को कम करना और वृद्धि रूक जाना इसके अन्य लक्षण हैं।

राष्ट्रीय अनाज किलाबंदी कार्यक्रम

- खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य पदार्थों की किलेबंदी) विनियमन, 2018 ने पहले संचालित मानकों को प्रतिस्थापित किया हैं।
- यह एफ.एस.एस.ए.आई. के अधीन है जो भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।
- नए मानक अब गेहूं के आटे (आटा), मैदा, चावल (आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी.12 के साथ), डबल फोर्टिफाइड नमक (आयोडीन और आयरन के साथ), वनस्पति तेल और दूध (विटामिन ए और विटामिन डी) जैसे अनाजों की किलेबंदी हेतु न्यूनतम और अधिकतम सीमा प्रदान करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>श्रीलंका का पहला उपग्रह "रावण -1" अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया है।</u>**

- श्रीलंका का पहला उपग्रह "रावण -1" वर्जीनिया के पूर्वी तट पर नासा की उड़ान सुविधा से अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया है।
- "रावण 1" का वजन लगभग 1.05 किलोग्राम है और इस उपग्रह का जीवनकाल लगभग डेढ़ वर्ष है।
- इस लॉन्च ने वैश्विक अंतरिक्ष युग में श्रीलंका के प्रवेश को चिह्नित किया है।
- इस उपग्रह को जापान में क्यूशू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दो श्रीलंकाई अनुसंधान इंजीनियरों द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया था।
- इसका कैमरा मिशन श्रीलंका और उसके पड़ोसी देशों की तस्वीरें खींचना है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. मंच पर दवाओं के उचित मूल्य निर्धारण की मांग की गई है।</u>**

- यह दवाओं को खरीद सकने हेतु सस्ता करने के प्रयास के रूप में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के मंच पर सरकारों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने अनुसंधान और विकास के साथ ही दवाओं के उत्पादन की लागत मूल्य में अधिक पारदर्शिता की मांग की है।
- यह मांग उचित मूल्य निर्धारण मंच में की गई थी, जिसकी मेजबानी 13-14 अप्रैल के मध्य दक्षिण अफ्रीका सरकार द्वारा और सह-मेजबानी डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा की गई थी।
- अधिकांश दवाओं के उत्पादन की लागत सरकारों, रोगियों या बीमा योजनाओं द्वारा भुगतान की जाने वाली अंतिम कीमत का एक छोटा सा हिस्सा होती है।
- मामलों को बदतर बनाने के लिए पारदर्शिता की कमी कभी-कभी उन स्थितियों की ओर ले जाती है, जहां निम्न और मध्यम-आय वाले देश, धनी देशों की तुलना में दवाओं के लिए उच्च मूल्य का भुगतान करना बंद कर देते हैं।
- पारदर्शिता बढ़ाने हेतु वर्षों से प्रयास किए जा रहे हैं। उदाहरण: टीका बाजारों और कमियों पर डब्ल्यू.एच.ओ. का डेटाबेस, एम.आई.4ए., प्रतिस्पर्धी वैक्सीन कीमतों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

सम्बंधित जानकारी

डब्ल्यू.एच.ओ.

- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट संस्था है जो अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- डब्ल्यू.एच.ओ., संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य है।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>फ्रांस का प्रसिद्ध नोट्रे-डैम गिरजाघर</u>**

समाचारों में क्यों है:

- हाल ही में यह एक भीषण आग की चपेट में आ गया था।
- यह शायद गिरिजाघर का अब तक का सबसे बड़ा नुकसान है।

नोट्रे-डैम गिरजाघर

- नोट्रे डेम एक धार्मिक स्थल है और फ्रांस का एक राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक प्रतीक है।
- इस गिरजाघर का निर्माण 1160 में शुरू हुआ था और 1345 में लगभग दो शताब्दियों बाद इसे प्रतिष्ठित किया गया था, यह पेरिस का सबसे बड़ा प्रतीक है।
- आग के द्वारा मूल इमारत के नष्ट हो जाने के बाद वर्तमान इमारत का निर्माण किया गया था और 1230 और 1240 के बीच एक और आग से इमारत नष्ट हुई थी।
- लुईस XIV और लुईस XV ने इसे 17वीं और 18वीं शताब्दी में फिर से बनवाया था।
- 1786 में, मूल शिखर को बदला गया था।
- फ्रांसीसी क्रांति के दौरान गिरजाघर क्षतिग्रस्त हो गया था और इसे 1844 से 1864 तक पुन: बनाया गया था, जब इसके गुंबद और अर्द्ध गुंबज का पुन: निर्माण किया गया था।

- 2017 में, एक € 160 मिलियन का नवीकरण शुरू हुआ था, जो कि चल रहा था।

टॉपिक- जी.एस.-1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **चीन के लिए एक छोटा कदम: किशोरों के लिए गोबी मरूस्थल में मंगल आधार को खोला गया है।**

- सी.-अंतरिक्ष पिरयोजना ने हाल ही में गोबी मरूस्थल में स्थापित अपने मंगल आधार का अनावरण किया है।
- सी-अंतरिक्ष परियोजना, जहां सी. का अर्थ समुदाय, परंपरा और रचनात्मकता है।
- यह चीनी किशोरों के लिए एक शिक्षा सुविधा प्रदान करता है।
- यह उन्हें अंतरिक्ष अन्वेषण और मंगल ग्रह पर रहने के बारे में पढ़ाएगा।

संबंधित जानकारी

गोबी मरूस्थल

- यह एशिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान है।
- इसमें उत्तरी और पूर्वोत्तर चीन और दक्षिणी मंगोलिया के कुछ हिस्से शामिल हैं।
- गोबी एक वर्षा छाया मरूस्थल है, जो तिब्बत के पठार द्वारा बनाया गया है जो हिंद महासागर से गोबी मरूस्थल पहुँचने वाली वर्षा को रोकता है।
- सिल्क रोड वास्तविकता में गोबी मरूस्थल से होकर गुजरती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **आई.एन.-वी.पी.एन. बाईलैट एक्स.: भारतीय नौसेना-वियतनाम पीपुल्स नौसेना द्विपक्षीय युद्धाभ्यास**

- यह युद्धाभ्यास दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के लिए पूर्वी बेड़े के जहाजों की जा रही विदेशी तैनाती के एक भाग के रूप में शुरू किया गया था।
- यह युद्धाभ्यास भारतीय नौसेना और वियतनाम पीपुल्स नौसेना के मध्य पारस्परिक विश्वास और अंतरकार्यकारिता को भविष्य में मजबूत करने के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **विश्व विरासत दिवस: 18 अप्रैल**

- अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद (आई.सी.ओ.एम.ओ.एस.) ने वर्ष 1982 में 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस के रूप में घोषित किया था।
- विश्व विरासत दिवस की थीम "ग्रामीण परिदृश्य" है।

संबंधित जानकारी

आई.सी.ओ.एम.ओ.एस

- यह एक व्यवसायिक संघ है जो पूरे विश्व में सांस्कृतिक विरासत स्थलों के संरक्षण और सुरक्षा हेतु काम करता है।
- इसकी स्थापना 1965 में वारसॉ में 1964 के वेनिस चार्टर के परिणामस्वरूप हुई थी और यह विश्व विरासत स्थलों पर यूनेस्को को सलाह देता है।
- इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है।
- आई.सी.ओ.एम.ओ.एस., ब्लू शील्ड का एक साझेदार और संस्थापक सदस्य है, जो युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं से खतरे वाली विश्व की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने के लिए काम करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू

8. **मानव ऊतक के साथ हृदय के 'पहले' 3डी प्रिंट का अनावरण वेसेल्स ने किया है।**

- इजराइल के टेल अवीव विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ने एक मरीज की कोशिकाओं और जैविक सामग्रियों का उपयोग करके विश्व के पहले 3डी संवहनी इंजीनियरीकृत हृदय को प्रिंट किया है।

संबंधित जानकारी

- 3डी हृदय का निर्माण मानव कोशिकाओं और रोगी-विशिष्ट जैविक सामग्रियों से किया गया था।
- इस प्रक्रिया के दौरान, रोगी-विशिष्ट जैविक सामग्रियों ने जैव-स्याही (शर्करा और प्रोटीन से बना पदार्थ जो जटिल ऊतक मॉडलों की 3 डी प्रिंटिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है) के रूप में कार्य किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

9. **<u>वोटर आई.डी. (मतदाता पहचान पत्र)</u>**

- एक वोटर आई.डी. या मतदाता फोटो पहचान पत्र (ई.पी.आई.सी.), एक दस्तावेज है जो 18 वर्ष की आयु से अधिक आयु के मत देने योग्य एक भारतीय नागरिक को जारी किया जाता है।
- मतदाता पहचान पत्र पहली बार 1993 में जारी किए गए थे जब टी. एन. शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त थे।
- यह कार्ड मुख्य रूप से एक नगरपालिका, राज्य या राष्ट्रीय चुनाव में अपना मत डालने के लिए नागरिक हेतु एक पहचान प्रमाण के रूप में कार्य करता है।
- **हालांकि आपके पास कार्ड होना, आपको मतदान के अधिकार की गारंटी नहीं देता है।**
- मतदान का अधिकार केवल उन नागरिकों के लिए उपलब्ध है जिनके नाम मतदाता सूची में पाए जाते हैं।
- ई.पी.आई.सी. केवल सामान्य निर्वाचकों को प्रदान किए जाते हैं और कार्यकारी एवं विदेशी मतदाताओं को नहीं प्रदान किए जाते हैं।
- यदि कोई मतदाता दूसरे विधानसभा क्षेत्र में निवास करता है, तो उसे नए निर्वाचन क्षेत्र में एक नए मतदाता के रूप में पुन: पंजीकरण करना होगा और उसे एक नया मतदाता पहचान पत्र प्रदान किया जाएगा।
- उसकी ई.पी.आई.सी. संख्या हमेंशा समान रहेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>चेन्चुस का मानना है कि लोमड़ी पालना भाग्यशाली है।</u>**

- हाल ही में भाग्य के लिए चेंचू आदिवासी परिवार ने आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पास लोमड़ी को पाला है।

संबंधित जानकारी

चेंचुस

- ये विशेष रूप से लुप्तप्राय जनजातीय समूह हैं जो नागार्जुनसागर श्रीसैलम बाघ रिजर्व के निकट नल्लामाला (एक्सेलवुड, सागौन और हार्डविक के पेड़ों समेत उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती झाड़ियां हैं) के वनों में काफी अंदर रहते हैं।
- वे तेलंगाना, कर्नाटक और उड़ीसा में भी रहते हैं।
- वे कट्टर वनवासी हैं, जिन्होंने इस तरह के जीवन की समस्याओं की परवाह किए बिना जंगल से बाहर जाने से इनकार कर दिया है।

लोमड़ी के संदर्भ में जानकारी:

- लोमड़ी का संरक्षण, भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत आता है, जिसके अनुसार इसका शिकार करना या पालतू बनाना अपराध है और इसके लिए सजा का प्रावधान है।
- "गैर-वनवासियों द्वारा लोमड़ी का अधिकार रखना भी एक अपराध है।”

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कलाएवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

19.04.2019

1. **<u>भारत, विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019 में निचले स्थान पर आ गया है।</u>**

- भारत, विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019 में दो स्थान नीचे आकर 180 देशों में 140वें स्थान पर है।
- यह सूचकांक "रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स" द्वारा तैयार किया गया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- इस रिपोर्ट में पूरे विश्व में पत्रकारों के प्रति शत्रुता की भावना में बढ़ोत्तरी पाई गई है, भारत में हिंसक हमलों के कारण वर्ष 2018 में कम से कम छह भारतीय पत्रकारों को उनके काम के दौरान मार दिया गया था।
- दक्षिण एशिया सामान्यत: सूचकांक में सबसे खराब स्थिति में है, पाकिस्तान तीन स्थान नीचे आकर 142वें स्थान पर और बांग्लादेश चार स्थान नीचे आकर 150वें स्थान पर आ गया है।
- नॉर्वे ने लगातार 3 वर्षों से 2019 सूचकांक में भी पहला स्थान प्राप्त किया है, जब कि फिनलैंड (दो स्थानों तक) को नीदरलैंड से (एक स्थान नीचे आकर 4वें स्थान) दूसरे स्थान पर रखा गया है।

- सूचकांक के निचले भाग में वियतनाम (176 वां) और चीन (177 वां) दोनों एक स्थान नीचे आए हैं, वर्तमान में तुर्कमेनिस्तान अंतिम स्थान पर है जो उत्तर कोरिया (एक स्थान बढ़कर 179वां स्थान) को प्रतिस्थापित करता है।

संबंधित जानकारी

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आर.डब्ल्यू.बी.) या रिपोर्टर्स सैंस फ्रंटियर (आर.एस.एफ.)

- यह एक पेरिस आधारित गैर-लाभकारी संगठन है जो पूरे विश्व में पत्रकारों पर हो रहे हमलों का सामना करने और और दस्तावेजीकरण हेतु काम करता है।
- यह सूचना की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित मुद्दों पर राजनीतिक वकालत करता है।

टॉपिक-जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

2. **<u>नेपाल ने अमेरिका से अपना पहला उपग्रह नेपालीसैट-1 लॉन्च किया है।</u>**

- नेपाल ने हिमालयी राष्ट्र की विस्तृत भौगोलिक जानकारी एकत्र करने के लिए अमेरिका से अंतरिक्ष में अपना पहला उपग्रह सफलतापूर्वक लांच किया है।
- नेपालीसैट-1 एक निम्न कक्षा उपग्रह है जो पृथ्वी की सतह से 400 किलोमीटर की दूरी पर स्थित होगा।
- यह उपग्रह, देश की भौगोलिक जानकारी एकत्र करने हेतु नियमित आधार पर तस्वीरें लेगा।
- एन.ए.एस.टी. (नेपाल विज्ञान एवं तकनीकि अकादमी) ने जापान के क्यूशू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की बर्ड्स परियोजना के अंतर्गत अपने देश के उपग्रह को लॉन्च करने की पहल की है।

संबंधित जानकारी

- बर्ड्स परियोजना को संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से डिजाइन किया गया है और इसका उद्देश्य देशों की अपना पहला उपग्रह लॉन्च करने में मदद करना है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- बिजनेस टुडे

3. **<u>सऊदी अरब वर्ष 2020 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।</u>**

- सऊदी अरब ने घोषणा की है कि वह अपनी राजधानी रियाध में नवंबर, 2020 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।
- यह अरब दुनिया में आयोजित होने वाला पहला जी20 शिखर सम्मेलन होगा।
- पिछले वर्ष जी20 की बैठक अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में आयोजित हुई थी।

संबंधित जानकारी

जी20

- जी20 (या ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी), सरकारों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1999 में की गई थी।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के संवर्धन से संबंधित नीतियों पर चर्चा करना है।
- जी20 का गठन, वर्ष 1999 में जी7 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हुआ था।
- यह 19 देशों और यूरोपीय संघ से मिलकर बना है।
- जी20 में शामिल देश अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।
- सामान्यत: जी20 के कार्यों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है:
- वित्तीय श्रेणी में जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों और उनके प्रतिनिधियों के साथ सभी बैठकें शामिल हैं।
- शेरपा श्रेणी राजनीतिक मुद्दों, भ्रष्टाचार-विरोध, विकास, व्यापार, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन, लिंग समानता, जैसे अन्य व्यापक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करती है।

टॉपिक-जी.एस.-2- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>काकापो: विश्व का सबसे मोटा तोता</u>**

- काकापो नामक विश्व का सबसे मोटा तोता है, जो कि गंभीर रूप से लुप्तप्राय है, इसने रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रजनन मौसम का आनंद लिया है।
- न्यूजीलैंड के वैज्ञानिकों ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन संभवतः प्रजातियों की अनोखे मैथुन मौसम में सहायता कर रहा है।
- काकापो एक "असामान्य" तोता है क्यों कि मादाएं, प्रजनन प्रक्रिया को नियंत्रित करती हैं और केवल प्रत्येक दो से चार वर्षों तक ही मैथुन करती है जब न्यूजीलैंड के देशी रिमू के पेड़ों में फल लग जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस.-3- जैवविविधता

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>अलेक्जैंड्राइन पाराकीत (गागरोनी तोता)</u>**

- झालावर-बारां लोकसभा सीट पर, जिला प्रशासन ने लुप्तप्राय गागरोनी तोते को 2019 लोकसभा चुनाव के लिए शुभंकर बनाया है।

संबंधित जानकारी

गागरोनी तोता

- इस तोते को मनुष्य की आवाज की नकल करने हेतु अलेक्जैंड्राइन पाराकीत के रूप में भी जाना जाता है।
- यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (डब्ल्यू.पी.ए.) 1972 की अनुसूची 1(बी) के अंतर्गत आता है।
- यह अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) और सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट ।। के अंतर्गत "लुप्तप्राय के करीब" के रूप में सूचीबद्ध है।
- नर गागरोनी तोते की गर्दन पर लाल रंग के छल्ले और पंखों पर लाल रंग के धब्बे होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भागीदारी नोटों के माध्यम से निवेश (पी-नोट्स)</u>**

भागीदारी नोट

- यह पंजीकृत विदेशी संविभाग निवेशकों (एफ.पी.आई.) द्वारा उन विदेशी निवेशकों को जारी किए जाते हैं जो एक उचित उद्दम प्रक्रिया से गुजरने के बाद स्वयं को पंजीकृत किए बिना भारतीय स्टॉक बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं।

संबंधित जानकारी

विदेशी संविभाग निवेश और विदेशी संविभाग निवेशक

- विदेशी संविभाग निवेश (एफ.पी.आई.), वह निवेश है जो किसी अनिवासी द्वारा शेयर, सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, परिवर्तनीय प्रतिभूतियां, बुनियादी ढांचा प्रतिभूतियों जैसी भारतीय प्रतिभूतियों में किया जाता है।
- इन प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले निवेशकों के वर्ग को विदेशी संविभाग निवेशक के रूप में जाना जाता है।

विदेशी संविभाग निवेशक कौन हैं?

- विदेशी संविभाग निवेशकों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफ.आई.आई.) के निवेश समूह, अर्हताप्राप्त विदेशी निवेशक (क्यू.एफ.आई.) (अर्हताप्राप्त विदेशी निवेशक) और उपखाते आदि शामिल हैं।
- एन.आर.आई., विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के अंतर्गत नहीं आते हैं।

विदेशी संविभाग निवेश हेतु सेबी के मानदंड

- हाल ही में, सेबी ने विदेशी संविभाग निवेश के लिए मानदंडों को निर्धारित किया है जिसमें किसी अनिवासी द्वारा किया गया कोई भी इक्विटी निवेश जो कि कंपनी में पूंजी के 10% से कम या बराबर है, उसे संविभाग निवेश कहते हैं।
- इससे अधिक के निवेश को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ.डी.आई.) माना जाएगा।
- विदेशी संविभाग निवेशक द्वारा किया गया निवेश, भारतीय कंपनी की भुगतान की गई पूंजी के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता है।
- सेबी के विनियमनों के अनुसार, एफ.पी.आई. को गैर-सूचीबद्ध शेयरों में निवेश करने की अनुमति नहीं है और गैर-सूचीबद्ध संस्थाओं में निवेश को एफ.डी.आई. के रूप में माना जाएगा।

नोट:

विदेशी संस्थागत निवेशक

- सेबी के अनुसार, "एक एफ.आई.आई., भारत के बाहर स्थापित या निगमित संस्था है जो भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश करने का प्रस्ताव रखती है"।

- एफ.आई.आई. एक संस्था है जो भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत निवेशक) विनियमन, 1995 के अंतर्गत पंजीकृत है।
- एफ.आई.आई. में पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड, निवेश ट्रस्ट, बीमा कंपनी या पुनर्बीमा कंपनी शामिल है।

अर्हताप्राप्त विदेशी निवेशक

- क्यू.एफ.आई., एक व्यक्ति, समूह या संघ है जो विदेश में निवास करता है।
- क्यू.एफ.आई. को वित्तीय कार्य टास्क फोर्स मानक का अनुपालन करना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन का हस्ताक्षरकर्ता होना चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

7. **<u>पोर्टेरेसिया कोर्कटाटा: एक नमक सहिष्णु चावल किस्म है।</u>**

- शोधकर्ताओं ने पोर्टेरेसिया कोर्कटाटा नामक जंगली चावल से एक जीन का सामान्यत: प्रयोग किए जाने वाले आई.आर. 64 इंडिका चावल किस्म में अति व्यापकता करके एक नया नमक सहिष्णु ट्रांसजेनिक चावल का पौधा विकसित किया है।
- यह भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और म्यांमार में मूल रूप से उगाया जाने वाला चावल है और मुख्य रूप से खारे ज्वानदमुखों में उगाया जाता है।
- नई फसल ग्रीनहाउस परिस्थितियों के अंतर्गत सामान्य वृद्धि और अनाज की उपज को प्रभावित किए बिना 200 माइक्रोमोल प्रति लीटर अथवा समुद्री जल के खारेपन की आधी सांद्रता को सहन कर सकती है।
- इस कार्य को जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>वरुण नौसेना युद्धाभ्यास 2019</u>**

- भारत और फ्रांस अपने सबसे बड़े नौसेना युद्धाभ्यास 'वरुण' का आयोजन करेंगे।
- यह युद्धाभ्यास मई, 2019 में आयोजित किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

भारत और फ्रांस

- दोनों देशों ने सैन्य-तंत्र विनिमय समझौता ज्ञापन (एल.ई.एम.ओ.ए.) पर हस्ताक्षर किए हैं जो दोनों देशों को रक्षा आपूर्तियों की मरम्मत और पुनःपूर्ति के लिए एक दूसरे के ठिकानों का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा।
- भारत, इस पारस्परिक सैन्य-तंत्र समझौते की मदद से चीन को शामिल करने की योजना बना रहा है जो अपनी ऋण-जाल नीति के साथ आई.ओ.आर. (हिंद महासागर क्षेत्र) में अपने रणनीतिक पदचिह्न का आक्रामक रूप से विस्तार कर रहा है।
- फ्रांस के साथ सैन्य रसद समझौता, हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित फ्रांसीसी ठिकानों तक भारतीय नौसेना को पहुंच प्रदान करता है, जिसमें मेडागास्कर के निकट रीयूनियन द्वीप और हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर जिबूती शामिल है और इस क्षेत्र में फ्रांसीसी नौसेना की भारतीय ठिकानों तक पहुंच शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>सी.एस.आई.आर., जनसंख्या विविधता का मानचित्रण करने हेतु जीनोम अनुक्रमण की योजना बना रहा है।</u>**

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.), भारत की जनसंख्या विविधता का मानचित्रण करने हेतु जीनोम अनुक्रमण की योजना बना रहा है।
- वैश्विक स्तर पर, कई देशों ने बीमारी के प्रति अद्वितीय आनुवंशिक लक्षण, संवेदनशीलता (और लचीलापन) निर्धारित करने के लिए अपने नागरिकों के नमूने का जीनोम अनुक्रमण किया है।

- इस परियोजना का उद्देश्य जीनोमिक्स की "उपयोगिता" पर छात्रों की एक पीढ़ी को शिक्षित करना है।

संबंधित जानकारी

जीनोम

- यह एक जीव की आनुवंशिक सामग्री है। इसमें डी.एन.ए. (या आर.एन.ए. विषाणु में आर.एन.ए.) शामिल हैं।
- जीनोम में जीन (कोडिंग क्षेत्र) और नॉनकोडिंग डी.एन.ए. के साथ-साथ माइटोकॉन्ड्रियल डी.एन.ए. और क्लोरोप्लास्ट डी.एन.ए. भी शामिल हैं।
- जीनोम शब्द की खोज वर्ष 1920 में हंबर्ग विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर हंस विंकलर द्वारा की गई थी।
- जीनोम के अध्ययन को जीनोमिक्स कहते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>प्रस्तुत मत</u>**

- चुनाव नियमों 1961 के प्रबंध के अनुसार, एक मतदाता को वहां एक 'प्रस्तुत मत' डालने की अनुमति दी जाती है, जहां एक विशेष मतदाता का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी अन्य व्यक्ति ने पहले ही उस मत को डाल दिया है।
- पीठासीन अधिकारी वास्तविक मतदाता को मतदान करने की अनुमति दे सकता है यदि व्यक्ति अपनी पहचान साबित करने में सक्षम है।
- उन्हें चुनाव चिन्ह को चिन्हित करने हेतु मतपत्र प्रदान किया जाएगा और इसे विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए रखे गए कवर में रखा जाएगा।
- एक प्रस्तुत मतपत्र, चुनाव के लिए प्रयोग किए जाने वाले अन्य मतपत्र के समान होता है, इसके अतिरिक्त यह:
- मतदान केंद्र पर उपयोग के लिए जारी किए गए मतपत्रों के बंडल में इस प्रकार का प्रस्तुत मतपत्र के अंत में होगा।
- इस प्रकार के प्रस्तुत मतपत्र और उसके दूसरी ओर के पीछे "प्रस्तुत मतपत्र" लिखा जाएगा तो कि पीठासीन अधिकारी स्वयं अपने हाथों से लिखेगा और हस्ताक्षर करेगा।
- निर्वाचक, मतदान डिब्बे में एक प्रस्तुत मतपत्र को चिह्नित करने के बाद उसे मतपेटी में डालने के बजाय मोड़ेगा और पीठासीन अधिकारी को देगा, जो इसे विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए रखे गए कवर में रखेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नैंस

स्रोत- द हिंदू

22.04.2019

1. **<u>एशियाई चाय गठबंधन का आयोजन चीन में हुआ</u>**

- प्रमुख पांच चाय उत्पादक एवं उपभोक्ता देशों के संगठन **एशियाई चाय गठबंधन (ATA)**का चीन के गुज़ोहु में आयोजनहुआ था।

संबंधित जानकारी:

एशियाई चाय गठबंधन (ATA)

- यह प्रमुख पांच चाय उत्पादक और उपभोक्ता देशों का एक संगठन है।
- इस संगठन के सदस्य इंडियन टी एसोसिएशन, चाइना टी मार्केटिंग एसोसिएशन, इंडोनेशिया टी मार्केटिंग एसोसिएशन, श्रीलंका टी बोर्ड और जापान टी एसोसिएशन हैं।
- ए.टीए. चाय व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, तकनीकी हस्तांतरण बढ़ाने के साथ ही साथ वैश्विक रूप से चाय को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य करने की योजना बनाता है।
- यह एशियाई चाय के भविष्य के लिए धारणीय एजेंडा बनाने के लिए वैश्विक चाय उपभोग को बढ़ाने की दिशा में भी काम करेगा।

विषय - सामान्य अध्ययन 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्त्रोत -इकोनॉमिक टाइम्स

2. **<u>नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों पर कर</u>**

- नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियां ने जी.एस.टी. के तहतनवीकरणीय ऊर्जाप्रमाणपत्रों के लिएछूट प्राप्त करने हेतुदिल्ली उच्च न्यायालय में अपील की है।

संबंधित जानकारी

नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (RECs)

- ये पर्यावरण वस्तु का एक प्रकार है जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से बिजली उत्पादन के लिए आर्थिक लाभ प्रदान करना है।
- किसी पात्र नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से एक मेगावाट घंटा बिजली के उत्पादन होने पर एक आर.ई.सी. बनतीहै।
- अधिक आर.ई. संभावना वाले राज्यों में, आर.ई. संभावना के दोहन के लिए स्थल एस.ई.आर.सी. द्वारा निर्धारित आर.पी.ओ. (नवीकरणीय खरीद भार) स्तर से अधिक हैं।
- इसलिए आर.ई. अभाव वाले राज्य अपनेआर.पी.ओ. को पूरा करने के लिए इन राज्यों से आर.ई.सी. खरीद सकते हैं।
- आर.ई.सी. प्रणाली पात्र इकाईयों (आर.ई. उत्पादकों) को DISCOM केस्थानीय टैरिफपर अपनी बिजली बेचने तथाबंधनकारी इकाईयों के लिएअपनी आर.ई.सी. (एक मेगावॉट घंटा ऊर्जा से जुड़ी पर्यावरणीय मान) की बिक्री हेतु सक्षम बनाती है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – पर्यावरण

स्त्रोत - डाइन टू अर्थ

3. **<u>नौसेना नेपरियोजना 15B के तहत निर्देशित मिसाइल विनाशक INS इंफाल को लांच किया</u>**

- भारतीय नौसेना ने मुंबई में **मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स**से **गाइडेड मिसाइल विनाशक आई.एन.एस. इंफाल** को लांच किया।
- इसका नामकरण 75 वर्ष पहले इम्फाल और कोहिमा के बीच लड़ाई पर किया गया है।
- परियोजना 15B के तहत प्रक्षेपित किया जाने वाला इम्फालतीसरा जहाज है जिसमें जहाजों का निर्माण दो बहुउद्देश्यीय हैलीकॉप्टर्स को रखने और उनका संचालन करने के लिए किया गया है।
- हल के विशेष आकार और रडार के लिए पारदर्शी डेक फिटिंग (उपकरणों) का प्रयोग करके उन्नत स्टील्थ गुणों को प्राप्त किया गया है जोकि जहाजों दुश्मन की नज़र से बचाते हैं।

संबंधित जानकारी

- 2011 में, सरकार ने 29,700 करोड़ रुपए की लागत से चार 15B जहाजों की मंज़ूरी दी थी।
- परियोजना का पहला जहाज, निर्देशित मिसाइल विनाशक "आई.एन.एस. विशाखापट्टनम" को 20 अप्रैल 2015 को लांच किया गया था।
- विशाखापट्टनम (2015) और मार्मागोवा युद्धक जहाज(2016) की आपूर्तिक्रमशःवर्ष 2021 में शुरु हो जाएगी और जोवर्ष 2024 तकचलेगी।

विषय -सामान्य अध्ययन - रक्षा

स्त्रोत -इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>भोपाल गैस त्रासदी 20वीं शताब्दी के विश्व के प्रमुखऔद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक है- संयुक्त राष्ट्र</u>**

- "The Safety and Health at the Heart of the Future of Work – Building on 100 years of experience" शीर्षक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र ने भोपाल गैस त्रासदी को वर्ष 1919 के बाद से विश्व की प्रमुख औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक स्वीकार किया है।
- यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र श्रम संगठन (ILO) द्वारा प्रकाशित की गई है।
- वर्ष 1984 में, भोपाल में यूनियन कार्बाइड पेस्टीसाइड प्लांट से कम से कम 30 टन मिथाइल आइसोसाइनाइट गैस का रिसाव हुआ था, जिससे 6 लाख से अधिक कर्मी और स्थानीय निवासी प्रभावित हुए थे।
- इस रिपोर्ट मेंसावधान किया गया है कि हर साल लगभग 2,78 मिलियन श्रमिक कार्य से जुड़ी दुर्घटनाओं और रोगों का शिकार होते हैं।

विषय -सामान्य अध्ययन 3 –आपदा प्रबंधन

स्त्रोत -डी.डी. न्यूज़

5. **<u>'बबल बॉय' विकार</u>**

- अमेरिकी शोधकर्ताओं ने एक जीन थेरेपी का विकास करने के लिए मानव प्रतिरक्षा विषाणु का प्रयोग किया है जिसने 8 नवजातों को बचाया है। इन नवजातों कासेंट.ज्यूड में यू.सी.एस.एफ.बेनिऑफ बाल अस्पताल, सेन फ्रांस्सिको में 'बबल बॉय'विकार नाम की एक विलक्षण युक्तप्रतिरक्षा रोग से इलाज किया गया है।

बबल बॉय विकार

- 'बबल बॉय' अथवा SCID (Severe combined immunodeficiency) जिसे एल्मिफोसाइटोसिस, ग्लैंजमान-रिनिकेर सिंड्रोम, जटिल मिश्रित प्रतिरक्षाअभाव सिंड्रोम और थाइमिक एल्मिफोप्लेसिया के नाम से भी जाता जाता है।
- यह एक दुर्लभ आनुवांशिकी विकार है जिसके कारण संक्रामक रोगों को अत्यधिक जोखिम की संभावना है।
- यह रोग 200,000 में से 1 नवजात को प्रभावित करती है, जिसमें अधिकांशतः पुरुष होते हैं, तथा उपचार के अभाव में, यह बच्चे को जन्म के 2 वर्ष के अंदर मार भी सकती है।

विषय -सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3–विज्ञान और तकनीक

स्त्रोत - साइंस डेली

6. **<u>भारतीय बुलफ्रॉगने अंडमान द्वीपसमूह में शुरुआती आक्रामक व्यवहार करते हैं</u>**
   - अंडमान द्वीपों में डाले गए भारतीय बुलफ्रॉग आक्रामक हैं और मछली और छिपकली सहित स्थानीय वन्यजीवों को खाते हैं।
   - एक अध्ययन मेंप्रयोगों से पता चला है कि विकास चरणों में भी, बड़े बुलफ्रॉग टैडपोल अन्य देशी मेंढक टैडपोल को खाते हैं।

संबंधित जानकारी

भारतीय बुलफ्रॉग (एशियाई बुलफ्रॉग)

- यह मुख्य भूमि म्यांमार, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल में पाए जाने वाले मेंढक के एक बड़े आकार प्रजाति है।
- इसे मेडागास्कर और भारत के अंडमान द्वीप समूह में लाया गया है जहां अब यह एक व्यापक आक्रामक प्रजाति है।
- वे मीठे पानी वाले आर्द्रभूमि और जलीय आवास पसंद करते हैं।
- आई.यू.एन.सी.स्थिति: कम से कम चिंता

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र3 - पर्यावरण और जैव विविधता

स्त्रोत -द हिंदु

7. **<u>सौर प्रकाशवोल्टीय बनाम सौर तापीय</u>**

- सोलर पीवी 'सूर्य की किरणों में फोटॉन द्वारा पैनलों में अर्धचालक सामग्री में इलेक्ट्रॉनों को निकाल देती है और उन्हें एक तार के माध्यम से संचारित करता है - इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह विद्युतहोती है। इसलिए, सौर पीवी सबसे अच्छा काम करता है जहां बहुत अधिक धूप होती है।
- इसके विपरीत,सौर तापीय प्रणाली, सूरज की गर्मी को अवशोषित करती है और इसका संचारण जरूरत वाले स्थानों में करती है- जैसे मसाले या मछली या गीले पेंट को सुखाने के लिए।
- फोटोवोल्टिक चादर में सूरज की तरफ रखेबोर्डको पैनल यामॉड्यूल कहा जाता है, जबकि सौर तापीय में वे सामग्री जो सूर्य में खुली छोड़ी जाती है, उसे संग्राहक कहते हैं और इसकी गणना वर्ग मीटर में की जाती है।
- सौर पीवी में, प्रकाश ऊर्जा के विद्युत ऊर्जा में रूपांतरण में कुछ नुकसान होता है, जबकि सौर तापीय में, कोई रूपांतरण नहीं होता है - यह सिर्फ गर्मी है जो सभी के माध्यम से होती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - ऊर्जा संसाधन

स्त्रोत- द हिंदू

8. **<u>हीलियम हाइड्राइड आयन (HeH+): ब्रह्मांड का पहला अणु</u>**

- वैज्ञानिकों ने हमारे ब्रह्मांड में सबसे प्राचीन अणु हीलियम हाइड्राइड आयन (HeH+) की खोज (अंतरिक्ष में) की है, जो बिग बैंग थ्योरी के बाद ब्रह्मांड के निर्माण संबंधी सिद्धांतों का समर्थन करता है।
- अणु149 मिमी की एक विशेष तरंग दैर्ध्य पर अपनी सबसे मजबूत वर्णक्रमीय रेखा का उत्सर्जन करेगा।
- नासा की उच्च-उड़ान वाली वेधशाला **स्ट्रेटोस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी फॉर इन्फ्रारेड एस्ट्रोनॉमी (SOFIA)** ने एक ग्रहीय नीहारिका की ओर इस अणु का पता लगाया।

सम्बंधित जानकारी

SOFIA

- स्ट्रेटोस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी फॉर इन्फ्रारेड एस्ट्रोनॉमी नासा और जर्मन एयरोस्पेस सेंटर का संयुक्त प्रॉजेक्ट है, जो एक वातानीत वेधशाला का निर्माण और रखरखाव करता है।
- यह समतापमंडल में उड़ने वाला एक विमान है, जिसमें टेलीस्कोप परावर्तक भी है।
- यह पृथ्वी के अवरक्त किरणों के अवरोधक वायुमंडल के ऊपर रखा गया है, जिससे खगोलविदों को सौर मंडल और उससे संबंधित गतिविधियों का अध्ययन करने की सुविधा मिलती है जो जमीन पर स्थित टेलीस्कोप से संभव नहीं हैं।
- वेधशाला की गतिशीलता शोधकर्ताओं को दुनिया में कहीं से भी पर्यवेक्षण की सुविधा प्रदान करती है और उन क्षणिक घटनाओं के अध्ययन में सक्षम बनाती है जो प्राय: महासागरों में होती हैं जहां कोई भी टेलीस्कोप नहीं है।

विषय- जी.एस. पेपर 3 - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>गंगा में जीवाणुरोधी घटकों की मात्रा अधिक है: एक अध्ययन</u>**

- गंगा के "अनोखे गुणों" की जांच करने के लिए केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय द्वारा, एक अध्ययन 'गंगा नदी के विशेष गुणों को समझने हेतु जल की गुणवत्ता और तलछट का आकलन' किया गया था।
- यह अध्ययन वर्ष 2016 में प्रारंभ हुआ था और नागपुर स्थित CSIR की एक प्रयोगशाला राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग एवं अनुसंधान संस्थान (NEERI) द्वारा आयोजित किया गया था।
- NEERI टीम को 20 नमूना स्टेशनों में भागीरथी (गंगा की एक संभरक नदी) और गंगा में "रेडियोलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल और जैविक" मापदंडों के लिए पानी की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने का कार्य सौंपा गया था।
- मूल्यांकन के भाग के रूप में, बैक्टीरिया की पांच रोगजनक प्रजातियों (एस्चेरिचिया, एंटरोबैक्टर, साल्मोनेला, शिगेला, वाइब्रियो) को गंगा, यमुना और नर्मदा से चुनकर अलग किया गया और नदी के जल में मौजूद जीवाणुभोजी से उनकी संख्या की तुलना की गई।
- क्योंकि जीवाणुभोजी एक प्रकार के विषाणु हैं जो बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं, ये प्राय: एक दूसरे के संपर्क में आने पर मिलते हैं।
- अध्ययन से पता चलता है कि अन्य नदियों की तुलना में गंगा में उनकी संख्या अधिक है।
- गंगा का जीवन अद्वितीय माइक्रोबियल हो सकता है, जो इसे प्यूट्रिफिकेशन के लिए अपेक्षाकृत अधिक लचीला बना सकता है, यह सुझाव लगभग 200 वर्ष पहले ब्रिटिश औपनिवेशिक वैज्ञानिकों द्वारा दिया गया था।

विषय- जी.एस पेपर 3 - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>दवाईयों के लेबल क्षेत्रीय भाषा में भी होंगे</u>**

- नकली, गैर-मानकीय और एक्सपायर्ड दवाओं की समस्या का सामना करने के लिए, औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड ने निविदा प्रक्रिया में हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग करने की सिफारिश की है।
- DTAB ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1945 के नियम 96में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा, जिसमें कहा गया है कि सरकारी कार्यक्रमों के तहत बच्चों को वितरित की जाने वाली आयरन की गोलियों और पोलियो की दवा का नाम और एक्सपायरी डेट हिंदी में लिखी जाएगी।
- बोर्ड ने तब दवाओं की लेबलिंग आवश्यकताओं को सुव्यवस्थित करने और सिफारिश प्रदान करने के लिए डॉ. आर.एन. टंडन की अध्यक्षता में एक उप-समिति का गठन किया ताकि उपभोक्ता को अपेक्षित जानकारी प्रदान की जा सके।

संबंधित जानकारी

औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड

- यह भारत में दवाओं से संबंधित तकनीकी मामलों पर सर्वोच्च वैधानिक निर्णय लेने वाला निकाय है।

- इसका गठन औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों के तहत किया गया था।
- यह केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) का एक भाग है जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन है।

विषय- जी.एस. पेपर 2 - शासन

स्रोत- द हिंदू

11. **पहली बार पूर्वी एशियाई पक्षी अंडमान में ठहरे**

- अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में प्रवास के दौरान दक्षिण पूर्व एशियाई मूल के अन्य पक्षियों की नई प्रजातियां का ठहराव दर्ज किया गया है।
- शोधकर्ताओं के बीच इस तथ्य ने कौतूहल उत्पन्न किया है कि वर्ष 2004 की सुनामी के बाद यहां कई नई प्रजातियां दिखाई दी हैं।

संबंधित जानकारी

फ्लाईवे क्या है?

- फ्लाईवे एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसके अंदर एक या प्रवासी प्रजातियों का एक समूह अपना वार्षिक चक्र - प्रजनन, निर्मोचन (पंखों का झड़ना), स्टेजिंग और निष्प्रजनन पूरा करता है।
- पूरे विश्व में 9 फ्लाईवे हैं।
- EAAF (पूर्वी एशियाई ऑस्ट्रेलियाई फ्लाईवे) आर्कटिक रूस और उत्तरी अमेरिका से दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई सीमाओं तक फैला हुआ है और इसमें अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सहित अधिकांश पूर्वी एशियाई क्षेत्र शामिल हैं।
- मध्य एशियाई फ्लाईवे साइबेरिया में सुदूर उत्तरी प्रजनन मैदानों से लेकर पश्चिम और दक्षिण एशिया में मालदीव और ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र के निष्प्रजनन मैदान आते हैं।

सरकार की पहल

- हाल ही में केंद्र सरकार ने प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत प्रवासी पक्षियों के आवासों के संरक्षण हेतु 5 वर्षीय राष्ट्रीय कार्य योजना बनाई है।
- कार्य योजना केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा लाई गई है जिसकी अवधि 2018-2023 तक है।

विषय- जी.एस. पेपर 3 - पर्यावरण और जैव विविधता

स्रोत- द हिंदू

23.04.2019

1. **आपदाओं का सामना 2019 रिपोर्ट - SEEDS**

- धारणीय पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विकास सोसाइटी (SEEDS) द्वारा आपदाओं का सामना 2019 रिपोर्ट जारी की गई है।
- यह आपदा जोखिमों के बदलते रूपों तथा संसाधन प्रबंधन अभ्यास को केन्द्र में रखकर उन पर एक व्यापक दृष्टिकोण से गौर करने की जरूरत पर प्रकाश डालती है।
- रिपोर्ट में आठ प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है जिन्हें भविष्य की प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए अवश्य विचार किया जाना चाहिए:

  जल की प्रकृति में परिवर्तन, तटीय क्षरण, 'तीसरे ध्रुव 'का पिघलना - हिमालय आदि।

संबंधित जानकारी

SEEDS

- गैर-लाभकारी स्वैच्छिक संगठन, SEEDS युवा पेशेवरों का विकास से जुड़े क्षेत्रों से किया गया एक सामूहिक प्रयास है।
- यह सामुदायिक विकास, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण योजना, परिवहन योजना और शहरी और क्षेत्रीय योजना में शोध गतिविधियों में शामिल है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 - महत्वपूर्ण संगठन

स्त्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

2. **अमेरिका ने ईरान तेल पर भारत के लिए छूट समाप्त कर दी है**

- अमेरिका ने घोषणा की है कि वह ईरानी तेल के मौजूदा आयातकों के लिए कोई अतिरिक्त महत्वपूर्ण कटौती अपवाद [SREs] जारी नहीं करेंगा।
- भारत और सात अन्य देशों के लिए 180-दिन की अवधि के लिए नवंबर 2018 को छूट दी गई थी जोकि 2 मई को समाप्त होने जा रही है।
- भारत, चीन और अमेरिका के सहयोगी देश जापान, दक्षिण कोरिया और तुर्की इस प्रस्ताव के नवीनीकरण नहीं होने से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

- वर्तमान अन्य तीन छूट प्राप्त देश - इटली, ग्रीस और ताइवान ने पहले ही अपने आयात को शून्य कर दिया है।

संबंधित जानकारी

ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंध क्या है?

- यह ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संदर्भ में उसके विरुद्ध आर्थिक, व्यापारिक, वैज्ञानिक और सैन्य प्रतिबंधों को दर्शाता है।
- ये प्रतिबंध अमेरिकी विदेशी परिसंपत्ति नियंत्रण कार्यालय अथवा अमेरिकी दबाव में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) द्वारा लागू किए गए हैं।
- प्रतिबंधों में अमेरिका द्वारा ईरान से समझौते पर आधिकारिक प्रतिबंध, विमान बेचने पर प्रतिबंध और ईरानी विमानन कंपनियों, व्यापारिक तेल आदि के कलपुर्जों की मरम्मत आदि पर प्रतिबंध शामिल है।

ईरान परमाणु समझौता क्या है?

- इसे औपचारिक रूप से **संयुक्त व्यापक कार्य योजना (JCPOA)** के रूप में जाना जाता है, 2015 में इस परमाणु समझौते की घोषणा की गई थी।
- ईरान और P5 + 1 समूह (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी) के बीच यह समझौता हुआ था।
- यह सौदा ईरान पर अधिकांश आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के लिए, उसके परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाता है।

अमेरिकी प्रतिबंध का कारण?

- अमेरिका का कहना है कि यह सौदा ईरान के परमाणु मिसाइल कार्यक्रम के खतरे को हल करने में विफल है।
- इस सौदे में मजबूत निरीक्षण और सत्यापन तंत्र शामिल नहीं हैं।
- क्षेत्र में हौथी विद्रोहियों (यमन में) और हिज़बुल्लाह लड़ाकों (लेबनान में) के समर्थन के ईरान को अस्थिर करने का प्रयास करना।

नए प्रतिबंधों से भारत पर क्या प्रभाव पड़ रहे हैं?

तेल की कीमतों पर प्रभाव

- वर्तमान में, ईरान भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है।
- ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद तेल की कीमतें बढ़ गईं हैं।
- रुपये की कीमत में गिरावट के कारण भारत में तेल की कीमतों में वृद्धि मुद्रास्फीति के स्तर में वृद्धि होगी।

चाबहार बंदरगाह

- अमेरिका से किसी भी गतिरोध को कम करने के लिए, भारत को चाबहार बंदरगाह में अपने निवेश को कम करना पड़ा।
- यह ईरान के माध्यम से अफगानिस्तान और मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक पहुंच को प्रभावित करेगा।
- प्रतिबंधों के कारण व्यापार में गिरावट के साथ, ईरान चाबहार बंदरगाह में रुचि खो देगा और इसके बजाय क्षेत्रीय संपर्क के लिए भारत की महत्वाकांक्षी योजनाओं को प्रभावित करते हुए, बंदर अब्बास के अपने मुख्य बंदरगाह पर ध्यान केंद्रित करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC)

- यह 2002 में हस्ताक्षरित किया गया था जो भारत, रूस, ईरान, यूरोप और मध्य एशिया को जोड़ने वाला एक बहु-मोड परिवहन और पारगमन नेटवर्क है।
- 2015 में हस्ताक्षरित परमाणु समझौते के बाद, INSTC की योजनाओं ने गति प्राप्त की थी।
- नए प्रतिबंधों के साथ, मार्ग या INSTC योजना से शामिल बैंकिंग और बीमा फर्मों पर संयुक्त राज्य के प्रतिबंधों से प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

भारत पश्चिम-एशिया संबंध

- भारत के ईरान, इजरायल और सऊदी अरब के साथ राजनयिक संबंध हैं। इसलिए, पश्चिम-एशिया के बीच तनाव इन देशों के साथ भारत के रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करेगा।
- साथ ही, पश्चिम-एशिया में संघर्ष का भारत में अप्रत्यक्ष प्रभाव होगा जैसे मध्य पूर्व से प्रवासी, प्रेषण आदि।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 - अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्त्रोत- द हिंदू

3. **आई.एम.ए. ने ब्रिज कोर्स के प्रस्ताव पर आंदोलन करने की धमकी दी**

- एलोपैथिक चिकित्सकों ने नीति आयोग के बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी और एम.बी.बी.एस. के बीच एक ब्रिज कोर्स लाने के प्रस्ताव पर आंदोलन करने की धमकी दी है, यह ब्रिज कोर्स दंत चिकित्सकों को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ फैमिली मेडिसिन की प्रैक्टिस करने की अनुमति देता है।

संबंधित जानकारी

- NITI Aayog ने पहले नेशनल मेडिकल कमिशन बिल में आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) डॉक्टरों के लिए एक ब्रिज कोर्स का प्रस्ताव दिया था, जिसका उद्देश्य भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम को बदलना था।
- पाठ्यक्रम के सफल समापन से दंत चिकित्सकों को फैमिली मेडिसिन की प्रैक्टिस करने की अनुमति मिलेगी।
- यह कदम इस तथ्य पर आधारित है कि देश में दंत चिकित्सा पाठ्यक्रम पहले तीन वर्षों के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रमों के समान प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हैं।
- यह प्रस्ताव प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को पूरा करने के लिए देश में दंत चिकित्सकों को सशक्त बनाना चाहता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 - शासन

स्त्रोत- द हिंदू

4. **ग्लोबल डील फॉर नेचर (GDN)**

- संरक्षण वैज्ञानिक, पर्यावरण गैर सरकारी संगठन एवं स्थानीय समूह सरकारों से 2015 में लगभग 200 देशों द्वारा अनुमोदित पेरिस जलवायु समझौते के साथ-साथ जी.डी.एन. को एक साथी प्रतिबद्धता के रूप में अपनाने के लिए आग्रह कर रहे हैं।
- ग्लोबल डील फॉर नेचर 2030 तक संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन के तहत ग्रह के 30 प्रतिशत भाग को पूरी तरह से संरक्षित करने का लक्ष्य रखता है।
- "ग्लोबल डील फॉर नेचर पृथ्वी पर जीवन की विविधता और प्रचुरता को बचाने के लिए एक समयबद्ध, विज्ञान आधारित योजना है।

GDN के तीन बड़े लक्ष्य हैं:

1. 2030 तक पृथ्वी की सतह के कम से कम 30% का संरक्षण करके जैव विविधता की रक्षा करना।
2. पृथ्वी के प्राकृतिक कार्बन भंडार को संरक्षित करके जलवायु परिवर्तन को कम करना।
3. प्रमुख खतरों को घटाना।

संबंधित जानकारी

जैविक विविधता पर सम्मेलन (सीबीडी)

- यह एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है, जो 5 जून 1992 को रियो डी जनेरियो में पृथ्वी शिखर सम्मेलन के परिणामस्वरूप सम्पन्न हुई और 29 दिसंबर 1993 को लागू की गई थी।
- इसे आमतौर पर "जैव विविधता सम्मेलन" के रूप में जाना जाता है।
- भारत सीबीडी का हस्ताक्षरकर्ता है।
- भारत ने 2002 में CBD के प्रावधानों को प्रभावी करने के लिए जैव विविधता अधिनियम बनाया था।
- CBD का शासी निकाय कांफ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी) है।
- CBD के दो प्रोटोकॉल हैं:

  (a) जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल: इसे 2000 में अपनाया गया था और कानूनी तौर पर CBD के हिस्से के रूप में बाध्यकारी प्रोटोकॉल था।

  (b) नगोया प्रोटोकॉल (जैव विविधता समझौता): इसे 2010 में अपनाया गया और यह कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रोटोकॉल था। यह 20 लक्ष्यों के साथ एक रणनीतिक योजना के साथ समाप्त होता है जिसे "अची लक्ष्य" कहा गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 – पर्यावरण

स्त्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर माउंट अगुंग ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है</u>**

संबंधित जानकारी

इंडोनेशिया में अन्य सक्रिय ज्वालामुखी

- **माउंट ब्रोमो** एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जो कि इंडोनेशिया के पूर्वी जावा में, टेंगर मासिफ का एक हिस्सा है।
- **माउंट मेरापी** मध्य जावा और योग्याकार्टा प्रांत, इंडोनेशिया के बीच की सीमा पर स्थित है और सक्रिय स्थिति में है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1 - लैंडस्केप

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

6. **<u>पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (Traditional Knowledge Digital Library, TKDL)</u>**

- पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL) के विकास के लिए आयुष मंत्रालय और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।
- TKDL जैव-चोरी और पारंपरिक ज्ञान के दुरुपयोग को रोकने के लिए चिकित्सा की भारतीय पद्धतियों पर एक वैश्विक मान्यता प्राप्त स्वामित्व डेटाबेस है।
- इस लाइब्रेरी का उद्देश्य देश के प्राचीन और पारंपरिक ज्ञान को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रलेखित करके उसकी रक्षा करना तथा अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली के अनुसार उसका वर्गीकरण करना है।
- इसके अलावा, गैर-पेटेंट डेटाबेस पारंपरिक ज्ञान के आधार पर आधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने का कार्य करता है, क्योंकि यह उपचार अथवा प्रैक्टिस के इस विशाल ज्ञान तक पहुंच को सरल करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2 - शासन

स्रोत-PIB

7. **<u>एजेंट ऑरेंज: अमेरिका विषैले वियतनामी युद्ध एयर बेस को साफ करेगा</u>**

- अमेरिका ने वियतनाम युद्ध में **विषैले रसायन एजेंट ऑरेंज** को रखने के लिए प्रयोग किए गए पूर्व एयर बेस को साफ करने के लिए $ 183 मिलियन का स्वच्छता अभियान शुरु किया है।

संबंधित जानकारी

एजेंट ऑरेंज

- यह 1960 के दशक में वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सैन्य बलों (ऑपरेशन रेंच हैंड) द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक शक्तिशाली शाकनाशक था।
- अमेरिकी सेनाओं ने वृक्ष की आड़ और भोजन से वंचित करके वियतनामी कांग कम्युनिस्ट गुरिल्लाओं को बाहर निकालने के लिए 1962 से 1971 के बीच एजेंट ऑरेंज का छिड़काव किया था।
- एजेंट ऑरेंज में सक्रिय तत्व 2,4-डाइक्लोरोफेनॉक्सीएसेटिक अम्ल (2,4-D) और 2,4,5-ट्राइक्लोरोफेनॉक्सीएसेटिक अम्ल (2,4,5-T) का एक संयोजन हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - पर्यावरण

स्त्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>ओलिव रिडले कछुआ</u>**

- ओडिशा तट से दूर मनोहारी कलाम द्वीप लाखों ओलिव रिडले कछुओं के अंडों से बाहर निकलकर बंगाल की खाड़ी की तरफ बढ़ने के कारण जीवंत हो उठा है।

संबंधित जानकारी

ओलिव रिडले कछुआ

- ओलिव रिडले समुद्री कछुओं को प्रशांत रिडले समुद्री कछुओं के रूप में भी जाना जाता है जो दुनिया में पाए जाने वाले सभी समुद्री कछुओं में दूसरी सबसे छोटी और सबसे प्रचुरता में पायी जाने वाली प्रजाति है।
- समुद्री कछुए की यह प्रजाति गर्म और उष्णकटिबंधीय समुद्र, मुख्य रूप से प्रशांत और हिन्द महासागर में पाई जाती है, ।
- वे अटलांटिक महासागर के गर्म पानी में भी पाए जा सकते हैं।
- यह IUCN की रेड लिस्ट में संकटग्रस्त हैं।

भारत में घोंसलो के स्थल:

- गहिरमाथा तट (ओडिशा)

- अस्त्रंगा तट (ओडिशा)
- कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य का होप द्वीप (आंध्र प्रदेश)
- रुशिकुल्य नदी का समुद्र तट (ओडिशा)
- देवी नदी का मुहाना (ओडिशा)

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - पर्यावरण और जैव विविधता

स्त्रोत- द हिंदू

9. **श्रीलंका में आपातकाल का क्या मतलब है?**

- 1947 के सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश (PSO) के तहत, राष्ट्रपति श्रीलंका के सभी या कुछ हिस्सों के लिए आपातकाल की घोषणा कर सकता है, यदि "उसका मत है कि सार्वजनिक सुरक्षा और सरकारी शासन को बनाए रखने अथवा समुदाय के जीवन के लिए अनिवार्य आपूर्तियों एवं सेवाओं को निरंतर बनाए रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक है। "
- केवल राष्ट्रपति ही आपातकाल की घोषणा कर सकता है, और उसका निर्णय न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं है।
- हालांकि, उसे अपने फैसले से अवगत कराने के लिए तुरंत संसद को बुलाना चाहिए। संसद को 14 दिनों के भीतर उद्घोषणा की मंजूरी देनी चाहिए, इसमें विफल होने से उद्घोषणा एक महीने के अंत में समाप्त हो जाएगी।
- हालांकि, संसद एक आपातकालीन नियमन को रद्द अथवा उनमें संशोधन कर सकती है, तथा अदालतें संविधान का उल्लंघन करने वाले एक विशिष्ट आपातकालीन विनियमन को रद्द कर सकती हैं।
- आपातकालीन नियम मौजूदा कानूनों को प्रभावित करते हैं।

ख़बरों में क्यों है:

- श्रीलंका के राष्ट्रपति ने चर्चों तथा होटलों में विस्फोट के बाद देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है।

विषय- सामान्य अध्ययन-2- भारतीय राजनीति

स्त्रोत- CNN

24.04.2019

1. **AJIT: भारत का पहला निम्न तटीय स्वदेश निर्मित माइक्रोप्रोसेसर है**

- आई.आई.टी. बॉम्बे ने देश का पहला स्वदेश निर्मित SPARC ISA आर्किटेक्चर आधारित माइक्रोप्रोसेसर बनाया है जिसका नाम AJIT रखा है।
- यह परियोजना भारत की "मेड इन इंडिया" पहल का प्रयास है, जिसका उद्देश्य देश के अंदर अपने उत्पादों के निर्माण के लिए बहुराष्ट्रीय और साथ ही घरेलू कंपनियों को प्रोत्साहित करके भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना है।
- AJIT का उपयोग भारत के उपग्रहों जैसे NAVIC या IRNSS (भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) में किया जाएगा।
- SAMEER (सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च), MeitY के तहत एक स्वतंत्र प्रयोगशाला भी विभिन्न उपग्रह रिसीवरों में AJIT का उपयोग करने की योजना बना रही है।
- इस अत्यंत सस्ते उपकरण की लागत दो अमेरिकी डॉलर (₹100 ठीक है) से भी कम है।

संबंधित जानकारी

- भारत ने हाल ही में शक्ति के रूप में अपना पहला स्वदेशी विकसित ओपन-सोर्स प्रोसेसर बनाया था।
- यह RISC-V आर्किटेक्चर पर आधारित था, और यह सेमीकंडक्टर उपकरण डिजाइन कंपनी ब्लूस्पेक्स के सहयोग से विकसित किया गया था।
- दोनों के बीच अन्य मुख्य अंतर यह है कि शक्ति छोटा है और स्मार्टफोन और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स उपकरणों के लिए बनाया गया है।
- वहीं AJIT का लक्ष्य रोबोट, स्वचालन प्रणालियों, गृह-उपकरणों जैसे बड़े सिस्टम है, और भविष्य में सर्वर और वर्कस्टेशन भी हो सकते हैं।

विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्त्रोत- साइंस डेली

2. **<u>ईरान और पाकिस्तान संयुक्त त्वरित प्रतिक्रिया बल स्थापित करेगा</u>**

- ईरान और पाकिस्तान बलूचिस्तान के हमलों के बाद एक संयुक्त सीमा "प्रतिक्रिया बल" स्थापित करने के लिए सहमत हुए हैं।

संबंधित जानकारी

सीमा प्रतिक्रिया बल

- सीमा त्वरित प्रतिक्रिया बल आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए स्थापित किया जाएगा क्योंकि सीमा के दोनों ओर के हमलों पर तनाव बढ़ गया है जिससे भारी हताहत हो रहे हैं।
- यह उग्रवादी समूहों द्वारा उनकी सीमा पर घातक हमलों की बढ़ती संख्या का मुकाबला करने में मदद करेगा।
- ईरान-पाकिस्तान सीमा सिस्तान-बलूचिस्तान के अस्थिर दक्षिणपूर्वी ईरानी प्रांत पर नियंत्रण स्थापित किया है जिसने ईरानी सुरक्षा बलों पर अक्सर हमलों का सामना किया है।

बलूचिस्तान प्रांत

- यह पाकिस्तान के चार प्रांतों में से एक है।
- यह क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा प्रांत हैं, और देश का दक्षिणी-पश्चिमी भाग भी है।
- इसकी प्रांतीय राजधानी और सबसे बड़ा शहर क्वेटा है।
- बलूचिस्तान की सीमाएं उत्तर-पूर्व में पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा, पूर्व और दक्षिण-पूर्व में सिंध, दक्षिण में अरब सागर, पश्चिम में ईरान और उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम में अफ़गानिस्तान के साथ लगती हैं।
- इस प्रांत में मुख्य जातीय समूह बलूच और पश्तून लोग हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - रक्षा

स्त्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (IEPF) प्राधिकरण</u>**

- IEPF प्राधिकरण ने पीयरलेस से जमाकर्ताओं के धन के 1,514 करोड़ रुपये वसूल किए।

संबंधित जानकारी

निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण

- आई.ई.पी.एफ. प्राधिकरण की स्थापना भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत की गई है।
- यह निवेशक अधिनियम, जागरूकता और संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष का प्रबंधन करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 के तहत एक सांविधिक निकाय है।
- प्राधिकरण निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों और विभिन्न अन्य माध्यमों जैसे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, और सामुदायिक शिक्षा आदि के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न पहलें करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2- महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत-PIB

4. **<u>गरिया पूजा ने त्रिपुरा में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों को एकजुट किया</u>**

- गरिया पूजा त्रिपुरा के त्रिपुरी आदिवासी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है।
- गरिया नृत्य त्रिपुरियों और रींगस के बीच बहुत लोकप्रिय है।
- गरिया पूजा में भक्त धार्मिक अनुष्ठान के लिए मुर्गे की बली देते हैं।
- यह देवताओं की पूजा के साथ-साथ घरों की सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों का प्रतीक है, ये नृत्य शिकार, मछली पकड़ने, भोजन-एकत्रीकरण और विभिन्न अन्य गतिविधियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1 - कला और संस्कृति

स्त्रोत- द हिंदू

5. **<u>मॉसक्विरिक्स: पहला मलेरिया टीका</u>**

- अफ्रीकी देश मलावी अफ्रीका और एशिया में हर साल हजारों लोगों के काल का त्रास बनने वाले मलेरिया बुखार को रोकने की दिशा में विश्व की सबसे उन्नत प्रायोगिक मलेरिया टीका के लिए व्यापक स्तर पर पायलट परीक्षण करेगा।
- यह **मॉसक्विरिक्स** नामक व्यापार के तहत है, जिसे ब्रिटिश फार्मास्युटिकल्स ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन द्वारा PATH मलेरिया वैक्सीन पहल के साथ साझे में विकसित किया गया है।

संबंधित जानकारी

मलेरिया से लड़ने के लिए भारत का कदम

- विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2018 के अनुसार, वैश्विक मलेरिया भार का 70% साझा करने वाले 11 देशों में, केवल भारत ही 2016 से 2017 के बीच 24% कमी लाने में सफल रहा है।
- भारत ने मलेरिया समाप्त करने के लिए 2030 को लक्ष्य वर्ष निर्धारित किया है।
- वर्तमान में वैश्विक मलेरिया मामलों में 4% और अफ्रीकी क्षेत्र के बाहर मलेरिया से होने वाली 52% मौतों का कारण है।
- 2017 में, भारत ने मलेरिया उन्मूलन के लिए अपनी पांच वर्षीय राष्ट्रीय रणनीतिक योजना शुरू की। यह योजना भारत की उस बीमारी के खिलाफ लड़ाई है जो मलेरिया पर नियंत्रण से हटाकर "उन्मूलन" की ओर ले जाती है।
- यह योजना 2022 तक भारत के 678 में से 571 जिलों में मलेरिया समाप्त करने का मार्गदर्शन देती है।

विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>VEM: एक अग्निशामक यंत्र जिसे अंतरिक्ष में प्रयोग किया जा सकता है</u>**

- जापान के तोयोशाही विश्वविद्यालय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने आग बुझाने की एक नई अवधारणा विकसित की है जिसे वैक्यूम एक्सटिंग्विश मैथेड (VEM) कहा जाता है।

संबंधित जानकारी

वैक्यूम बुझाने की विधि

- यह पारंपरिक आग बुझाने की प्रक्रिया के 'रिवर्स' ऑपरेशन पर आधारित है।
- आग पर अग्निशामक तत्वों का छिड़काव करने के स्थान पर, VEM आग की लपटों और जलती हुई सामग्रियों को एक निर्वात कक्ष में अवशोषित करता है, जहाँ उन्हें सुरक्षित रूप से बुझाया जा सकता है।
- यह विशेष बंद परिवेशों जैसे अंतरिक्ष वाहनों और पनडुब्बियों के लिए अत्यंत उपयोगी है जिससे दहन के कारण केबिन में हानिकारक दहन उत्पादों जैसे कि धूआं, कण मामलों और विषाक्त गैस घटकों को फैलाने से रोका जा सके।
- वर्तमान में अमेरिका, जापान, यूरोप और रूस में अंतरिक्ष यान या स्टेशनों में उपयोग किए जाने वाले अग्निशामक मुख्य रूप से CO_2-छिड़काव गैस है जिसमें कई खामियां हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3 - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्त्रोत- साइंस डेली

7. **<u>नए संश्लेषित पेप्टाइड अल्जाइमर के इलाज में मदद कर सकते हैं</u>**

- वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. के शोधकर्ताओं ने संश्लेषित पेप्टाइड विकसित किए हैं जो विषाक्त प्रोटीन कणों को खत्म और कम कर सकते हैं, जिसे अल्जाइमर रोग का कारण माना जाता है।

संबंधित जानकारी

अल्ज़ाइमर रोग

- यह एक लंबी स्नायूनाशक रोग है।
- यह एक प्रकार का डिमैंशिया है जो स्मृति, सोच और व्यवहार के साथ समस्याओं का कारण बनता है।
- यह विषाक्त प्रोटीन के जमा होने के कारण होता है।
- मानव मस्तिष्क में न्यूरॉन्स एक प्रोटीन बनाते हैं जिसे अमाइलॉइड बीटा कहा जाता है।
- ऐसे प्रोटीनों को अमाइलॉइड बीटा का एकलक कहा जाता है जो न्यूरॉन्स के लिए महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।
- हालांकि, अल्जाइमर रोग वाले रोगियों के मस्तिष्क में, अमाइलॉइड बीटा एकलक अपना कार्य छोड़ देते हैं और आपस में जुड़ जाते हैं।
- पहले वैज्ञानिकों का मानना था कि सजीले टुकड़े मानसिक नुकसान की ओर ले जाते हैं, जो अल्जाइमर रोग का लक्षण है।
- हालांकि, नए अध्ययनों से पता चला है कि अमाइलॉइड बीटा के छोटे झुंड इस बीमारी के विषाक्त तत्व हैं।

विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 3-विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्त्रोत- साइंस डेली

25.04.2019

1. **SAECKs- यौन उत्पीड़न मामलों की जांच करने हेतु विशेष किट**

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यौन उत्पीड़न के मामलों की तत्काल जांच करने हेतु अन्य साक्ष्यों के अतिरिक्त रक्त और सीमेन के नमूनों को एकत्र करने हेतु 3,100 से अधिक विशेष किट SAECK वितरित की हैं।
- विशेषत: त्वरित रूप से चिकित्सा-विधिक जांच करने हेतु यौन उत्पीड़न साक्ष्य संग्रह किट अथवा "बलात्कार जांच किट" डिजाइन की गई है।
- यह यौन उत्पीड़न और बलात्कार के मामलों में साक्ष्य प्रस्तुत करने में भी सहायता करती है।
- इन किटों से यौन उत्पीड़न मामलों में बेहतर अभियोजन और प्रतिबद्धता के लिए समयबद्ध तरीके से प्रभावी जांच सुनिश्चित करने में कानून प्रवर्तन संस्थाओं की मदद करने की भी उम्मीद है।
- इन्हें केंद्र सरकार के निर्भया कोष के अंतर्गत वित्तीय समर्थन से खरीदा जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- महिला सशक्तीकरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **आर.बी.आई., नाबार्ड और एन.एच.बी. में अपनी पूरी हिस्सेदारी को वापस ले रहा है।**

- रिज़र्व बैंक, राष्ट्रीय आवास बैंक (एन.एच.बी.) और राष्ट्रीय ग्रामीण एवं कृषि विकास बैंक (नाबार्ड) में सरकार को दी गई अपनी पूरी हिस्सेदारी वापस ले रहा है, जिससे कि इन संगठनों को 100% सरकारी-स्वामित्व का बनाया जा सके।
- यह दूसरी नरसिम्हम समिति की सिफारिशों पर आधारित है जिसमें आर.बी.आई. ने अक्टूबर, 2001 में एस.बी.आई., एन.एच.बी. और नाबार्ड में अपनी हिस्सेदारी को सरकार को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव दिया था।

संबंधित जानकारी

नाबार्ड

- इसकी स्थापना 12 जुलाई, 1982 को बी.शिवरमन समिति की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास अधिनियम 1981 को लागू करने के लिए की गई थी।
- इसने भारतीय रिज़र्व बैंक के कृषि ऋण विभाग (ए.सी.डी.) और ग्रामीण योजना एवं ऋण इकाई (आर.पी.सी.सी.) को प्रतिस्थापित किया था।
- यह ग्रामीण क्षेत्रों में विकासात्मक ऋण प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं में से एक है।
- नाबार्ड, भारत में कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु भारत का विशेष बैंक है।

एन.एच.बी.

- यह एक अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान है जिसकी स्थापना वर्ष 1988 में राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 के अंतर्गत की गई थी।
- यह आवास वित्त संस्थानों को बढ़ावा देने हेतु एक प्रमुख संस्था के रूप में काम करने हेतु स्थापित एक शीर्ष संस्था है।
- एन.एच.बी. में आर.बी.आई. की 100% हिस्सेदारी थी।

आर.बी.आई. सहायक कंपनियां

- भारतीय जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (डी.आई.सी.जी.सी.)
- भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बी.आर.बी.एन.एम.पी.एल.)
- रिजर्व बैंक सूचना प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड (आरई.बी.आई.टी.)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू + ए.आई.आर.

3. **अरब संघ ने फिलिस्तीनी प्राधिकरण को $ 100 मिलियन गिरवी दिए हैं**

अरब संघ

अरब संघ

- अरब संघ, अफ्रीका और अरब का भौंपू, उत्तरी अफ्रीका में और उसके आस-पास अरब देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है।
- इसमें फिलिस्तीन सहित 22 सदस्य हैं, जिसे संघ एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मानता है।
- लेकिन सीरियाई गृह युद्ध के दौरान सरकार के दमन के परिणामस्वरूप नवंबर, 2011 में सीरिया (जो संस्थापक सदस्य था) की भागीदारी को समाप्त कर दिया गया था।

हॉर्न ऑफ अफ्रीका

- हॉर्न ऑफ अफ्रीका जिबूती, इरिट्रिया, इथियोपिया और सोमालिया के देशों वाले क्षेत्र को दर्शाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- अल जजीरा

4. **<u>मैजिक मिल्क: इकिडना से एक साक्ष्य के साथ संक्रमण का सामना कर रहा है</u>**

- वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद- कोशिकीय एवं आणुविक जीवविज्ञान केंद्र (सी.एस.आई.आर.-सी.सी.एम.बी.) के वैज्ञानिकों ने इकिडना नामक अंडे देने वाले स्तनपायी के दूध में पाए जाने वाले एंटी-माइक्रोबिअल प्रोटीन को पृथक किया है।
- यह प्रोटीन पशुधन पर इस्तेमाल होने वाली एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प के रूप में कार्य करने का वादा करता है।
- इकिडना के दूध में एक प्रोटीन होता है जो कई जीवाणु प्रजातियों की कोशिका झिल्ली को पंचर कर सकता है, इस प्रकार यह संक्रमण के स्रोत को नष्ट कर सकता है।

संबंधित जानकारी

इकिडना

- इकिडना, को नुकीले चींटीखोर के नाम से भी जाना जाता है, यह केवल ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी में पाया जाने वाला अंडे देने वाला एक अद्वितीय स्तनधारी हैं।
- वे अंडे देने वाले स्तनधारी हैं।
- इसे आई.यूसी.एन. में 'कम चिंतनीय' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>मंगल ग्रह के लिए सीमित यू.ए.ई. की होप जांच परियोजना 85% तक पूर्ण हो चुकी है।</u>**

- यू.ए.ई. अंतरिक्ष संस्था और मोहम्मद बिन राशिद अंतरिक्ष केंद्र (एम.बी.आर.एस.सी.) ने घोषणा की है कि होप जांच परियोजना का 85% हिस्सा पूरा हो चुका है।
- होप जांच, मंगल पर मिशन भेजने के लिए यू.ए.ई. की एक महत्वाकांक्षी ड्रीम परियोजना है।
- होप जांच को जुलाई, 2020 में शुरू किया जाना निर्धारित है।
- सफल प्रक्षेपण के साथ यू.ए.ई. को उम्मीद है कि वह मंगल मिशन के स्वप्न को वास्तविकता में बदलने वाला पहला अरबी और इस्लामिक देश बन जाएगा।
- इसके मई, 2021 तक मंगल गृह पर पहुँचने की उम्मीद है जो यू.ए.ई. की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है।
- होप जांच को मंगल अन्वेषण कार्यक्रम विश्लेषण समूह (एम.ई.पी.ए.जी.) के अनुसार विकसित किया गया है, जो एक वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय है जो मंगल के अन्वेषण पर काम कर रहा है और सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समन्वित है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डी.डी. न्यूज

6. **<u>शिगेल्लोसिस टीका</u>**

- भारत ने शिगेल्लोसिस नामक खूनी पेचिश के इलाज के लिए पहला स्वदेशी टीका विकसित किया है जिसे मुख्य रूप से एशियाई और अफ्रीकी देशों को प्रभावित करने वाली बीमारी के रूप में पहचाना जाता है।

संबंधित जानकारी

शिगेल्ला जीवाणु

- इसके कारण शिगेल्लोसिस होती है जो एक संक्रामक बीमारी है।
- शिगेल्ला से संक्रमित अधिकतर व्यक्तियों में जीवाणु के संपर्क में आने के एक अथवा दो दिनों बाद डायरिया, बुखार और पेट में ऐंठन शुरू हो जाती है।
- वर्तमान में, इस बीमारी का इलाज बड़े पैमाने पर एंटीबायोटिक दवाओं के माध्यम से किया जाता है लेकिन इस तथ्य पर विचार करते हुए कि एंटीबायोटिक प्रतिरोध एक बड़ी चिंता बन गया है, टीका समय की आवश्यक्ता थी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>आई.सी.जी.एस. सी.-441: तटरक्षक पोत</u>**

- नव निर्मित तटरक्षक पोत आई.सी.जी.एस. सी.-441 को तिरूवनंथपुरम विझिंजम बंदरगाह में सेवा पर साधिकार किया गया था।
- यह श्रृंखला के मध्य सातवां इंटरसेप्टर पोत है जिसे सूरत के मैसर्स एल. एंड टी. लिमिटेड द्वारा बनाया गया है।

संबंधित जानकारी

आई.सी.जी.एस. सी.-441

- इसे समुद्र में संकट के समय नौकाओं और शिल्पों को सहायता प्रदान करते हुए गहन तट निगरानी अंतर्निदेश, खोज और बचाव करने हेतु बनाया गया है।
- यह पोत दो डीजल इंजन और दो जल-जेट प्रणोदन प्रणाली द्वारा संचालित है और इसमें 25 नॉट की चाल पर 500 नैनोमीटर की स्थिरता है।
- यह पोत अत्याधुनिक संचार, नौवहन उपकरण और हल्की, मध्यम और भारी स्वचालित मशीन गन आयुधों के साथ सुसज्जित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>फेम-II योजना के अंतर्गत स्थानीयकरण</u>**

- राष्ट्रीय परिवर्तनकारी गतिशीलता मिशन की अंतर-मंत्रिस्तरीय संचालन समिति ने फेम-II योजना के अंतर्गत लाभ उठाने के लिए स्थानीयकरण की शर्तों को शामिल करने का निर्णय लिया है।
- संचालन समिति ने अनिवार्य किया है कि इलेक्ट्रिक गतिशीलता के साथ ही मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए केवल 50% स्थानीयकरण सीमा को पूरा करने वाली कंपनियां ही हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के शीघ्र अनुकूलन एवं विनिर्माण (फेम-।।) के अंतर्गत प्रोत्साहन धनराशि के लिए पात्र होंगी।

संबंधित जानकारी

फेम-II योजना

- हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के शीघ्र अनुकूलन एवं विनिर्माण (फेम-।।), राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक गतिशीलता मिशन योजना का हिस्सा है।
- फेम की मुख्य विशेषता सब्सिडी प्रदान करके इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है।
- इस योजना के अंतर्गत सरकार वाणिज्यिक उद्देश्यों के प्रयोग की जाने वाली इलेक्ट्रिक बसों, तीन पहिया वाहनों और चार पहिया वाहनों के लिए प्रोत्साहन राशि की पेशकश करने की योजना बना रही है।
- केंद्र, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और निजी इकाईयों की सक्रिय भागीदारी के साथ चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में निवेश करेगा।
- फेम 2, चार्जिंग ढांचे के साथ अक्षय ऊर्जा स्रोतों को इंटरलिंक करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

9. **<u>इंडोनेशिया ने रामायण पर डाक टिकट जारी किया है।</u>**

- इंडोनेशिया ने भारत के साथ राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने हेतु रामायण के विषय पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया है।
- प्रसिद्ध इंडोनेशियाई मूर्तिकार पद्मश्री बपक न्योमन नुआर्ट द्वारा डिजाइन किए गए डाक टिकट में हिंदू महाकाव्य रामायण का एक दृश्य है जिसमें जटायु ने सीता जी को बचाने के लिए बहादुरी से युद्ध किया था।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

26.04.2019

1. **<u>खासी "साम्राज्य" 1947 के समझौते का पुनर्लोकन कर रहा है।</u>**

- 25 हिम अथवा खासी राज्यों के एक संघ ने 1948 के समझौतों को फिर से शुरू करने की

योजना बनाई है जिसने वर्तमान में मेघालय, भारत का हिस्सा है।

- पुनर्लोकन का उद्देश्य लागू केंद्रीय कानूनों से आदिवासी रीति-रिवाजों और परंपराओं की रक्षा करना अथवा नागरिकता (संशोधन) विधेयक के समान इसे अधिनियमित करना है।

संबंधित जानकारी

- 25 खासी राज्यों ने 15 दिसंबर, 1947 और 19 मार्च, 1948 के बीच भारत गणराज्य के साथ परिग्रहण के साधन और अधिग्रहण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- इन राज्यों के साथ सशर्त संधि पर 17 अगस्त, 1948 को गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हस्ताक्षर किए थे।
- खासी राज्यों ने भारत के अन्य राज्यों के विपरीत विलय के साधन पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

परिग्रहण का साधन

- परिग्रहण का साधन, एक कानूनी दस्तावेज है जिसे पहली बार भारत सरकार अधिनियम 1935 द्वारा पेश किया गया था।
- इसका इस्तेमाल 1947 में ब्रिटिश भारत के विभाजन के बाद बने भारत या पाकिस्तान के नए गणराज्यों में से किसी एक में शामिल होने के लिए देशी रियासतों के प्रत्येक शासकों को सक्षम करने के लिए किया गया था।
- जूनागढ़ और जम्मू एवं कश्मीर द्वारा भी परिग्रहण के साधन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

नोट:

- भारत के संविधान में भी मणिपुर के लिए अनुच्छेद 371 सी. और असम के लिए अनुच्छेद 371बी. के अंतर्गत इन राज्य हेतु विशेष प्रावधान प्रदान किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>कोशिका-आधारित अनुसंधान के लिए देश की पहली परियोजना "क्लीन मीट" है।</u>**

- कोशिका-आधारित मांस पर शोध करने के लिए क्लीन मीट नामक देश की पहली परियोजना को प्रोत्साहन देने हेतु केंद्र ने अनुमति प्रदान की है।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी.बी.बी.एस.) के साथ कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.) में यह शोध कार्य किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

क्लीन मीट

- स्वच्छ मांस का उत्पादन जानवरों की कोशिकाओं का एक छोटा सा नमूना लेने और पशुओं के बाहरी कल्चर से उनकी समानता करने से किया जाता है।
- परिणामी उत्पाद 100 प्रतिशत वास्तविक मांस होता है, लेकिन एंटीबायोटिक्स, कोलाई, साल्मोनेला या अपशिष्ट संदूषण के बिना- ये सभी पारंपरिक मांस उत्पादन में मानक हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>बी.टी. बैंगन, हरियाणा में अवैध रूप से उगाया जा रहा है।</u>**

- जी.एम. विरोधी कार्यकर्ताओं के अनुसार, हरियाणा के फतेहाबाद जिले में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जी.एम.) बैंगन अवैध रूप से उगाया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- बी.टी. बैंगन का विकास माहिको (महाराष्ट्र हाइब्रिड सीड्स कंपनी) के साथ धारवाड़ कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय और तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया था।
- अनुवांशिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति 2007 ने बी.टी. बैंगन को व्यावसायिक रूप से उगाने की सिफारिश की थी लेकिन इन पहलों को वर्ष 2010 में रोक दिया गया था।
- बैंगन को कुछ कीटों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए मृदा जीवाणु बैसिलस थरिंगिंसिस नामक प्रोटीन जीन प्रवेश कारकर अनुवांशिक रूप से संशोधित किया जाता है।

आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव (जी.एम.ओ.)

- आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव वे जीव हैं जिनमें आनुवंशिक सामग्री (डी.एन.ए.) को इस

प्रकार बदला जाता है कि आवश्यक गुणवत्ता प्राप्त हो सके।

- इस तकनीकि को प्राय: जीन प्रौद्योगिकी अथवा पुनर्संयोजित डी.एन.ए. तकनीकि अथवा आनवंशिक इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता है और परिणामी जीव को 'आनुवंशिक रूप से संशोधित', या आनुवंशिक रूप से इंजीनियरीकृत या 'ट्रांसजेनिक' कहा जाता है।

आनुवंशिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति (जी.ई.ए.सी.)

- यह देश में हानिकारक सूक्ष्मजीवों या आनुवंशिक रूप से इंजीनियरीकृत जीवों (जी.एम.ओ.) और कोशिकाओं के निर्माण, उपयोग, आयात, निर्यात और भंडारण को विनियमित करने हेतु पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत सर्वोच्च निकाय है।
- जी.ई.ए.सी., प्रयोगात्मक क्षेत्र परीक्षण सहित जी.एम.ओ. और उत्पादों को जारी करने से संबंधित प्रस्तावों की तकनीकी अनुमोदन हेतु भी जिम्मेदार है।
- हालांकि, पर्यावरण मंत्री जी.एम.ओ. के लिए अंतिम मंजूरी प्रदान करता है।
- आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के सुरक्षा पहलुओं का मूल्यांकन संस्थागत जैव सुरक्षा समितियों (आई.बी.एस.सी.), आनुवंशिक संचालक समीक्षा समिति (आर.सी.जी.एम.) और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (ई.पी.ए.) के नियम 1989 के अंतर्गत जैव सुरक्षा दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं पर आधारित गठित आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जी.ई.ए.सी.) द्वारा किया जाता है।

टॉपिक-जी. एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>तिवा आदिवासी, असम में अच्छी फसल के लिए खेलचावा महोत्सव मनाते हैं।</u>**

- तिवा आदिवासी, असम में खेलचावा त्योहार मनाते हैं।
- यह महोत्सव फसल के मौसम के करीब आयोजित किया जाता है।
- खेलचावा महोत्सव एक मातृवंशीय समाज में पूरी तरह से पुरुष प्रधान मामला है।

संबंधित जानकारी

तिवा जनजाति

- तिवा, असम का एक आदिवासी समूह है।
- उन्हें दो उप-समूहों अर्थात पहाड़ी तिवा और मैदानी तिवा, दो उप-समूहों में विभाजित किया गया है।
- वे मेघालय में भी पाए गए जहाँ पहाड़ी तिवा आबादी का एक बड़ा भाग निवास करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>अंटार्कटिक पेंग्विन भारी प्रजनन विफलता का सामना कर रही हैं।</u>**

- शोधकर्ताओं ने कहा है कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सम्राट पेंग्विन वंश को एक "भयावह" प्रजनन विफलता का सामना करना पड़ा है, जिसमें कि तीन साल से अधिक समय में पैदा हुए सभी बच्चों की मौत हो गई थी क्यों कि उनके बर्फीले अंटार्कटिक निवास स्थान सिकुड़ गए हैं।

संबंधित जानकारी

सम्राट पेंग्विन

- यह सभी जीवित पेंग्विन प्रजातियों में सबसे लंबी और सबसे भारी है और अंटार्कटिका के लिए स्थानिक प्रजाति है।
- ये एकमात्र पेंग्विन हैं जो अंटार्कटिक सर्दियों के दौरान प्रजनन करती हैं।
- आई.यू.सी.एन. दर्जा: लुप्तप्राय के निकट है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>अकादेमिक लोमोनोसोव: विश्व का पहला तैरता हुआ नाभिकीय ऊर्जा संयत्र है।</u>**

- रूस ने अपने पहले "अकादेमिक लोमोनोसोव" का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, यह विश्व का पहला तैरता हुआ नाभिकीय ऊर्जा संयत्र है जो रोस्टॉम का सहायक संचालक है, जो रूस का राज्य-स्वामित्व वाला परमाणु ऊर्जा संगठन है।

संबंधित जानकारी

अकादेमिक लोमोनोसोव

- अकादेमिक लोमोनोसोव, एक गैर-स्वप्रणोदक शक्ति है जिसे पहले रूसी तैरते हुए नाभिकीय ऊर्जा स्टेशन के रूप में संचालित किया जाना है।
- इस जहाज का नाम शिक्षाविद मिखाइल लोमोनोसोव के नाम पर रखा गया था।
- परमाणु ऊर्जा संयंत्र अपने ट्विन के.एल.टी.-40एस. रिएक्टर प्रणाली द्वारा संचालित होता है।
- इस जहाज का नाम प्रसिद्ध शिक्षाविद मिखाइल लोमोनोसोव के नाम पर रखा गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **प्राणी विज्ञानियों ने इंडोनेशिया में दो नई पक्षी प्रजातियों की खोज की है।**

- प्राणि विज्ञानियों ने इंडोनेशिया के सुलावेसी के वाकाटोबी द्वीपसमूह में दो नई सुंदर पक्षी प्रजातियों की खोज की है।
- इन प्रजातियों का नाम वकाटोबी सफेद-आंख और वंगी-वंगी सफेद-कान है।
- एक समूह के रूप में सफेद-आंखें किसी भी अन्य पक्षियों की तुलना में अधिक तेजी से फैलती और विशिष्ट होती हैं। वे अनुकूलनीय होते हैं, विभिन्न प्रकार के फलों, फूलों और कीटों का पोषण करते हैं।

टॉपिक- जी.एस.-3- जैवविविधता

स्रोत- फिज. ऑर्ग

8. **मंगल: नासा के इनसाइट लैंडर ने पहले 'मार्सक्वैक' का पता लगाया है।**

- नासा की इनसाइट जांच ने जो पता लगाया और मापा है, उसके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि यह अब तक का रिकॉर्ड किया गया पहला 'मार्सक्वैक (मंगलकंपन)' है।
- मार्सक्वैक, पृथ्वी पर भूकंप के समान है।
- यह पहली बार हुआ है जब किसी अन्य ग्रह पर भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं।
- आंतरिक संरचना उपकरण हेतु लैंडर के द्वारा एक कमजोर सिग्नल का पता लगाया गया था, इसे 6 अप्रैल को लैंडर के 128वें सोल (मंगल सौर दिवस) में दर्ज किया गया था।
- मंगल और चंद्रमा में टेक्टोनिक प्लेट नहीं होती हैं, लेकिन फिर भी वे भूकंप के झटके अनुभव करते हैं।
- मंगल और चंद्रमा पर कंपन, सतह के ठंडा होने और संकुचन की एक निरंतर प्रक्रिया के कारण होता है जो तनाव उत्पन्न करता है।
- यह तनाव समय के साथ बढ़ता है जब तक कि यह क्रस्ट को तोड़ने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं होता है, जिससे भूकंप आता है।

संबंधित जानकारी

इनसाइट मिशन

- यह नासा के खोज कार्यक्रम का एक हिस्सा है, जिसका प्रबंधन अलाबामा के हंट्सविले में संस्था के मार्शल अंतरिक्ष उड़ान केंद्र द्वारा किया जाता है।
- यह मंगल की सतह के नीचे अधिक गहराई तक पहुँचाने वाला पहला मिशन होगा, जो ग्रह के तापमान को मापकर इसकी आंतरिक संरचना का अध्ययन करता है और मार्सक्वैक को सुनता है जो पृथ्वी पर भूकंप के समान भूकंपीय घटनाएं होती हैं।
- यह मार्सक्वैक द्वारा उत्पन्न भूकंपीय तरंगों का उपयोग ग्रह के गहरे आंतरिक भाग का नक्शा विकसित करने के लिए करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- बी.बी.सी.

9. **समुद्री आक्रामक विदेशी प्रजातियां एशिया-प्रशांत में द्वीपों के प्रति खतरा पैदा कर रही हैं।**

- जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति प्लेटफॉर्म (आई.पी.बी.ई.एस.), पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं पर वैश्विक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, आक्रामक विदेशी प्रजातियों में वृद्धि हुई है और यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में जैव विविधता के नुकसान के सबसे गंभीर कारणों में से एक है।

नोट: आई.पी.बी.ई.एस., जिसमें 132 सदस्य सरकारें हैं, वह निकाय है जो लोगों के प्रति जैव विविधता के योगदान को मापता है। इसकी स्थापना पनामा सिटी में 21 अप्रैल 2012 को 14 सरकारों द्वारा की गई थी। आई.पी.बी.ई.एस. को चार संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं: यू.एन.ई.पी., यूनेस्को, एफ.ए.ओ. और यू.एन.डी.पी. के तत्वाधान में रखा गया है और यू.एन.ई.पी. द्वारा प्रशासित हैं।

संबंधित जानकारी

- जैव विविधता सम्मेलन के अनुसार: "आक्रामक विदेशी प्रजातियां ऐसी प्रजातियां हैं जिनकी शुरूआत और /या उनके प्राकृतिक अतीत या वर्तमान वितरण के बाहर फैलने से जैविक विविधता को खतरा है"।
- ये प्रजातियां जानवरों, पौधों, कवक और सूक्ष्मजीवों को प्रभावित करने के लिए पाई जाती हैं और सभी प्रकार के पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर सकती हैं।
- एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए यह स्थानीय आजीविका हेतु एक गंभीर खतरा है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

29.04.2019

1. **दक्षिणी नदी टेरापिंस (बाटागुर अफिनिस)**

- शाही कछुओं को औपचारिक रूप से दक्षिणी नदी टेरापिंस के रूप में वर्गीकृत किया गया था, इन्हें एक कंबोडियाई नदी के दूरदराज के क्षेत्रों में छोड़ दिया गया था।
- उन्हें शाही कछुए के रूप में जाना जाता है क्यों कि वे ऐतिहासिक रूप से एक शाही आज्ञप्ति द्वारा संरक्षित थे और उनके अंडों को राजा के प्रति आरक्षित शिष्टाचार के रूप में माना जाता था।
- उन्हें आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- वे मलेशिया, इंडोनेशिया और कंबोडिया में पाए जाते हैं।
- वे शिकार, तस्करी और अवैध रेत खनन के कारण विलुप्त होने की कगार पर हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 **– पर्यावरण एवं जैवविविधता**

स्रोत- द हिंदू

2. काफाला प्रणाली

- कतर वर्ष 2019 के अंत तक सभी विदेशी श्रमिकों के लिए काफाला या प्रायोजन प्रणाली नामक अपने विवादास्पद निकासी वीज़ा प्रणाली को समाप्त करने के लिए तैयार है।

संबंधित जानकारी

काफाला प्रणाली के संदर्भ में जानकारी:

- काफाला प्रणाली, एक प्रणाली है जिसका उपयोग प्रवासी मजदूरों की निगरानी के लिए किया जाता है, जो मुख्य रूप से बहरीन, इराक, जॉर्डन, लेबनान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यू.ए.ई. में निर्माण और घरेलू क्षेत्रों में काम करते हैं।
- इस प्रणाली में सभी अकुशल मजदूरों की आवश्यकता होती है, जिनके पास देश में प्रायोजक होता है, सामान्यत: उनका नियोक्ता होता है, जो उनके वीजा और कानूनी स्थिति के लिए जिम्मेदार होता हैं।
- इस प्रथा की मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना की गई है क्यों कि नियोक्ताओं के साथ प्रवासी श्रमिकों के वीजा की बाध्यता से नौकरी बदलने या छोड़ने से पहले अपने नियोक्ता की पूर्व सहमति की आवश्यकता होती है, जो आगे चलकर उनके शोषण का कारण बनती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 **– अर्थशास्त्र**

स्रोत- द इकोनॉमिक टाइम्स

3. **भारत और म्यांमार को जोड़ने वाला गलियारा अब बी.आर.आई. ढांचे के अंतर्गत नहीं है।**

- बेल्ट एवं सड़क फोरम (बी.आर.एफ.) को छोड़ने के भारत के निर्णय से बेल्ट एवं सड़क पहल (बी.आर.आई.) छत्री द्वारा शामिल परियोजनाओं की सूची में से बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार (बी.सी.आई.एम.) आर्थिक गलियारे को बाहर किया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त दक्षिण एशिया तीन प्रमुख उपक्रमों द्वारा संरक्षित है
- चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा (सी.एम.ई.सी.)
- नेपाल-चीन ट्रांस-हिमालयी बहु-आयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क, जिसमें नेपाल-चीन क्रॉस-बॉर्डर रेलवे भी शामिल है
- चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सी.पी.ई.सी.)

भारत की चिंता

- चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पी.ओ.के.) से होकर गुजरता है, इस कारण से भारत ने दूसरी बार बेल्ट एवं सड़क फोरम (बी.आर.एफ.) में भाग नहीं लिया था जिससे उसकी संप्रभुता को चोट पहुंची थी।

संबंधित जानकारी

बांग्लादेश, चीन, भारत और म्यांमार आर्थिक गलियारे के संदर्भ में जानकारी:

- इस बहु-मॉडल परिवहन गलियारे का उद्देश्य बांग्लादेश (ढाका) और म्यांमार (मांडले) से होते हुए भारत (कोलकाता) और चीन (कुनमिंग) को जोड़ना है।
- इस विचार को 1999 में पहली कुनमिंग पहल में बी.सी.आई.एम. फोरम के रूप में आकार प्रदान किया गया था।
- इस गलियारे का उद्देश्य बहु-मॉडल कनेक्टिविटी को उन्नत करना, निवेश और व्यापार को बढ़ावा देना और क्षेत्र में सड़क, रेल, पानी और हवाई संपर्क के संयोजन के माध्यम से लोगों से लोगों के मध्य संपर्क स्थापित करना है।
- मल्टी-मॉडल कॉरिडोर भारत और चीन के मध्य पहला एक्सप्रेसवे होगा और म्यांमार और बांग्लादेश से होकर गुजरेगा।

चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा (सी.एम.ई.सी.)

- सी.एम.ई.सी. चीन के युनान प्रांत से मध्य म्यांमार के मंडाले तक जाएगा।
- बंगाल की खाड़ी में क्याउकप्यू विशेष आर्थिक क्षेत्र (एस.ई.जेड.) में समाप्त होने से पहले यह यांगोन की ओर बढ़ेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – **ढांचागत**

स्रोत- द इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>मंजीरा वन्यजीव अभयारण्य</u>**

- मंजीरा बैराज और सिंगूर जलाशय इन गर्मियों में सूखे रहने वाले हैं। इस कदम ने मंजीरा वन्यजीव अभयारण्य के मगरमच्छों को किसी भी जगह की तलाश करने के लिए मजबूर किया है जहां पानी उपस्थित हो।

संबंधित जानकारी

मंजीरा वन्यजीव अभयारण्य के संदर्भ में जानकारी:

- यह एक वन्यजीव अभयारण्य और जलाशय है जो तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में स्थित है।
- जलाशय, अभयारण्य में स्थित है, इस जलाशय से हैदराबाद और सिकंदराबाद को पीने के पानी की आपूर्ति की जाती है।

मगर मगरमच्छ

- मगर मगरमच्छ (क्रोकोडाइलस पॉलस्ट्रिस), को मार्श मगरमच्छ भी कहा जाता है, यह दक्षिणी ईरान और पाकिस्तान से भारतीय उपमहाद्वीप और श्रीलंका में ताजे पानी के निवास स्थानों का मूल निवासी है।
- यह भूटान और म्यांमार में विलुप्त हो चुका है और 1982 में इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में "कमजोर" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- यह भारत में पाए जाने वाले तीन मगरमच्छों में से एक है, इसके अतिरिक्त खारे पानी का मगरमच्छ (सी.पोरोसस) और घड़ियाल (गैवियालिस गैंगेटिकस) हैं।

मंजीरा के संदर्भ में जानकारी:

- यह गोदावरी नदी की एक सहायक नदी है।
- यह महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों से होकर बहती है।
- यह अहमदनगर जिले के पास पहाड़ियों की बालाघाट श्रृंखला से निकलती है।
- तर्ना नदी, मंजीरा नदी की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – **पर्यावरण एवं जैवविविधता**

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>आई.आई.टी. मद्रास: नौ भारतीय भाषाओं के लिए आसान ओ.सी.आर. प्रणाली</u>**

- यूरोपीय भाषाओं से संकेत लेने पर यह ज्ञात होता है कि इसकी कई भाषाओं की लिपि समान (रोमन अक्षर-आधारित) है।
- आई.आई.टी. मद्रास ने नौ भारतीय भाषाओं के लिए एक एकीकृत लिपि विकसित की है, जिसका नाम भारती लिपि है।

- उन्होंने बहु-भाषायी प्रकाशीय वर्ण पहचान (ओ.सी.आर.) योजना का उपयोग करते हुए भारती लिपि में दस्तावेज़ पढ़ने के लिए एक विधि भी विकसित की है।
- जिन लिपियों को एकीकृत किया गया है उनमें देवनागरी, बंगाली, गुरुमुखी, गुजराती, उड़िया, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और तमिल शामिल हैं।
- अंग्रेजी और उर्दू को अब तक एकीकृत नहीं किया गया है।
- टीम ने एक फिंगर-स्पेलिंग विधि भी विकसित की है जिसका उपयोग बहरे व्यक्तियों के लिए एक संकेत भाषा का निर्माण करने हेतु किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 **–कला एवं संस्कृति**

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>जामिया टीम ने अतिसंवेदनशील क्वांटम तापमापी विकसित किया है।</u>**

- नई दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया के शोधकर्ताओं ने ग्रैफीन क्वांटम कणों का उपयोग करके एक अतिसंवेदनशील क्वांटम तापमापी विकसित किया है।
- यह तापमापी 27 डिग्री सेंटीग्रेट से -196 डिग्री सेंटीग्रेट तक की तापमान की व्यापक श्रृंखला को माप सकता है।
- विभिन्न तापमान मापते समय इस तापमापी में अधिक संवेदनशीलता होती है और यह तापमान में होने वाले काफी न्यून (माइक्रो कैल्विन) परिवर्तनों को भी माप सकता है।

अनुप्रयोग

- यह डिवाइस क्रायोजेनिक तापमान संवेदन में व्यापक अनुप्रयोग खोज सकती है।
- यह जैविक कोशिकाओं और अणुओं के ऊष्मायन तापमान को मापने के लिए दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवा में उपयोगी होगी।
- इंजन के भीतर प्रज्वलन तापमान को मापने के लिए यह ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए भी उपयोगी होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 **–विज्ञान एवं तकनीकि**

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>परमाणु अप्रसार संधि</u>**

- ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद ज़रीफ़ ने कहा है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ तेहरान की जवाबी कार्रवाई के रूप में परमाणु अप्रसार संधि को छोड़ना "कई विकल्पों" में से एक है।

संबंधित जानकारी

परमाणु अप्रसार संधि के संदर्भ में जानकारी:

- परमाणु अप्रसार संधि अथवा परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संधि एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है, जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों और संबंधित तकनीकि के फैलाव अथवा प्रसार को रोकना है।
- इसका उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग को प्रोत्साहित करना और समर्थन करना है और परमाणु निरस्त्रीकरण को पूरा करने की दिशा के साथ ही पूर्ण और सामान्य निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना है।
- इस संधि पर 1 जुलाई, 1968 को हस्ताक्षर किए गए थे और इसे दो वर्ष बाद मार्च, 1970 में लागू किया गया था।
- यह संधि महत्वपूर्ण है क्यों कि अधिकांश देशों ने किसी अन्य निरस्त्रीकरण संधि की तुलना में इस संधि को स्वीकार किया है।
- संयुक्त राष्ट्र के चार सदस्य राष्ट्र जिन्होंने एन.पी.टी. को स्वीकार नहीं किया है, वे भारत, पाकिस्तान, इजरायल और दक्षिणी सूडान हैं।
- उत्तर कोरिया 2003 में एन.पी.टी. से हट गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2**–महत्वपूर्ण संधि**

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>फनी "अत्यंत गंभीर चक्रवात" में बदल सकता है।</u>**

- भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में फनी नामक एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात के अगले दो दिनों में "अत्यंत गंभीर चक्रवात" के रूप में विकसित होने की संभावना है।

- यह तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करेगा।

संबंधित जानकारी

उष्णकटिबंधीय चक्रवात

- एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात, एक तेज गति से घूमने वाली तूफान प्रणाली है जिसकी विशेषताएं निम्न दबाव केंद्र, एक बंद निम्न-स्तरीय वायुमंडलीय परिसंचरण, तेज हवाएं और गरज के सर्पिले व्यवस्थापन है जो तेज बारिश ला सकते हैं।
- इसके स्थान और क्षमता पर निर्भर करता है कि एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात को विभिन्न नामों से जाना जाए, जिसमें हरिकेन, उष्णकटिबंधीय तूफान, उष्णकटिबंधीय न्यूनता और साधारण चक्रवात शामिल हैं।
- हरिकेन, एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है जो अटलांटिक महासागर और पूर्वोत्तर प्रशांत महासागर में आता है।
- टाइफून, उत्तर पश्चिमी प्रशांत महासागर में आते हैं।
- तूफानों की तुलना में दक्षिण प्रशांत या हिंद महासागर को "उष्णकटिबंधीय चक्रवात" या "गंभीर चक्रवाती तूफान" के रूप संदर्भित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 **–आपदा प्रबंधन**

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>भविष्य मानव मॉडल प्रणाली केंद्र: गैर-पशु अनुसंधान मॉडल</u>**

- कोशिकीय एवं आणुविक जैवविज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.) में अटल ऊष्मायन केंद्र (ए.आई.सी.) ने अंतर्राष्ट्रीय मानव सोसाइटी/ भारत (एच.एस.आई./भारत) के सहयोग से भविष्य मानव मॉडल प्रणाली केंद्र शुरू किया है।
- यह अनुसंधान के लिए पशु मॉडल के स्थान पर 21वीं सदी की नई-दृष्टिकोण पद्धति पर ध्यान केंद्रित करके विज्ञान में बदलाव को सक्षम करने हेतु समर्पित है।
- इस केंद्र का लक्ष्य भारत में जीवन विज्ञान अनुसंधान में मानव-आधारित, गैर-पशु पद्धतियों में निवेश को प्राथमिकता प्रदान करना है।
- 24 अप्रैल को विश्व प्रयोगशाला पशु दिवस मनाया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 **–विज्ञान एवं तकनीकि**

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

10. **<u>ईशाद: आम की एक किस्म</u>**

- क्षेत्रीय आम की किस्म को ईशाद कहते हैं, जिसके गूदे को मूल्य वर्धित उत्पादों को बनाने के लिए एक सदी से अधिक समय तक निकालकर रखा जा सकता है, अब यह किस्म हाइब्रिड किस्मों की प्रतिस्पर्धा के कारण दुर्लभ किस्म बनने के खतरे का सामना कर रही है।
- इसे कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में उगाया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 **–कला एवं संस्कृति**

स्रोत- द हिंदू

30.04.2019

1. **<u>सेना ने मिसाइल सौदे के लिए आपातकालीन शक्तियों का प्रयोग किया है।</u>**

- सेना, रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत आपातकालीन खरीद हेतु नई वित्तीय शक्तियों के एक समूह के माध्यम से इज़राइल से स्पाइक-एल.आर. एंटी टैंक मिसाइल और रूस से अत्यंत कम रेंज की वायु रक्षा प्रणाली (विशोरद) इगला-एस. खरीदने की प्रक्रिया में है।
- नवीनतम आपातकालीन वित्तीय शक्तियों के अंतर्गत, सशस्त्र बलों को प्राथमिकता के आधार पर 300 करोड़ रूपए तक के उपकरण खरीदने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

विशोरद सौदा

- सेवा में तैनात विरासत इगला प्रणालियों के प्रतिस्थापन हेतु विशोरद के सौदे की शुरूआत वर्ष 2010 में हुई थी।

संबंधित जानकारी

स्पाइक-एल.आर. (लंबी रेंज) एंटी-टैंक मिसाइलें

- स्पाइक लॉन्च करने से पहले लॉक-ऑन और स्वचालित स्व-मार्गदर्शन के साथ फायर एंड फॉरगेट मिसाल है। यह मिसाइल इमेजिंग अवरक्त साधक से सुसज्जित है।
- स्पाइक-एल.आर. (लंबी रेंज) की सीमा 4 कि.मी. है।

इग्ला-एस. (एस.ए.-24)

- यह रूसी मानव-पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली (मैनपैड्स) तकनीक का नवीनतम मॉडल है।
- यह भारत को पूर्व में आपूर्ति की गई एस.ए.-18 मिसाइलों से बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है।
- इसे कम दूरी पर दृश्यमान हवाई लक्ष्यों जैसे सामरिक विमान, हेलीकॉप्टर, मानव रहित हवाई वाहन (यू.ए.वी.) के लिए आगे और पीछे दोनो तरफ के लिए, पृष्ठभूमि अव्यवस्था और लुभावनी चमक (रूकावट) के लिए डिजाइन किया गया है।
- सभी मौसमों में 3 कि.मी. की ऊँचाई पर अधिकतम सीमा 6 कि.मी. होगी, सभी मौसम की क्षमता के साथ 3 किमी की ऊंचाई।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>स्वच्छ वायु कार्यक्रम के पर्यवेक्षण हेतु समिति गठित की गई है।</u>**

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन.सी.ए.पी.) को लागू करने हेतु एक समिति का गठन किया है।
- इसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक कम से कम 102 शहरों में कणिका तत्व (पी.एम.) प्रदूषण को 20%-30% तक कम करना है।
- इस समिति की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के सदस्यों के साथ सचिव द्वारा की जाएगी।
- इस समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित होगा।
- एन.सी.ए.पी. को 2019 के साथ पहले वर्ष के रूप में पंचवर्षीय कार्य योजना के रूप में परिकल्पित किया गया है, प्रत्येक पांच वर्षों में समिति की समीक्षा की जाएगी।
- एन.सी.ए.पी. का लक्ष्य भविष्य में शहरों के प्रदूषण स्तर की गणना में कमी करना है, जिसमें 2017 के औसत वार्षिक पी.एम. स्तर को आधार वर्ष माना गया है।

वायु प्रदूषण पर डब्ल्यू.एच.ओ. की रिपोर्ट

- पिछले वर्षों में वायु प्रदूषण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के डेटाबेस में भारतीय शहरों को टायर 1 और टायर 2 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, क्यों कि विश्व में कुछ सबसे अधिक प्रदूषित स्थान हैं।
- वर्ष 2018 में, विश्व के 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 शहर भारत के थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एन.सी.एम.सी.)</u>**

- कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली एन.सी.एम.सी. की बैठक में चक्रवाती तूफान "फनी" से निपटने हेतु किए जाने वाले प्रारंभिक उपायों का जायजा लिया गया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति

- यह भारत सरकार द्वारा प्रभावी आपदा के मद्देनजर स्थापित की गई एक अस्थायी समिति है जो राहत उपायों और संचालन के प्रभावी समन्वय और कार्यान्वयन हेतु जिम्मेदार है।
- इस प्रकार की समिति के गठन पर कृषि सचिव सभी आवश्यक जानकारियां और दिशानिर्देश प्रदान करेगा, यदि कोई हो।
- यह समिति हितधारकों के रूप में विभिन्न विभागों के कैबिनेट सचिवों से मिलकर बनी है।
- समिति में प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर राहत से संबंधित मामलों से निपटने हेतु संकट प्रबंधन समूह (सी.एम.जी.) भी है।
- सी.एम.जी. एक वर्ष में कम से कम दो बार मिलेंगे और जितनी बार आवश्यक हो उतनी बार राहत आयुक्त की आवश्यकता के अनुरूप मिल सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अपादा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट: 2019**

- यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आई.एफ.पी.आर.आई.) द्वारा जारी की गई है।
- 2019 की रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते संकट को दूर करने के लिए ग्रामीण पुनरोद्धार की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला गया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- विश्व की कुल आबादी की 45.3% ग्रामीण आबादी है और विश्व की कम से कम 70% आबादी बहुत गरीब है।
- ग्रामीण परिवर्तन एवं पुनरोद्धार, स्वतंत्रता के बाद से भारत के विकास के प्रयासों का प्रमुख लक्ष्य रहा है।
- पूरे विश्व में लगभग 50% ग्रामीण युवाओं के पास कोई भी औपचारिक नौकरी नहीं है, वे या तो बेरोजगार हैं या अर्द्ध रोजगार वाले हैं।
- लगभग एक बिलियन लोग, इनमें से अधिकांश अफ्रीका और दक्षिण एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, अभी भी इन्हें बिजली तक पहुंच नहीं प्राप्त है।
- पूरे क्षेत्र में विकास दर बहुत भिन्न होने के बावजूद भी वर्ष 2018 में दक्षिण एशिया विश्व में सबसे तेजी से प्रगति करने वाला क्षेत्र है क्यों कि आर्थिक विकास लगातार मजबूत हुआ है।

संबंधित जानकारी

आई.एफ.पी.आर.आई.

- यह विकासशील देशों में सतत रूप से गरीबी और भुखमरी एवं कुपोषण को समाप्त करने हेतु अनुसंधान-आधारित नीति समाधान प्रदान करता है।
- आई.एफ.पी.आर.आई. का मुख्यालय अमेरिका के वाशिंगटन में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **स्पेन के समाजवादी ने अनियोजित चुनाव में जीत दर्ज की है।**

- स्पेनिश प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ के समाजवादियों ने अनियोजित चुनावों में जीत दर्ज की है।

अनियोजित चुनाव (स्नेप इलेक्शन)

- संसदीय लोकतंत्र में प्रत्येक कुछ वर्षों में एक बार एक आम चुनाव आयोजित किए जाते हैं जिसमें प्रत्येक वयस्क उन लोगों को चुनने के लिए मतदान कर सकता है जो संसद में उनका प्रतिनिधित्व करेंगे।
- अनियोजित चुनाव, सत्ता में बैठी पार्टी द्वारा निश्चित समय सीमा से पहले ही आम चुनाव शुरू करने के एक तेज और अप्रत्याशित निर्णय को संदर्भित करता है।
- चुनाव में अनियोजित चुनाव को उम्मीद से पहले आयोजित किए जाने वाले चुनाव कहा जाता है।
- यह पुन: चुनाव से भिन्न हैं, इसमें यह मतदाताओं के बजाय राजनेताओं (सामान्यत: सरकार या शासक दल के प्रमुख) द्वारा शुरू किया जाता है और उप-चुनाव का विजेता पहले से स्थापित कार्यकाल के शेष समय के विपरीत संपूर्ण कार्यकाल हेतु सेवा में रहता है।
- चूंकि अनियोजित चुनावों को आयोजित कराने की शक्ति सामान्यत: पदग्राही के पास होती है, अत: इसके परिणामस्वरूप सत्ता में पहले काबिज पार्टी के लिए बहुमत में वृद्धि हो जाती है, यह समय उसके लिए लाभकारी माना जाता है।
- हालांकि, अनियोजित चुनावों का पदग्राही पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप उसके बहुमत में कमी हो सकती है अथवा विरोधी दल जीत सकता है अथवा सत्ता में आ सकता है।
- बाद के मामलों के परिणामस्वरूप, ऐसे मौके आए हैं जिनमें परिणाम निश्चित अवधि के चुनावों का क्रियान्वयन कर रहे हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नैंस

स्रोत- द हिंदू

6. **साइबरेक्स: साइबर युद्धाभ्यास**

- भारतीय सशस्त्र बलों ने एक प्रमुख साइबर युद्धाभ्यास आयोजित करने का फैसला किया है जिसे "साइबरेक्स" कहा जाता है।

- यह कई अन्य संगठनों से भागीदारी के साथ एकीकृत रक्षा कर्मचारियों के तत्वावधान में सेना, भारतीय वायु सेना (आई.ए.एफ.) और भारतीय नौसेना का पहला प्रमुख संयुक्त युद्धाभ्यास है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य साइबर हमलों के दौरान एक समन्वित प्रतिक्रिया के लिए आवश्यक अपेक्षित कार्रवाइयों और क्षति नियंत्रण, प्रतिक्रिया और स्थिति का मूल्यांकन करना है।
- इसमें रणनीतिक नेटवर्क और बिजली ग्रिड जैसे महत्वपूर्ण भारतीय बुनियादी ढांचे पर होने वाले साइबर हमलों से संबंधित परिदृश्य भी शामिल होंगे।
- भारत साइबरेक्स और इस प्रकार के अन्य प्रयासों की मदद से भूमि, वायु, समुद्र और अंतरिक्ष जैसे पहले चार युद्धक्षेत्रों के बाद युद्ध के पांचवें आयाम में चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहता है।
- हालांकि, भारत एक मजबूत नागरिक सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र होने के बावजूद साइबर युद्ध क्षमता विकसित करने में बहुत पिछड़ गया है।
- दूसरी ओर, चीन ने विरोधी सैन्य परिसंपत्तियों को समाप्त अथवा नष्ट करने के लिए और रणनीतिक परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए अपने साइबर हथियारों निरंतर रूप से अपग्रेड किया है।

नोट:

- भारत सरकार ने दो स्टार जनरल के अंतर्गत अंतरिक्ष और विशेष अभियानों के लिए एक छोटी त्रि-सेवा रक्षा साइबर एजेंसी (डी.सी.ए.) स्थापित करने का निर्णय लिया है।
- एक नौसेना अधिकारी के नेतृत्व वाले डी.सी.ए. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के अंतर्गत अन्य एजेंसियों के लिए छोड़े जा रहे आक्रामक डी.सी.ए. के साथ रक्षात्मक साइबर संचालन करेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

7. **<u>केन्नेथ चक्रवात</u>**

- केन्नेथ चक्रवात के कारण उत्तरी मोजाम्बिक में भारी बारिश और बाढ़ से कम से कम 38 लोग मारे गए हैं।

संबंधित जानकारी

केन्नेथ चक्रवात

- यह शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात है जिसने उत्तरी मोजाम्बिक में 220 किलोमीटर/घंटे तक की रफ्तार से हवाओं के साथ तबाही मचाई है।
- इस चक्रवात ने कोमोरोस द्वीप देश को भी प्रभावित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- ए.आई.आर. + इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>यूरोपीय संघ ने संयुक्त राष्ट्र हथियार व्यापारिक संधि से डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी पर रोक लगा दी है।</u>**

- यूरोपीय संघ ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा वैश्विक हथियारों के व्यापार को विनियमित करने हेतु बनाई गई संयुक्त राष्ट्र संधि से बाहर निकलने के निर्णय से अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ लड़ी जा रही वैश्विक लड़ाई में बाधा उत्पन्न होगी।
- ट्रम्प ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक हथियार व्यापार को विनियमित करने के उद्देश्य से की गई वर्ष 2013 की संधि का पालन नहीं करेगा, उन्होंने इसे "पथभ्रष्ट" और अमेरिकी संप्रभुता पर अतिक्रमण कहा है।
- पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समर्थन के बाद अमेरिकी सीनेट ने कभी भी इस संधि की पुष्टि नहीं की है।

संबंधित जानकारी

ए.टी.टी. (हथियार व्यापार संधि)

- यह संधि दिसंबर, 2014 से प्रभावी हुई थी, हथियारों के अंतर्राष्ट्रीय स्थानांतरण का रिकॉर्ड रखने और नागरिको पर हमलों अथवा मानवाधिकार उल्लंघनों में प्रयोग किए जाने वाले सीमापार शिपमेंट को प्रतिबंधित करने हेतु सदस्य देशों की आवश्यक्ता होगी।

- जबकि 130 देशों ने मूल रूप से संधि पर हस्ताक्षर किए थे, केवल 101 ने ही इसकी पुष्टि की है। इनमें फ्रांस, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम जैसी प्रमुख शक्तियां शामिल हैं।
- यूरोपीय संघ के सभी 28 सदस्य राज्य ए.टी.टी. में शामिल हो गए हैं और इसके उद्देश्यों और इसके सार्वभौमिक अनुसमर्थन और कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने में भी दृढ़ हैं।
- इसमें विश्व के सबसे बड़े हथियार व्यापारी संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस शामिल नहीं हुए हैं।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

9. **कुपोषण मुक्त भारत हेतु**

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन.एफ.एच.एस.)-4 के अनुसार, पिछले वर्षों में हुए सीमांत सुधार के बावजूद भी भारत अस्वीकार्य रूप अविकसितता के उच्च स्तर पर है।
- वर्ष 2015-16 में, पांच वर्ष से कम आयु के 38.4% बच्चे अविकसित रहें हैं और 35.8% बच्चे कम वजन के थे।
- मानव पूंजी सूचकांक में भारत 195 देशों में से 158वें स्थान पर है।
- स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेश की कमी से आर्थिक विकास धीमा हो गया है।

महत्वाकांक्षी लक्ष्य

- वर्ष 2017 की राष्ट्रीय पोषण रणनीति का उद्देश्य वर्ष 2022 तक भारत को कुपोषण मुक्त बनाना है।
- यह योजना एन.एफ.एच.एस.-4 स्तरों से वर्ष 2022 तक बच्चों (0-3 वर्ष) में अविकसितता में प्रति वर्ष लगभग तीन प्रतिशत अंकों की कमी करेगी और बच्चों, किशारों और प्रजनन आयु की महिलाओं में रक्ताल्पता के मामलों में एक-तिहाई कमी को प्राप्त करेगी।
- भौगोलिक क्षेत्रों के संदर्भ में बिहार (48%), उत्तर प्रदेश (46%) और झारखंड (45%) अविकसितता की उच्चतम दरों पर हैं, जब कि अविकसितता की सबसे कम दरों वाले राज्यों में केरल और गोवा (20%) शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस.-2- स्वास्थय मुद्दे

स्रोत- द हिंदू

***